तेजस्वी प्रण: हर परिवार में सरकारी नौकरी, वक्फ कानून पर रोक का वादा
- 12

एमसीएक्स में तकनीकी खराबी से 4 घंटे देर से खुला बाजार जांच शुरू
- 12

पूर्वी एशिया में शांति, स्थिरता और आर्थिक समृद्धि को देंगे बढ़ावा
- 13

पांच टी-20 मैचों की श्रृंखला : नई ऊर्जा और रणनीति के साथ खेलेगा भारत
- 14

आज का मौसम
29.0⁰ अधिकतम तापमान
22.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.16
सूर्यास्त 05.28

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

|कानपुर नगर|

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

कार्तिक शुक्ल पक्ष सप्तमी 9:23 उपरांत अष्टमी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 29 अक्टूबर 2025, वर्ष 4, अंक 68, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

आंध्र में तट से टकराया चक्रवात मोंथा, तूफान में तब्दील

- मछलीपट्टनम और काकीनाडा से देर रात टकराया, एनडीआरएफ की 45 टीमें तैनात
- 4 राज्यों से 50 हजार लोग हटाए, 120 ट्रेन और 52 फ्लाइट कैंसिल

नई दिल्ली/अमरावती, एजेंसी

प्रचंड चक्रवाती तूफान मोंथा मंगलवार देर रात आंध्र प्रदेश के तट से टकरा गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार देर शाम सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के अपने आधिकारिक हैंडल पर किए एक पोस्ट में कहा कि तूफान की नवीनतम स्थिति के मुताबिक इसके तट से टकराने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

चक्रवाती तूफा के प्रभाव से समुद्र में लहरों की भारी उथल-पुथल जारी है। आईएमडी के मुताबिक कुछ घंटों में यह मौसम प्रणाली एक गंभीर चक्रवाती तूफान के रूप में मछलीपट्टनम और कलिंगपट्टनम के बीच काकीनाडा के आसपास आंध्र प्रदेश के तट को पार करेगी, जिसमें अधिकतम 90 से 100 किमी प्रति घंटे की गति से हवा चलेगी और यह गति 110 किमी प्रति घंटे तक हो सकती है। चक्रवात के कारण 4 राज्यों से 50 हजार लोग प्रभावित हुए, साथ ही 120 ट्रेन और 52 फ्लाइट कैंसिल की गईं। वहीं राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) ने चक्रवात 'मोंथा' के मद्देनजर राहत और बचाव कार्यों के लिए बचाव कर्मियों की 45 टीम तैनात की हैं। यह चक्रवात मुख्य रूप से तटीय आंध्र प्रदेश और ओडिशा को प्रभावित करेगा तथा इसके कारण झारखंड और तमिलनाडु में भारी बारिश का पूर्वानुमान है।

आंध्र प्रदेश : चक्रवात मोंथा के कारण कृष्णा जिले के मंगिनापुडी तट पर समुद्र में मची उथल-पुथल।

एनडीआरएफ ने मंगलवार सुबह बताया कि इनमें से 25 दलों को विभिन्न राज्यों में पहले से तैनात किया गया है, जबकि शेष को 'बैकअप' के रूप में रखा गया है। आंध्र प्रदेश में 10 टीम, ओडिशा में छह, तमिलनाडु और तेलंगाना में तीन-तीन, छत्तीसगढ़ में दो और पुडुचेरी में एक टीम तैनात की गई है। थाई भाषा में 'मोंथा' का अर्थ सुगंधित फूल होता है।

ओडिशा में भारी बारिश से भूस्खलन, जनजीवन प्रभावित, 2,000 से अधिक आपदा केंद्र खोले

भुवनेश्वर। ओडिशा के तटीय और दक्षिणी जिलों में भीषण चक्रवाती तूफान 'मोंथा' की वजह से मंगलवार को भारी बारिश होने से भूस्खलन हुआ, घरों को नुकसान पहुंचा और कई जगह पेड़ भी उखड़ गए। दक्षिणी ओडिशा के आठ जिलों मलकानगिरी, कोरापुट, रायगढ़ा, गजपति, गंजम, कंधमाल, कालाहांडी और नवरंगपुर से नुकसान की प्रारंभिक खबरें प्राप्त हुई है। हालांकि, क्षेत्र के कुल 15 जिलों में जनजीवन प्रभावित हुआ है।

गजपति जिले के अनाका ग्राम पंचायत से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पास की पहाड़ियों से बड़े-बड़े पत्थर गिरे, जिससे पांच गांवों की सड़कें अवरुद्ध हो गईं। विशेष राहत आयुक्त कार्यालय के एक अधिकारी ने बताया, चक्रवात के राज्य से गुजरने के बाद विभिन्न जिलों से हुए नुकसान की रिपोर्ट संकलित की जाएगी। ओडिशा के दक्षिणी जिलों में 2,000 से अधिक आपदा राहत केंद्र खोले गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि एनडीआरएफ, ओडीआरएए) और अग्निशमन सेवा के कर्मियों वाली 153 बचाव टीमें (6,000 से ज्यादा कर्मी) संवेदनशील स्थानों पर तैनात हैं।

ओडिशा में भूस्खलन से गजपति जिले के मार्ग पर फैला मलबा।

ब्रीफ न्यूज

प्रशांत किशोर का नाम दो राज्यों की मतदाता सूची में दर्ज, विवाद

पटना/कोलकाता। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर मंगलवार को उस समय विवादों में घिर गए जब यह सामने आया कि वह कथित तौर पर अपने गृह राज्य बिहार के साथ ही पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल में भी मतदाता के रूप में पंजीकृत हैं। पश्चिम बंगाल में एक निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार पश्चिम बंगाल में मतदाता के रूप में पंजीकृत किशोर का पता 121, कालीघाट रोड के रूप में दर्ज है, जो कोलकाता के भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र में तृणमूल कांग्रेस मुख्यालय का पता है। भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल प्रमुख ममता बनर्जी का निर्वाचन क्षेत्र है। विस्तृत 12 पर

राष्ट्रपति राफेल लड़ाकू विमान से भरेंगी उड़ान

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बुधवार को हरियाणा में अंबाला वायु सेना अड्डे से राफेल लड़ाकू विमान में उड़ान भरेंगी। पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादी हमले के जवाब में भारत द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान राफेल लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल किया गया था। पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम और प्रतिभा पाटिल ने क्रमश: आठ जून 2006 और 25 नवंबर 2009 को पुणे के पास लोहेगांव स्थित वायुसेना अड्डे से सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान से उड़ान भरी थी।

8वें वेतन आयोग के गठन संबंधी प्रावधानों को केंद्र ने दी मंजूरी

50 लाख कर्मी और 69 लाख पेंशनरों को होगा फायदा, सेवानिवृत्त जज रंजना प्रकाश को आयोग की कमान

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने मंगलवार को आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन से संबंधित नियमों एवं शर्तों को मंजूरी दे दी। आयोग 18 महीने में अंतिम रिपोर्ट देगा लेकिन एक जनवरी, 2026 से ही उसकी सिफारिशें प्रभावी होने की संभावना है। इन सिफारिशों से केंद्र सरकार के करीब 50 लाख कर्मचारी और 69 लाख पेंशनभोगी लाभान्वित होंगे। इसके साथ ही इसकी अनुशंसाओं का प्रभाव राज्य सरकारों के कर्मचारियों के वेतन ढांचे पर भी पड़ेगा। उच्चतम न्यायालय की सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई को आयोग की कमान सौंपी गई है।

आयोग अपनी अंतिम रिपोर्ट 18 महीनों में देगा, जबकि समय-समय पर अंतरिम रिपोर्टें भी देता रहेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में आठवें वेतन आयोग के गठन से संबंधित नियमों एवं शर्तों को मंजूरी दी गई। सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाताओं को इस फैसले की जानकारी दी। मंत्रिमंडल का यह निर्णय आयोग को स्थापित करने की जनवरी, 2025 में दी गई सैद्धांतिक मंजूरी के नौ माह बाद आया है। यह फैसला बिहार विधानसभा के लिए छह एवं 11 नवंबर को होने वाले मतदान के ऐन वक्त पहले लिया गया है। वैष्णव ने आयोग की सिफारिशें लागू होने की तारीख के बारे में पूछे जाने पर कहा, इसकी विशिष्ट तिथि अंतरिम रिपोर्ट आने के बाद ही तय की जाएगी, लेकिन ज्यादा संभावना है कि यह एक जनवरी, 2026 से प्रभावी हो जाएगी।

आमतौर पर हर 10 वर्ष के अंतराल पर केंद्रीय कर्मचारियों के लिए वेतन आयोग की सिफारिशें लागू की जाती हैं। इस परिपाटी को देखते हुए आठवें वेतन आयोग की सिफारिशों के भी जनवरी, 2026 से लागू किए जाने की संभावना है। मंत्रिमंडल ने न्यायमूर्ति देसाई को आयोग का प्रमुख बनाने के साथ भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम), बेंगलुरु के प्रोफेसर पुलक घोष को अंशकालिक सदस्य और पेट्रोलियम सचिव पंकज जैन को सदस्य-सचिव बनाने का भी फैसला किया। न्यायमूर्ति देसाई इस समय भारतीय प्रेस परिषद की चेयरमैन हैं। इससे पहले वह जम्मू-कश्मीर परिसीमन आयोग और उत्तराखंड समान नागरिक संहिता की मसौदा समिति की अध्यक्ष भी रह चुकी हैं।

उच्चतम न्यायालय से सेवानिवृत्ति के बाद यह उनका चौथा प्रमुख कार्यभार होगा। आधिकारिक बयान के मुताबिक, आयोग अपनी सिफारिशों को अंतिम रूप देते समय केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों और निजी क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए प्रचलित वेतन संरचना, लाभ एवं कार्य परिस्थितियों का तुलनात्मक अध्ययन करेगा।

- 18 महीने में आएगी रिपोर्ट, केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए कई अहम फैसले

राज्यों और कर्मचारी संगठनों से परामर्श के बाद अंतिम रूप

आठवें वेतन आयोग के नियमों एवं शर्तों को विभिन्न मंत्रालयों, राज्यों और कर्मचारी संगठनों से परामर्श के बाद अंतिम रूप दिया गया है। आम तौर पर वेतन आयोगों की सिफारिशें हर 10 वर्ष में लागू होती हैं। पिछला यानी सातवां वेतन आयोग फरवरी, 2014 में गठित हुआ था और उसकी सिफारिशें एक जनवरी, 2016 से लागू की गई थीं। सरकार ने कहा कि आठवां वेतन आयोग देश में वित्तीय अनुशासन और कर्मचारी कल्याण के बीच संतुलन साधने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

गैर-यूरिया उर्वरकों पर 37,952 करोड़ की सब्सिडी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंगलवार को चालू 2025-26 रबी सत्र के लिए गैर-यूरिया उर्वरकों फॉस्फोरस और सल्फर पर 37,952 करोड़ रुपये की सब्सिडी को मंजूरी दी। हालांकि, नाइट्रोजन और पोटाश के लिए सब्सिडी दर में बदलाव नहीं किया गया है। ये दरें एक अक्टूबर, 2025 से 31 मार्च, 2026 तक प्रभावी रहेंगी। प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल ने चालू रबी सत्र के लिए फॉस्फेट सब्सिडी को 43 .60 रुपये प्रति किग्रा से बढ़ाकर 47 .96 रुपये प्रति किग्रा कर दिया है।

जयपुर में हाईटेंशन लाइन के संपर्क में आई बस पिता-पुत्री जिंदा जले

हादसे के बाद बस में आग लगने से उठता धुआं।

- जयपुर के मनोहरपुर में मंगलवार सुबह हुआ भीषण हादसा कई घायल
- हादसे की खबर से पूरनपुर के शेरपुर कलां में मचा कोहराम

संवाददाता, पीलीभीत/जयपुर

अमृत विचार : जयपुर से 50 किलोमीटर दूर मनोहरपुर इलाके में मंगलवार सुबह हादसे ने परिवारों की खुशियां छीन लीं। पूरनपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव शेरपुर कलां के मोहल्ला नौगवां निवासी मजदूरों को लेकर जा रही डबल डेकर बस हाईटेंशन लाइन से छू गई थी।

करंट लगने के साथ ही बस में रखे गैस सिलेंडर फट गए और बस आग का गोला बन गई। इस हादसे में पूरनपुर क्षेत्र के गांव शेरपुर कला निवासी के नसीम मियां (45) और उनकी पुत्री सेनम (18) की मौके पर ही जलकर मौत हो गई, जबकि कई मजदूर झुलस गए। सूचना मिलते ही गांव में कोहराम मच गया। मृतकों के परिवार वाले जयपुर के लिए रवाना हो गए। बताते हैं कि हादसे में मजदूर सोमवार शाम पूरनपुर कस्बे के स्टेशन चौराहे से बरेली के बहेड़ी निवासी बस मालिक आरिफ की बस में सवार हुए थे। वह जयपुर के मनोहरपुर क्षेत्र के एक ईंट भट्ठे पर मजदूरी करने जा रहे थे। बस को एक ठेकेदार ने बुक कराया था।

मंगलवार सुबह जब बस ईंट भट्ठे से महज आधा किलोमीटर दूर थी, तभी वह हाईटेंशन लाइन से टकरा गई। इसके बाद सिलेंडर फटने लगे और पूरी बस आग की लपटों में घिर गई। कंडक्टर ने बस मालिक आरिफ को हादसे की जानकारी दी। बताया कि ठेकेदार के साथ भेजे गए युवक ने बस को खुद चलाने की जिद की थी, औ इसी दौरान यह हादसा हो गया।

डॉक्टर्स का ध्यान रखना हमारी जिम्मेदारी, नहीं तो समाज माफ नहीं करेगा

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट ने की टिप्पणी, कहा- कोविड में मृत प्राइवेट डॉक्टर्स को सरकारी बीमा का लाभ मिले

सुप्रीम कोर्ट ने निजी क्लीनिक, औषधालयों और गैर-मान्यता प्राप्त अस्पतालों में कोविड-19 से लड़ते हुए जान गंवाने वाले चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों को बीमा पॉलिसी में शामिल नहीं किए जाने के खिलाफ दायर याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रखते हुए मंगलवार को कहा कि यदि न्यायपालिका चिकित्सकों का ध्यान नहीं रखेगी और उनके लिए खड़ी नहीं होगी तो समाज उसे माफ नहीं करेगा।

न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा कि सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बीमा कंपनियां वैध दावों का निपटारा करें और यह धारणा सही नहीं है कि निजी चिकित्सक मुनाफा कमाने के लिए काम कर रहे हैं। पीठ ने कहा, अगर हम अपने चिकित्सकों का ध्यान नहीं रखेंगे तो समाज हमें माफ नहीं करेगा। कहा, अगर आपके अनुसार यह शर्त पूरी होती है कि वे कोविड-19 से निपटने के लिए काम कर रहे थे और कोविड के कारण उनकी मौत हुई है तो आपको बीमा कंपनी को भुगतान करने के लिए बाध्य करना चाहिए। सिर्फ इसलिए कि वे सरकारी ड्यूटी पर नहीं थे, यह धारणा सही नहीं है कि वे मुनाफा कमा रहे थे। केंद्र को पीएम बीमा योजना के अलावा उपलब्ध अन्य समान या समानांतर योजनाओं के आंकड़े और जानकारी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

पीठ ने योजनाओं के मांगे आंकड़े

पीठ ने कहा, हमें आंकड़े और प्रधानमंत्री योजना के अलावा उपलब्ध अन्य समानांतर योजनाओं के बारे में कुछ जानकारी दीजिए। हम सिद्धांत निर्धारित करेंगे और उसके आधार पर बीमा कंपनी से दावे किए जा सकेंगे। बीमा कंपनी को हमारे फैसले के आधार पर विचार करना और आदेश पारित करना है। शीर्ष अदालत मुंबई उच्च न्यायालय के नौ मार्च 2021 के आदेश के खिलाफ दायर प्रदीप अरोड़ा और अन्य की याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

46 आईएएस अधिकारियों का तबादला

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने मंगलवार को प्रशासनिक महकमे में बड़ा फेरबदल किया है। कार्मिक विभाग द्वारा जारी शासनादेश में कुल 46 आईएएस अधिकारियों का स्थानांतरण किया गया है। इनमें कई मंडलायुक्त, जिलाधिकारी और सचिव स्तर के अधिकारी शामिल हैं।

शासन के अनुसार मंडलायुक्त विन्ध्याचल बाल कृष्ण त्रिपाठी को सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग बनाया गया है। राजेश प्रकाश को महानिदेशक मत्स्य से मंडलायुक्त विन्ध्याचल और धनलक्ष्मी के. को सचिव मानवाधिकार आयोग से महानिदेशक मत्स्य बनाया गया है। संजय कुमार को महानिदेशक सार्वजनिक उद्यम के साथ मानवाधिकार आयोग के सचिव का अतिरिक्त प्रभार मिला है। डॉ. रूपेश को ऊर्जा विभाग के प्रबंध निदेशक से मंडलायुक्त सहारनपुर और अटल कुमार राय को सहारनपुर मंडलायुक्त से सचिव गृह विभाग बनाया गया है। भानु चंद्र गोस्वामी को सचिव राजस्व से मंडलायुक्त मेरठ और डॉ. हृषिकेश भास्कर को मेरठ मंडलायुक्त से सचिव राजस्व, राहत आयुक्त एवं चकबंदी आयुक्त बनाया गया है।

दिल्ली में कृत्रिम बारिश का पहला परीक्षण

- आईआईटी-कानपुर के सहयोग से कुछ इलाके में कराई गई बारिश

नई दिल्ली, एजेंसी

आईआईटी-कानपुर के सहयोग से मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी के कुछ हिस्सों में कृत्रिम बारिश का पहला परीक्षण किया गया।

अगले कुछ दिनों में इस तरह के और परीक्षण किए जाने की योजना है। कृत्रिम बारिश की खातिर रसायनों का छिड़काव करने के लिए विमान ने कानपुर से दिल्ली के लिए उड़ान भरी और मेरठ की हवाई पट्टी पर उतरने से पहले बुराड़ी, उत्तरी करोल बाग और मयूर विहार जैसे क्षेत्रों में छिड़काव किया। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा, सेसना विमान ने कानपुर से उड़ान भरी। इसने 8 चरणों में रसायनों का छिड़काव किया ।

100 किलोमीटर के क्षेत्र में कराई जा सकती है बारिश

आईआईटी कानपुर के निदेशक प्रो . मणीन्द्र अग्रवाल के मुताबिक दिल्ली ट्रायल का परीक्षण हो चुका है। अब केवल बादलों का इंतजार है, जैसे ही अनुकूल मौसम बनेगा, दिल्ली की हवा को राहत देने के लिए कृत्रिम बारिश करा दी जाएगी। कृत्रिम बारिश के लिए सिल्वर आयोडाइड और नमक जैसे रसायनों को मिलाकर विशेष मिश्रण तैयार किया जाता है। इसे विमान के उपकरणों में भरकर बादलों के बीच छोड़ा जाता है। इस तकनीक से लगभग 100 किलोमीटर के क्षेत्र में बारिश कराई जा सकती है।

सीएसए के कुलपति ने दिया त्यागपत्र

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) कानपुर के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने त्यागपत्र दे दिया है। मंगलवार को कुलाधिपति एवं राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने उनके त्यागपत्र को स्वीकार कर लिया और मंडलायुक्त के विजयेंद्र पांडियन को कार्यभार सौंपा है।

पिछले माह दीक्षांत समारोह के दौरान संस्थान में अव्यवस्था को लेकर राज्यपाल ने सवाल खड़े किए थे। बताया जा रहा है कि कुलपति इस बात से नाराज थे और उन्होंने त्यागपत्र दे दिया। कुलपति ने त्यागपत्र की वजह पारिवारिक कारण बताया है।

समीक्षा | मुख्यमंत्री ने रामनगरी को विश्व की आध्यात्मिक राजधानी के रूप में विकसित करने का दिया निर्देश

अयोध्या बनेगी आस्था, भव्यता और आधुनिकता का आदर्श मॉडल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अयोध्या महायोजना-2031 की समीक्षा बैठक में कहा कि अयोध्या का विकास भव्यता, आस्था और आधुनिकता का संतुलित मॉडल होना चाहिए।

महायोजना का उद्देश्य अयोध्या को विश्व की आध्यात्मिक राजधानी और सस्टेनेबल सिटी के रूप में विकसित करना है, जहां सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक शहरी संरचना का समुचित संतुलन हो। योगी ने अनियोजित बसावट पर सख्त निर्देश भी दिए।

- मुख्यमंत्री योगी ने की अयोध्या महायोजना-2031 की समीक्षा अनियोजित बसावट पर सख्त निर्देश

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी परियोजनाएं पर्यावरणीय दृष्टि से सस्टेनेबल हों तथा सरयू नदी तट और हरित पट्टियों का संरक्षण सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखा जाए। उन्होंने कहा कि अयोध्या का विकास धार्मिक पर्यटन के साथ-साथ आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक दृष्टि से प्रेरक उदाहरण बने।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल के वर्षों में अयोध्या में तेज विकास के बीच अनियोजित प्लाटिंग और बसावट देखने को मिली है। उन्होंने चेतावनी दी कि अब हर विकास कार्य योजना और नियमों के अनुरूप ही होना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अयोध्या आज केवल एक शहर नहीं, बल्कि भारत की आत्मा का प्रतीक है। इसे ऐसा विकसित किया जाए कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए आस्था, सौंदर्य और समृद्धि का संगम बने।

अयोध्या महायोजना 2031 के महत्वपूर्ण बिंदु

- 18 जोनों में विभाजित अयोध्या विकास क्षेत्र
- 23 .94 लाख जनसंख्या के हिसाब से संतुलित भूमि उपयोग
- 14 .31% हरित क्षेत्र, 52 .56% आवासीय क्षेत्र
- सौर ऊर्जा आधारित नगरी और आधुनिक नागरिक सुविधाएं

8,594 करोड़ रुपये की 159 परियोजनाएं क्रियान्वयन को तैयार

बैठक में बताया गया कि अयोध्या में 8,594 करोड़ रुपये के निवेश से 159 परियोजनाएं क्रियान्वित होने जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन परियोजनाओं से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि अयोध्या में स्मार्ट टाउनशिप, रिंग रोड, ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे, बहुस्तरीय पार्किंग, होटल, सौर ऊर्जा संयंत्र और आधुनिक नागरिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

चक्रवात मोंथा को लेकर अलर्ट जारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- लखनऊ सहित कई जिलों में देर रात से सुबह तक हुई हल्की बारिश, तापमान गिरा

अमृत विचार : चक्रवाती तूफान 'मोंथा' का असर यूपी के खासकर पूर्वांचल और लेकर बुंदेलखंड के जिलों में बुधवार से और तेज हो सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार से अगले 48 घंटे तक लखनऊ समेत कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश और तेज हवाओं की संभावना जताई है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने सभी जिलाधिकारियों को बिजली और पेड़ों के गिरने जैसी संभावनाओं के मद्देनजर राहत दलों को तैयार रखने के निर्देश दिए हैं।

भारतीय मौसम विभाग लखनऊ केंद्र के अनुसार, वाराणसी, मिर्जापुर, सोनभद्र, चंदौली, गाजीपुर, भदोही, जौनपुर और प्रयागराज में अगले दो दिन तक गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। कुछ इलाकों में हवा की रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। राजधानी लखनऊ, कानपुर, बाराबंकी और रायबरेली में भी बुधवार देर रात तक हल्की बारिश या बूंदाबांदी की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने लोगों को खुले में काम न करने, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग करने और निचले इलाकों से दूर रहने की सलाह दी है। मोंथा के कारण राज्य में हवा की दिशा बदलने से अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री की कमी आई हैं। रातें ठंडी होंगी और दिन के समय उमस बढ़ सकती है।

किसानों के लिए सलाह

- धान की कटाई और गहाई का काम फिलहाल रोकें।
- खुले में रखा अनाज, भूसा और उपकरण सुरक्षित करें।
- बिजली गिरने की संभावना को देखते हुए खेतों में मोबाइल का उपयोग न करें।

मतदाता सूची पुनरीक्षण की रफ्तार पर टिकी निगाहें

प्रदेश में पंचायत चुनाव समय पर कराना चुनौती, चुनाव अगले वर्ष अप्रैल-मई में प्रस्तावित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में पंचायत चुनाव समय पर कराना राज्य चुनाव आयोग के लिए बड़ी परीक्षा बनता जा रहा है। मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण अभियान की रफ्तार पर निगाहें टिकी हैं। राज्य में अप्रैल–मई 2026 में पंचायत चुनाव प्रस्तावित हैं। जबकि मतदाता सूची का संशोधन और डिजिटलीकरण का कार्य अभी पूरी तरह पूरा नहीं हुआ है। उधर, परिसीमन को लेकर पंचायती राज विभाग तेजी से कार्य कर रहा है, ताकि कार्यकाल समाप्त होने के छह माह के भीतर चुनाव हो जाए, जिससे भारत सरकार की ग्रांट बंद होने की नौबत न आए।

जानकारी के अनुसार, निर्वाचन आयोग द्वारा इस बार लोकसभा, विधानसभा और पंचायत चुनावों की मतदाता सूचियां अलग-अलग रखी गई हैं। लेकिन सूचियों को अपडेट कराने की जिम्मेदारी निचले स्तर के वही कर्मचारी निभा रहे हैं, जो अन्य चुनावी कार्यों में भी तैनात रहते हैं। इससे कार्यभार बढ़ने के कारण पंचायत चुनाव की तैयारी में देरी की आशंका जताई जा रही है। राज्य में मतदाता सूचियों को अद्यतन करने के लिए विशेष सर्वे का काम पूरा कर लिया गया है। अब सभी उप जिलाधिकारी को निर्देश दिए गए हैं कि वे संशोधित सूची को ऑनलाइन फीड कराने का कार्य प्राथमिकता से पूरा करें। अधिकारियों के अनुसार, सूची अपडेट का कार्य दिसंबर के पहले सप्ताह तक पूरा कर लिया जाएगा, ताकि ड्राफ्ट सूची समय पर जारी की जा सके।

वोटर लिस्ट संशोधन का दूसरा चरण शुरू

चुनाव आयोग ने मंगलवार से वोटर लिस्ट रिवीजन के दूसरे चरण की शुरुआत कर दी है। इस बार यूपी समेत 12 राज्यों में मतदाता सूची की फील्ड जांच की जा रही है। इन राज्यों में पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, ओडिशा, बिहार, झारखंड, हरियाणा, पंजाब, छत्तीसगढ़ और गुजरात भी शामिल हैं। आयोग के कार्यक्रम के अनुसार, 9 दिसंबर को ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी होगी और 7 फरवरी 2026 को फाइनल सूची प्रकाशित की जाएगी।

परिसीमन के बाद वार्ड और पंचायतें

परिसीम के बाद जिला पंचायत सदस्य वार्ड जहां पहले 3050 थे, अब 30 घटकर 3020 हो गए हैं। इसी तरह कुल 75,844 क्षेत्र पंचायत सदस्य वार्ड में से 830 घट गए हैं, अब इनकी संख्या 75,014 हो गई है। जबकि वर्ष 2021 के अनुसार 7,32,643 ग्राम पंचायत सदस्य वार्ड में से 4600 से अधिक इसबार कम होंगे।

न्यूज ब्रीफ

विवादित बयान पर कार्रवाई की मांग

अमृत विचार, लखनऊ : सिद्धार्थनगर के डुमरियागंज से पूर्व भाजपा विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह के विवादित बयान 'मुस्लिम लड़की लाओ, शादी करो, नौकरी पाओ' पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस मामले में सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। बसपा सुप्रीमो ने मंगलवार को जारी अपने बयान में कहा कि ऐसे आपराधिक, अराजक व असामाजिक तत्व सभ्य व संवैधानिक सरकार के लिए खुली चुनौती और खतरा हैं।

आईएएस आमोद कुमार मूल कैडर यूपी लौटेंगे

अमृत विचार, लखनऊ : वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अमोद कुमार (1995 बैच) को केंद्र सरकार से प्रतिनियुक्ति अवधि पूर्ण होने पर मूल कैडर उत्तर प्रदेश में वापस भेजा गया है। इस संबंध में केंद्र सरकार ने औपचारिक आदेश जारी कर दिए हैं। आमोद कुमार वर्तमान में केंद्र सरकार में संयुक्त सचिव स्तर पर पदस्थ थे। अब उनकी तैनाती प्रदेश सरकार द्वारा जल्द निर्धारित की जाएगी।

जनगणना 2027 होगी पूरी तरह डिजिटल

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में मंगलवार को भारत की जनगणना 2027 के कार्यान्वयन एवं संचालन हेतु गठित राज्य स्तरीय जनगणना समन्वय समिति की पहली बैठक आयोजित हुई। बैठक में मुख्य सचिव ने जनगणना 2027 होगी पूरी तरह डिजिटल होने की जानकारी देते हुए सभी विभागों को जनगणना कार्य को समन्वित ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। निदेशक, जनगणना कार्य शीतल वर्मा ने बताया कि 10 से 30 नवंबर 2025 तक राज्य की अनूपशहर और मिहीपुरवा तहसीलों तथा प्रयागराज नगर निगम के सात वार्डों में जनगणना प्री-टेस्ट किया जाएगा।

गंगा महोत्सव में नामचीन कलाकार देंगे प्रस्तुति

अमृत विचार, लखनऊ : गंगा महोत्सव–2025 का आयोजन 1 से 4 नवंबर तक काशी में किया जाएगा, जिसमें देशभर के नामचीन कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे। देव दीपावली से पहले काशी गंगा महोत्सव में हंसराज रघुवंशी भक्ति गीतों का जलवा बिखेरेंगे। वहीं पद्मश्री मालिनी अवस्थी उत्तर भारत की लोक परंपराओं को अपने गायन से जीवंत करेंगी और पद्मश्री गीता चन्द्रन भरतनाट्यम नृत्य से भारतीय नृत्य परंपरा की गरिमा दिखाएंगी। राजघाट और नामो घाट पर आयोजित यह महोत्सव संगीत, नृत्य और लोक कलाओं का अद्भुत संगम बनेगा।

सीतापुर के डीएम होंगे राजागणपति

प्रदेश में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, कई मंडलायुक्त और जिलाधिकारी बदले गए

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मयूर माहेश्वरी को प्रबंध निदेशक राज्य विद्युत उत्पादन निगम तथा पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन लिमिटेड बनाया गया

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने मंगलवार को प्रशासनिक महकमे में बड़ा फेरबदल किया है। मयूर माहेश्वरी को सीईओ यूपीएसआईडीए से प्रबंध निदेशक राज्य विद्युत उत्पादन निगम तथा पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन लिमिटेड किया गया है। विजय किरण आनंद को सचिव अवस्थापना व औद्योगिक विकास के साथ सीईओ यूपीएसआईडीए, लीडा एवं एनआरआई सेल का अतिरिक्त प्रभार मिला है।

राहुल पांडेय को डीएम हाथरस से विशेष सचिव राज्य कर विभाग, अतुल वत्स को उपाध्यक्ष गाजियाबाद विकास प्राधिकरण से डीएम हाथरस बनाया गया है। अमनदीप डुली को डीएम ललितपुर से अपर आयुक्त मनरेगा, मधुसूदन हुल्गी को डीएम कौशांबी से विशेष सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय, अमित पाल को उपाध्यक्ष प्रयागराज विकास प्राधिकरण से डीएम कौशांबी, पवन अग्रवाल को डीएम बलरामपुर से विशेष सचिव गृह विभाग और विपिन कुमार जैन को विशेष सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय से डीएम बलरामपुर किया गया है।

राजागणपति आर. को डीएम सिद्धार्थनगर से डीएम सीतापुर, जबकि अभिषेक आनंद को डीएम सीतापुर से विशेष सचिव आबकारी विभाग किया गया है। कृतिका ज्योत्सना को विशेष सचिव राज्य कर से डीएम बस्ती और रवीश गुप्ता को डीएम बस्ती से प्रबंध निदेशक पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम मेरठ बनाया गया है। ईशा दुहन को पश्चिमांचल विद्युत से प्रबंध निदेशक यूपी सहकारी चीनी मिल्स संघ लिमिटेड एवं कुमार विनीत को वहां से विशेष सचिव युवा कल्याण व खेल विभाग किया गया है। शिवशरणप्पा जी.एन. को डीएम चित्रकूट से डीएम सिद्धार्थनगर, पुलकित गर्ग को उपाध्यक्ष वाराणसी विकास प्राधिकरण से डीएम चित्रकूट, अजय कुमार द्विवेदी को डीएम श्रावस्ती से डीएम रामपुर और जोगिंदर सिंह को डीएम रामपुर से विशेष सचिव नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति विभाग बनाया गया है। अश्विनी कुमार पांडेय को उपाध्यक्ष अयोध्या विकास प्राधिकरण से डीएम श्रावस्ती एवं सत्य प्रकाश को नगर आयुक्त झांसी से डीएम ललितपुर किया गया है। हिमांशु नागपाल को सीडीओ वाराणसी से नगर आयुक्त वाराणसी, अक्षत वर्मा को नगर आयुक्त वाराणसी से विशेष सचिव नियोजन, ऋषि राज को नगर आयुक्त फिरोजाबाद से उपाध्यक्ष प्रयागराज विकास प्राधिकरण, गुंजन द्विवेदी को सीडीओ कुशीनगर से नगर आयुक्त फिरोजाबाद, सुवंदिता श्रीवास्तव को एडीएम (वि/रा) वाराणसी से सीडीओ कुशीनगर बनाया गया है। नंद किशोर कलाल को सीडीओ रामपुर से उपाध्यक्ष गाजियाबाद विकास प्राधिकरण, महेन्द्र कुमार सिंह को एडीएम (वि/रा) अयोध्या से सीडीओ रामपुर, पूर्ण वोहरा को सीडीओ बिजनौर से उपाध्यक्ष वाराणसी विकास प्राधिकरण, रणविजय सिंह को एडीएम (प्रशासन) गाजियाबाद से सीडीओ बिजनौर तथा अनुराज जैन को सीडीओ महाराजगंज से उपाध्यक्ष अयोध्या विकास प्राधिकरण किया गया है। गुलाब चंद्र को एडीएम (प्रशासन) मुरादाबाद से सीडीओ महाराजगंज, सूरज पटेल को सीडीओ अमेठी से मुख्य कार्यपालक अधिकारी, ब्रज तीर्थ विकास परिषद और सचिन कुमार सिंह को संयुक्त निदेशक मंडी परिषद लखनऊ से सीडीओ अमेठी किया गया है। देवेन्द्र कुमार सिंह कुशवाहा को विशेष सचिव आबकारी से विशेष सचिव रेशम विभाग तथा सुआकांक्षा राणा को विशेष कार्याधिकारी कुम्भ मेला प्राधिकरण से नगर आयुक्त झांसी बनाया गया है।

57 पीसीएस अफसरों का स्थायीकरण

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार ने प्रदेश के 57 प्रांतीय सिविल सेवा (पीसीएस) अधिकारियों के स्थायीकरण का आदेश जारी कर दिया है। नियुक्ति विभाग की विशेष सचिव आईएएस अन्नपूर्णा गर्ग द्वारा यह आदेश जारी किया गया। यह आदेश उन अधिकारियों के लिए राहत लेकर आया है जो अब तक प्रोबेशन अवधि पर कार्यरत थे। जानकारी के अनुसार, स्थायीकरण की यह सूची वर्ष 2020 और 2022 बैच के उन अधिकारियों की है, जो तहसीलदार से पदोन्नत होकर उप जिलाधिकारी (एसडीएम) बने हैं। इन अधिकारियों को निर्धारित सेवा अवधि पूर्ण करने के बाद अब स्थायी रूप से पुष्टि दे दी गई है। आदेश के तहत संबंधित अधिकारियों की सेवा–स्थायीकरण तिथियां 9 से 21 सितंबर 2024 के बीच की हैं, जो उनकी नियुक्ति तिथियों के अनुरूप तय की गई हैं।

स्थायीकरण सूची में जिन जिलों के अधिकारी शामिल हैं, उनमें लखीमपुर खीरी, गाजीपुर, इटावा, बिजनौर, बदायूं, बरेली, प्रयागराज, उन्नाव, मुरादाबाद, कानपुर देहात, झांसी, फर्रुखाबाद, सहारनपुर, मेरठ, गाजियाबाद, वाराणसी, रामपुर, जौनपुर, सीतापुर, बलरामपुर, हापुड़, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण और नगर निगम गाजियाबाद जैसे प्रमुख जिले शामिल हैं।

लखनऊ के यहियागंज गुरुद्वारा में गुरुचरण (जोड़े साहिब) यात्रा के स्वागत कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सम्मानित करते सिख समुदाय के लोग, साथ में केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी।

गुरु परंपरा ने भारत को दिया त्याग और बलिदान का संदेश : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- लखनऊ में मुख्यमंत्री ने किया चरण सुहावे गुरु चरण (जोड़े साहिब) यात्रा का स्वागत

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को यहियागंज गुरुद्वारे में पहुंचकर सिख आस्था और राष्ट्रप्रेम की अद्भुत मिसाल 'चरण सुहावे गुरु चरण (जोड़े साहिब) यात्रा' का स्वागत किया। इस दौरान कहा कि गुरु परंपरा ने भारत को केवल आस्था नहीं, बल्कि त्याग, सेवा और बलिदान का आदर्श दिया है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा भारत की संस्कृति, साहस और राष्ट्रीय एकता की भावना को नई ऊंचाई देने वाली है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हमारी परंपरा कहती है कि 'जिथे जाए बहे मेरा सतगुरु, सो थान सुहावा राम राजे।' जहां भी गुरु महाराज के चरण पड़ते हैं, वह स्थान रामराज्य की तरह पवित्र बन जाता है।' उन्होंने कहा कि सिख गुरुओं ने अपनी आस्था और बलिदान से देश की आत्मा को जागृत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यहियागंज गुरुद्वारा गुरु तेग बहादुर जी और गुरु गोविंद सिंह जी की स्मृतियों से जुड़ा है और यह स्थल राष्ट्रीय एकता और साझा आस्था का प्रतीक है। यह यात्रा गुरु तेग बहादुर जी महाराज के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में प्रारंभ हुई है।

दिल्ली से प्रारंभ होकर यह यात्रा पूरे देश में गुरु परंपरा के प्रति सम्मान और गौरव का भाव जगाती जा रही है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने गुरुवाणी सुनी और यात्रा दल के सदस्यों को पटुका पहनाकर सम्मानित किया। गुरुद्वारा कमेटी की ओर से उन्हें अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना, राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख, अल्पसंख्यक आयोग सदस्य सरदार परबिंदर सिंह सहित गुरुद्वारा कमेटी के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और श्रद्धालु बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

244 केंद्रों पर होगी ऑपरेटर भर्ती परीक्षा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 1 और 2 नवंबर को ऑफलाइन होगी परीक्षा

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश पुलिस में कंप्यूटर ऑपरेटर और लिपिक संवर्ग के पदों पर भर्ती के लिए 1 और 2 नवंबर को ऑफलाइन परीक्षा होगी। कंप्यूटर ऑपरेटर के लिए 244 और लिपिक संवर्ग के लिए 186 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और एसटीएफ की नजर साल्वर गिरोह पर रहेगी। शासन ने सुरक्षा और यातायात प्रबंधन के निर्देश दिए हैं।

उप्र पुलिस में कंप्यूटर आपरेटर तथा लिपिक संवर्ग में उपनिरीक्षक (गोपनीय), सहायक उपनिरीक्षक (लिपिक) व सहायक उपनिरीक्षक (लेखा) के पदों पर भर्ती के लिए एक व दो नवंबर को आफलाइन लिखित परीक्षा (ओएमआर आधारित) कड़े सुरक्षा घेरे में होगी। एक नवंबर को 10 जिलों में कंप्यूटर आपरेटर की लिखित परीक्षा 244 केंद्रों पर होगी। इनमें सर्वाधिक 47 परीक्षा केंद्र लखनऊ में होंगे। जबकि दो नवंबर को लिपिक संवर्ग में भर्ती के लिए लिखित परीक्षा 10 जिलों में 186 परीक्षा केंद्रों पर होगी। इस परीक्षा के भी सर्वाधिक 35 केंद्र लखनऊ में होंगे। परीक्षा केंद्रों पर दोहरी चेकिंग की व्यवस्था होगी।

कंप्यूटर आपरेटर की लिखित परीक्षा के लिए आगरा में 13, बरेली में 15, गोरखपुर में 23, झांसी में 11, कानपुर नगर में 29, लखनऊ में 47, मेरठ में 26, मुरादाबाद में 26, प्रयागराज में 20 व वाराणसी में 34 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

अब 51 हजार रुपये मिलेगा शादी अनुदान

अमृत विचार, लखनऊ : समाज कल्याण विभाग शादी अनुदान योजना का दायरा बढ़ाने जा रहा है, जिसके तहत अब तीन लाख रुपये तक की वार्षिक आय वाले परिवारों की बेटियों को भी लाभ मिलेगा। अनुदान राशि को 20 हजार से बढ़ाकर 51 हजार रुपये करने का प्रस्ताव है। पहले आय सीमा ग्रामीण क्षेत्र के लिए 46,080 रुपये और शहरी क्षेत्र के लिए 56,460 रुपये थी। बजट की कमी के कारण यह योजना पहले ठप पड़ी थी। वर्तमान वित्तीय वर्ष में सरकार ने योजना को फिर से संचालित किया है, परंतु आय सीमा का दायरा सीमित होने के कारण इस योजना में सीमित आवेदन ही आ रहे हैं। दूसरी तरफ मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना की आय सीमा को पिछले दिनों दो लाख से बढ़ाकर तीन लाख रुपये किया गया है और अनुदान राशि एक लाख रुपये की गई है, जिसमें से 60 हजार रुपये सीधे दुल्हन के खाते में भेजे जाते हैं। इससे भी शादी अनुदान योजना में आवेदन प्रभावित हुए हैं।

27 पीसीएस अधिकारी किए गए इधर से उधर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- यूपी में आईएएस के बाद बड़े पैमाने पर बदले गए पीसीएस अधिकारी

अमृत विचार : यूपी में आईएएस के बाद अब बड़े पैमाने पर पीसीएस अधिकारियों के तबादले कर दिए गए हैं। प्रदेश के विभिन्न जिलों में तैनात 27 प्रांतीय सिविल सेवा (पीसीएस) अधिकारियों के तबादले हुए हैं। शासन की ओर से जारी आदेश के अनुसार कई उप जिलाधिकारी (एसडीएम), नगर मजिस्ट्रेट और विकास प्राधिकरणों के सचिव स्तर के अधिकारियों को नई तैनाती दी गई है।

सूची के मुताबिक अरुण कुमार सिंह, जो अब तक अपर जिलाधिकारी (वित्त/राजस्व), बाराबंकी थे, उन्हें अपर आयुक्त, मुरादाबाद मंडल के पद पर भेजा गया है। वहीं निरंकार सिंह, अपर नगर आयुक्त नगर निगम,गोरखपुर से अब उसी पद पर स्थानांतरित हुए हैं। अतुल कुमार, उप जिलाधिकारी जालौन से अपर नगर आक्क्त गोरखपुर बनाए गए हैं। पंकज वर्मा अपर जिलाधिकारी बागपत से सचिव मुरादाबाद विकास प्राधिकरण बनाए गए हैं। विनीत कुमार उपाध्याय, नगर मजिस्ट्रेट मिर्जापुर को अपर जिलाधिकारी (वित्त व राजस्व) बागपत बनाया गया है। मिर्जापुर के उपजिलाधिकारी अविनाश कुमार को मिर्जापुर का नगर मजिस्ट्रेट बनाया गया है। अयोध्या के उपजिलाधिकारी कौशल कुमार को इसी जिले के अपर जिलाधिकारी भू अध्याप्ति की जिम्मेदारी दी गई है। राजस्व परिषद में ओएसडी राजकुमार द्विवेदी को वाराणसी में अपर आयुक्त विन्ध्यांचल के पद पर भेजा गया है। सहकारी चीनी मिल्स संघ के प्रधान प्रबंधक विवेक कुमार को अपर आयुक्त वाराणसी बनाया गया है। बरेली के उपजिलाधिकारी गोविन्द मौर्या को सहकारी चीनी मिल्स संघ के प्रधान प्रबंधक पद पर भेजा गया है। वाराणसी के उपजिलाधिकारी अमित कुमार वाराणसी नगर निगम में अपर नगर आयुक्त की जिम्मेदारी दी गई है।

कन्नौज के अपर जिलाधिकारी आशीष कुमार सिंह को मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण का सचिव बनाया गया है। कन्नौज के उप जिलाधिकारी देवेन्द्र सिंह अपर जिलाधिकारी (वि-रा) कन्नौज बनाए गए हैं। अयोध्या के उप जिलाधिकारी विकास धर को सहारनपुर नगर निगम में सहायक नगर आयुक्त बनाया गया है। वाराणसी की उप जिलाधिकारी श्रद्धा चौधरी को राज्य संपत्ति निदेशालय में सहायक निदेशक बनाया गया है। राजस्व परिषद से सम्बद्ध अरविन्द कुमार सिंह को मंडी परिषद का उप निदेशक बनाया गया है। सहकारी चीनी मिल्स में प्रधान प्रबंधक ज्योति को अपर जिलाधिकारी प्रशासन गाजियाबाद बनाया गया है। शाहजहांपुर के उपजिलाधिकारी महेश कुमार कैंथल को सहकारी चीनी मिल्स में प्रधान प्रबंधक का जिम्मा दिया गया है।

अंबेडकर नगर के अपर जिलाधिकारी सदानंद गुप्ता को वाराणसी के अपर जिलाधिकारी (वि-रा) के पद पर भेजा गया है। अपर जिलाधिकारी न्यायिक हापुड़ ज्योत्सना बंधु को अपर जिलाधिकारी (वि-रा) के पद पर अम्बेडकरनगर भेजा गया है। रामपुर की उपजिलाधिकारी मोनिका सिंह की अपर जिलाधिकारी न्यायिक हापुड़ भेजी गई हैं। अलीगढ़ के अपर जिलाधिकारी (नगर) अमित कुमार भट्ट अपर जिलाधिकारी (वि-रा) अयोध्या के पद पर भेजा गया है। मुरादाबाद के नगर मजिस्ट्रेट किंशुक श्रीवास्तव को अपर जिलाधिकारी (नगर) अलीगढ़ भेजा गया है। मुरादाबाद के उप जिलाधिकारी विनय पांडेय को मुरादाबाद का नगर मजिस्ट्रेट, फिरोजाबाद की अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) संगीता देवी को अपर जिलाधिकारी प्रशासन मुरादाबाद और मथुरा वृंदावन विकास प्राधिकरण के सचिव अरविन्द कुमार को अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) फिरोजाबाद ट्रांसफर किया गया है।

बदलाव — इलाहाबाद, फैजाबाद, मुगलसराय से मुस्तफाबाद का सांस्कृतिक पुनर्जागरण

स्थानों के नाम बदलने में विचारधारा और वोट की नई रणनीति

धीरेंद्र सिंह, लखनऊ

- कई और नामों पर मंथन जारी विपक्ष ने कहा- ध्यान भटकाने की राजनीति

अमृत विचार : लखीमपुर खीरी के मुस्तफाबाद को 'स्मृति प्रकटोत्सव मेला' के मंच से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नए नाम कबीरधाम का ऐलान केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि योगी सरकार की सांस्कृतिक और वैचारिक राजनीति का विस्तार माना जा रहा है। योगी सरकार के सात वर्षों में इलाहाबाद को प्रयागराज, फैजाबाद को अयोध्या, मुगलसराय को पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर और अकबरपुर बस स्टैंड को 'श्रवण धाम' जैसे नामों से नवाजा गया।

मुख्यमंत्री योगी बार-बार कहते हैं कि धर्मनिरपेक्षता की आड़ में विरासत मिटाने का दौर खत्म हुआ है। सरकार का कहना है कि यह कदम आस्था, परंपरा और सांस्कृतिक गौरव की पुनर्स्थापना के लिए उठाए गए हैं। हर नया नाम भाजपा के 'हिंदू अस्मिता' नैरेटिव को और मजबूत करता है। अब प्रदेश की राजनीति में नाम बदलना केवल इतिहास का सुधार नहीं, बल्कि एक विचारधारा की स्थापना है। हर नया नाम एक चुनावी बयान की तरह गूंजता है। जहां आस्था, अस्मिता और सत्ता, तीनों का समीकरण साथ चलता है।

वहीं, विपक्ष इसे ध्यान भटकाने की राजनीति बता रहा है। सपा प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी का कहना है कि जब जनता बेरोजगारी, महंगाई और किसानों की समस्या से जूझ रही है, तब सरकार नाम बदलने में व्यस्त है।

पांच कॉलेजों के नाम भी बदले

इस साल जून में पांच सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेजों के नाम भी बदले गए। प्रतापगढ़ का बाबा साहब अंबेडकर, मिर्जापुर का सम्राट अशोक, बस्ती का सरदार पटेल, गोंडा का मां पाटेश्वरी देवी और मैनपुरी का लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर इंजीनियरिंग कॉलेज रखा गया। यह भाजपा की सोशल इंजीनियरिंग रणनीति का हिस्सा है, जिसमें दलित, पिछड़ा और सवर्ण प्रतीकों को एक साथ साधने की कोशिश की जा रही है।

मायावती ने भी बदले थे कई जिलों के नाम

नामकरण की राजनीति नई नहीं है। मायावती के कार्यकाल में कई जिलों के नाम बदले गए थे, अमेठी को छत्रपति शाहूजी महाराज नगर, हाथरस को महामायानगर, शामली को प्रबुद्ध नगर, हापुड़ को पंचशील नगर और कानपुर देहात को रमाबाई नगर बनाया गया था। लखनऊ की किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी को छत्रपति शाहूजी महाराज चिकित्सा विश्वविद्यालय नाम दिया गया।

इन जिलों में नाम बदलने की चर्चाएं

योगी सरकार में कई अन्य नामों पर भी चर्चा चल रही है। अलीगढ़ को हरिगढ़, मुजफ्फरनगर को लक्ष्मीनगर, फिरोजाबाद को चंद्रनगर और गाजीपुर के मुहम्मदाबाद को गजाधर नगर नाम देने के प्रस्ताव सामने हैं। शाहजहांपुर की जलालाबाद तहसील का नाम पहले ही परशुरामपुरी किया जा चुका है। राजनीति के जानकार मानते हैं कि नामकरण अब उत्तर प्रदेश में चुनावी निवेश बन चुका है। हर नया नाम किसी ऐतिहासिक या धार्मिक प्रतीक से जुड़कर भावनात्मक संदेश देता है, जो वोटों में तब्दील हो सकता है।

अखिलेश यादव भी नहीं रहे पीछे

वर्ष 2012 में अखिलेश यादव की सपा सरकार आई तो मायावती के रखे गए कुछ नामों को फिर बदला गया। उनका तर्क था कि बसपा सरकार ने नाम बदलने में वर्गीय पक्षपात किया था। हालांकि अखिलेश ने खुद भी अपनी राजनीति के हिसाब से कुछ नामों को बदला। यानी, हर सरकार ने अपने वैचारिक या सामाजिक एजेंडे के हिसाब से नामों की राजनीति की है।

निर्वाचन अधिकारियों की नियुक्ति पर उठाए सवाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सपा ने ज्ञापन देकर की बीएलओ और अधिकारियों की पुनर्नियुक्ति की मांग

अमृत विचार : समाजवादी पार्टी ने प्रदेश में विधानसभा क्षेत्रों के मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) से पहले निर्वाचन अधिकारियों की नियुक्ति पर गंभीर सवाल उठाए हैं। पार्टी ने आरोप लगाया है कि बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) एडीएम (इलेक्शन) और ईआरओ (इलेक्शन रजिस्ट्रेशन ऑफिसर) की तैनाती जाति और धर्म के आधार पर की गई है। सपा ने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन देकर मांग की है कि निष्पक्ष और पारदर्शी पुनरीक्षण प्रक्रिया के लिए सभी अधिकारियों को तत्काल हटाकर नई नियुक्तियां की जाएं।

सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने ज्ञापन में कहा कि प्रदेश के 403 विधानसभा क्षेत्रों के 1,62,486 पोलिंग स्टेशनों पर कार्यरत बीएलओ और निर्वाचन अधिकारियों की नियुक्ति भाजपा की मानसिकता वाले अधिकारियों को तरजीह देकर की गई है। उन्होंने कहा कि जाति और धर्म के आधार पर की गई यह नियुक्ति लोकतांत्रिक मूल्यों और आयोग की निष्पक्षता के खिलाफ है। इस तरह के भेदभावपूर्ण चयन से न केवल चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लग रहा है, बल्कि भारत निर्वाचन आयोग की विश्वसनीयता भी प्रभावित हो रही है।

न्यूज ब्रीफ

उद्यमियों को पुरस्कार पाने का मौका, 31 तक करें आवेदन

कानपुर देहात। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र के सफल एवं उत्कृष्ट लघु उद्यमियों को प्रोत्साहित करने को उद्योग विभाग द्वारा प्रादेशिक पुरस्कार हेतु आवेदन-पत्र आमंत्रित किए गए हैं। जनपद के ऐसे सभी उद्यमी जो मैन्युफेक्चरिंग एवं सेवा क्षेत्र में उत्कष्ट-उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं, निर्धारित आवेदन पत्र पर आवेदन कर सकते हैं। बताया गया कि पुरस्कार के लिए लेदर, होजरी रेडीमेड, मैकेनिकल्स, इलेक्ट्रीकल्स, फूड, कारपेट दरी, बिल्डर्स हार्डवेयर, केमीकल्स, ग्लास एण्ड सिरेमिक्स, लकड़ी फर्नीचर, स्पोर्ट गुड्स, सिल्क, विविध हस्तशिल्प आदि से संबन्धित मैन्युफैक्चरिंग यूनिट आवेदन की पात्र हैं। इच्छुक उद्यमी 31 अक्टूबर तक तक कार्यालय जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केंद्र रनियां में पुरस्कार हेतु आवेदन जमा कर सकते हैं।

एसीएमओ ने किया सीएचसी का निरीक्षण

रसूलाबाद। एसीएमओ डॉक्टर एसएल वर्मा ने सीएचसी रसूलाबाद में औचक निरीक्षण किया। एसीएमओ सीएचसी के अधीक्षक के साथ मैटरनिटी विंग पहुंचे वहां महिला डॉक्टर मीना कुरील मरीजों का परीक्षण करते मिली। यहां एसीएमओ ने ड्यूटी स्टाफ नर्सो को हिदायत देते हुए कहा कि गर्भवती महिलाओं का प्रसव मैटरनिटी विंग में ही कराने का प्रयास करें। अनावश्यक मरीज को रेफर न करें, यदि किसी गर्भवती द्वारा लापरवाही की शिकायत की गई तो संबंधित स्टाफ नर्स के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद एसीएमओ ने अस्पताल परिसर का निरीक्षण किया जहां साफ सफाई संतोष जनक मिली। इस दौरान प्रमुख रूप से चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर एके सिंह, डॉक्टर मीना कुरील ,डॉक्टर सौरभ शाक्य, फार्मासिस्ट योगेंद्र कुमार सिंह, स्टाफ नर्स सुष्मिता, ललिता, संदीप शुक्ला समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

उसरी गांव में पकड़े जुआरी, नकदी बरामद

रसूलाबाद। रसूलाबाद थाने के उप निरीक्षक रामकिशोर ने बताया कि उन्होंने मुखबिर की सूचना के आधार पर उसरी गांव के पास आटा चक्की व तालाब के बीच खाली पड़ी जगह में जुआ खेल रहे उसरी गांव निवासी संजीत पुत्र कमलेश, शिवेंद्र सिंह पुत्र जगदीश व सिंहपुर सुनासी निवासी रविंद्र पुत्र सज्जन लाल को गिरफ्तार किया। जामा तलाशी व फड़ से 20,950 रुपए व 52 पत्ते ताश के बरामद हुए।

शिकायत पर स्कूल संचालक को नोटिस

राजपुर। स्कूल संचालक द्वारा अभिभावकों से मनमाना शुल्क वसूलने और पुस्तक बेचने के मामले में बेसिक शिक्षा विभाग ने नोटिस जारी की है। अमरौधा ब्लॉक के शाहजहांपुर कस्बे में गुरुकुल शिक्षा निकेतन विद्यालय की शिकायत की गई थी। जिला पंचायत सदस्य स्वाति दिवाकर ने शिक्षा विभाग के उच्चाधिकारियों से कार्रवाई की मांग की थी। मामले में बीईओ ने स्कूल संचालक को नोटिस जारी किया है। प्रबंधक से स्पष्टीकरण मांगा गया है। आरोप है कि स्कूल द्वारा स्कूली बच्चों के अभिभावकों से मनमाने तरीके से शिक्षा शुल्क वसूला जा रहा था।

सभी बूथों पर एक साथ होगा वोटर लिस्टों का एसआईआर

- पूरा कार्यक्रम हुआ घोषित, 7 फरवरी को होगा वोटर लिस्ट का प्रकाशन
- राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ डीएम ने की बैठक

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अधिकारियों और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करते डीएम कपिल सिंह।

अमृत विचारः भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश के बाद जिले में एसआईआर विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान की तैयारियां शुरू हुई हैं। मंगलवार को जिला निर्वाचन अधिकारी-जिलाधिकारी कपिल सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक हुई। इसमें उप जिला निर्वाचन अधिकारी/अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित कुमार के अलावा अलग-अलग राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। बताया गया कि अगले साल 7 फरवरी को मतदाता सूचियों का कर दिया जाएगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी डीईओ कपिल सिंह ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग ने एसआईआर (विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण) के द्वितीय चरण में मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण कराने का निर्णय लिया है। पुनरीक्षण का उद्देश्य समस्त अर्ह नागरिक निर्वाचक नामावली में पंजीकृत हो जाएं एवं निर्वाचक नामावली में दर्ज नाम, पता, आयु एवं अन्य प्रविष्टियों में विद्यमान त्रुटियों को दूर करने तथा राजनीतिक दलों की सहभागिता बढ़ाने तथा पुनरीक्षण के कार्य में उनका सक्रिय सहयोग प्राप्त करना है। यह पुनरीक्षण आयोग द्वारा जारी किये गये दिशा-निर्देशों और समय-सारणी के अनुसार आयोजित किया जाएगा। इस विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण द्वारा यह सुनिश्चित करना है कि सभी पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में सम्मिलित हों। जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के उद्देश्य प्राविधानों तथा समय सारणी के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों व ईआरओ को दी गई।

उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार 28 अक्टूबर से 3 नवंबर तक विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण से संबंधित तैयारी, प्रशिक्षण एवं गणना प्रपत्रों का मुद्रण किया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अभियान में सक्रिय सहयोग व बूथ लेवल एजेंट नामित किए जाने का भी अनुरोध किया। उन्होंने कहा राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि इसके बारे में लोगों को जागरूक करें।

4 नवंबर से बीएलओ घर-घर जाकर देंगे गणना प्रपत्र

- चार नवंबर से 4 दिसंबर तक बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर गणना प्रपत्रों का मतदाताओं को वितरण किया जाएगा एवं प्रपत्रों को भरवाकर प्राप्त किया जाएगा। 9 दिसंबर को आलेख्य मतदाता सूची का प्रकाशन होगा। दावे और आपत्तियां दाखिल किए जाने की अवधि 9 दिसंबर 8 जनवरी 2026 तक होगी। नोटिस जारी किए जाने, सुनवाई एवं सत्यापन व दावे और आपत्तियों का निस्तारण एवं गणना प्रपत्रों पर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा निर्णय किए जाने की अवधि 9 दिसंबर से 31 जनवरी, 2026 तक होगी। इसके बाद 7 फरवरी को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा।

छात्रवृत्ति के लिए अब 15 नवंबर तक कर सकते हैं आवेदन

कानपुर देहात। प्रधानमंत्री यसस्वी टॉप क्लास एजुकेशन इन स्कूल्स योजना में वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु आवेदन की तिथि बढ़ा दी गई है। अब छात्र-छात्राएं 15 नवंबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे।

जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी नेहा सिंह ने बताया कि निदेशालय, पिछड़ा वर्ग कल्याण, उत्तर प्रदेश लखनऊ के पत्र के अनुक्रम में शिक्षण संस्थानों के नोडल अधिकारी द्वारा आवेदनों का सत्यापन 25 नवंबर तक तथा राज्य नोडल अधिकारी द्वारा पुनःसत्यापन 5 दिसंबर तक किया जाएगा। (कक्षा 9-10) एवं दशमोत्तर (कक्षा 11-12) विद्यालयों को निर्देशित किया है कि समय से प्रक्रिया पूरी करें।

बारिश से फसलों को हुआ भारी नुकसान, अब क्या करे किसान

रसूलाबाद क्षेत्र में धान की फसल को ज्यादा नुकसान, सरकार से दैवीय आपदा सहायता राशि की मांग

संवाददाता, रसूलाबाद

बे मौसम बारिश से खेत पर गिरी धान की फसले। अमृत विचार

अमृत विचारः बेमौसम लगातार हो रही बरसात के कारण धान के खेतों में पानी भर गया है। फसलें जलमग्न होने से उसकी जड़ें गलने लगी हैं और पौधे सड़ने की स्थिति में पहुंच गए हैं। इसके साथ ही तेज हवाओं के चलते फैसलें गिर गई हैं। इससे किसानों की हाड़ तोड़ मेहनत पर पानी फिर गया है।

ग्राम पंचायत बेरीसाल के अनेक किसानों ने बताया कि बेमौसम बारिश ने किसानों को भारी नुकसान पहुंचा है। इससे धान की फसल पूरी तरह से चौपट हो गई है। इससे किसानों की कमर टूट गई है। स्थानीय किसानों का कहना है कि उन्होंने बड़ी मेहनत से धान की फसल तैयार की थी, जो अब कटाई के लिए तैयार थी। धान की इन फसलों पर उन लोगों के परिवार के पोषण के अलावा बच्चों की शादी विवाह व अन्य खर्चों एवं सालभर की आजीविका निर्भर थी किंतु मौसम के इस कहर से उन्हें गंभीर आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा।

किसानों ने प्रशासन से तत्काल राजस्व और कृषि विभाग की टीम भेजकर मौके पर सर्वे कराने और उनके नुकसान का सही आकलन कर प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा दिए जाने की मांग की है। किसानों ने सरकार से इसे दैवीय आपदा मानकर आर्थिक सहायता दिए जाने का आग्रह किया है जिससे उन्हें राहत मिल सके। किसानों ने बताया कि यदि उन्हें जल्द राहत नहीं मिली तो आगामी फसल की तैयारी भी बुरी तरह प्रभावित होगी।

चेन लुटेरे को पकड़ने के लिए तीन टीमें गठित

रनियांः रनियां थाना क्षेत्र के मंटोरा ओवरब्रिज के समीप शुक्रवार की शाम अज्ञात लुटेरे ने दुकान पर बैठी एक महिला के गले से सोने की चेन झपट्टा मारकर पार कर दी थी। घटना में रविवार की शाम महिला के पति की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ लूट का मुकदमा दर्ज किया गया है। एसपी ने खुलासे के लिए पुलिस की तीन टीमें लगाईं हैं।

चिराना गांव निवासी संतोष मिश्रा का मंटोरा ओवरब्रिज के समीप सर्विस रोड पर स्थित घर के बाहर उनकी परचून की दुकान है। शुक्रवार को उनकी पत्नी आस्था उर्फ रुचि मिश्रा बैठीं थीं। शुक्रवार की देर शाम उनकी पत्नी दुकान पर बैठी हुई थीं कि तभी एक अज्ञात व्यक्ति ग्राहक बनकर आया और आस्था के गले में पड़ी सोने की चेन पर झपट्टा मारकर उसे लूट कर ले गया। घटना की लिखित तहरीर आस्था के पति संतोष ने रनियां थाने में दी थी। इसके बाद रविवार को सीओ सदर संजय वर्मा, इंस्पेक्टर शिवनारायण सिंह पीड़िता के घर पहुंचे थे और जानकारी जुटाई थी।

इंस्पेक्टर एसएन सिंह ने बताया कि पति संतोष मिश्रा की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ बीएनएस की धारा 304 (2) चेन लूट का मुकदमा दर्ज किया गया है।

धर्मगढ़ बाबा दीपोत्सव के दौरान गणेश-लक्ष्मी का पूजन करतीं विधायक पूनम संखवार।

21 सौ दीप जलाकर दी शहीदों को श्रद्धांजलि

- धर्मगढ़ बाबा सत्संग मंडल ने आयोजित कराया कार्यक्रम

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः धर्मगढ़ बाबा दीपोत्सव कार्यक्रम में विधायक व एसडीएम ने सैकड़ों की संख्या में मौजूद महिला एवं पुरुष भक्तों की उपस्थिति में 2100 दीपक जलाकर भगवान गणेश-लक्ष्मी एवं मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का पूजन किया।

श्री धर्मगढ़ बाबा सत्संग मंडल द्वारा गत वर्षों की तरह इस वर्ष भी देश की सेवा करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए अमर जवानों के प्रति श्रद्धांजलि व्यक्त करते हुए धर्मगढ़ बाबा मंदिर में दीपोत्सव का कार्यक्रम आयोजित किया गया। धर्मगढ़ बाबा दीपोत्सव में रसूलाबाद विधायक पूनम शंखवार, एसडीएम सर्वेश कुमार सिंह, अध्यक्ष महेंद्र पाल सिंह, सोनू पांडेय, रामू गुप्ता, बउवन चौरसिया, उमेश गुप्ता, गोपाल गुप्ता, प्रहलाद बाबू गुप्ता, घनश्याम शुक्ला, मुरारी लाल कुशवाहा आदि उपस्थित रहे।

इस अवसर पर महिला एवं पुरुष भक्तों ने 2100 दीप प्रज्ज्वलित कर जय श्रीराम व भारत माता की जय के नारे लगाए। इसके बाद धर्मगढ़ बाबा सत्संग मंडल परिवार द्वारा भव्य आतिशबाजी का भी प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में भाग लेने बड़ी संख्या में लोग पहुंचे।

मॉर्निंग वॉक पर निकली युवती ओवर ब्रिज से गिरी, गई जान

- भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के ओवर ब्रिज की घटना, परिजन बोले- वाहन ने मारी टक्कर

संवाददाता, पुखरायां

अमृत विचारः मंगलवार को भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के भोगनीपुर ओवर ब्रिज से युवती संदिग्ध परिस्थितियों में नीचे गिर गई। घायल अवस्था में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बारे में जानकारी मिलने पर पहुंचे परिजनों का रोकर बुरा हाल हो गया। कोतवाली पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर जांच पड़ताल शुरू करते हुए शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिये भेजा।

भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के भोगनीपुर ओवर ब्रिज से नीचे एक युवती संदिग्ध परिस्थितियों में गिरकर घायल हो गई। स्थानीय लोगों द्वारा उसे उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पुखरायां में भर्ती कराया गया। यहां चिकित्सकों द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचे परिजनों ने युवती की शिनाख्त वैष्णवी पुत्री रामचन्द्र (22) निवासी भोगनीपुर के रूप में की। मृतका के भाई आलोक ने बताया कि उसकी बहन सुबह टहलने निकली थी। ओवर ब्रिज के ऊपर से टहलकर घर वापस आ रही थी। इसी दौरान उसे किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिससे वह ओवर ब्रिज से नीचे गिर गई और उसकी मौत हो गई।

घटना के बाद मृतका की मां विमला देवी, बहन सुनीता, गरिमा, भाई आलोक सहित अन्य परिजनों का रो रोकर बुरा हाल था। भोगनीपुर कोतवाल अमरेन्द्र बहादुर सिंह ने बताया कि शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद तहरीर मिलते ही मामला दर्ज किया जाएगा।

विश्व बंधुत्व की भावना से ओतप्रोत है हमारी संस्कृति

रसूलाबादः भारतीय संस्कृति ही ऐसी है जिसमें विश्व बंधुत्व की भावना से कार्य होता रहा है। वसुधैव कुटुंबकम की भावना केवल भारतीय संस्कृति में ही है।

यह विचार मंगलवार को स्नेहलता गुप्ता मेमोरियल डिग्री कालेज में पर्यावरण जागरूकता में छात्र-छात्राओं की भूमिका एवं भारतीय शस्त्र सभ्यता की गौरवशाली परंपरा के संदर्भ में आयोजित विचार गोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में आए स्ववित्त पोषित महाविद्यालय एसो के अध्यक्ष विनय कुमार त्रिवेदी ने व्यक्त किए। इसके पहले मुख्य अतिथि ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का उद्घाटन किया। महाविद्यालय के प्रबंधक विनीत कुमार गुप्ता ने उन्हें स्मृति चिन्ह भेंटकर एवं शाल ओढाकर उनका स्वागत किया।

गर्भवती महिलाओं व बच्चों का सौ फीसदी टीकाकरण हो : जिलाधिकारी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः कलेक्ट्रेट स्थित मां मुक्तेश्वरी देवी सभागार में मंगलवार को जनपदीय स्वास्थ्य समिति के शासी निकाय की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता डीएम कपिल सिंह ने की। बैठक के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार करते हुए विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। डीएम ने कहा कि गर्भवती महिलाओं व बच्चों का सौ फीसदी टीकाकरण किया जाए।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि संस्थागत प्रसव को बढ़ाने, मातृत्व एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने तथा जननी सुरक्षा योजना का लाभ अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने के लिए ठोस प्रयास किए जाएं। कहा कि गर्भवती महिलाओं और बच्चों का शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो। जिलाधिकारी ने मातृत्व मृत्यु के मामलों पर विशेष संवेदनशीलता बरतने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक मामले की गहन समीक्षा कर कारणों की पहचान की जाए और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। उन्होंने सभी एमओआईसी को निर्देशित किया कि अपने-अपने क्षेत्रों में संस्थागत प्रसव को प्राथमिकता दें और इसके लिए जनजागरूकता बढ़ाई जाए। बैठक में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत प्राप्त उपलब्धियों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रगति लाना सुनिश्चित करें तथा कमजोर बच्चों की पहचान कर उनके उपचार एवं पोषण सुधार हेतु ठोस कार्रवाई की जाए।

उन्होंने कहा कि वर्तमान मौसम में मच्छर जनित बीमारियों जैसे डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया आदि के प्रसार को रोकने के लिए विशेष सतर्कता बरती जाए। सभी चिकित्सालयों में आने वाले मरीजों की अनिवार्य रूप से जांच की जाए। जिलाधिकारी ने टीकाकरण, आभा आईडी, टीवी नियंत्रण, तंबाकू उन्मूलन कार्यक्रम, राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम आदि की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में डब्ल्यूएचओ एवं यूनिसेफ द्वारा किए गए तृतीय पक्ष सर्वेक्षण की रिपोर्ट पर चर्चा की गई।

छठ महापर्व | रनियां के किशरवल स्थित अमृत सरोवर में भी आस्थावानों की भारी भीड़ रही

उगते सूरज को अर्घ्य देकर परिवार की सुख-समृद्धि मांगी

संवाददाता, रनियां

रनियां के अमृत सरोवर में जुटी श्रद्धालुओं की भीड़, सूर्य देव को अर्घ्य देतीं व्रती महिलाएं। अमृत विचार

अमृत विचारः छठ पूजा के चौथे व अन्तिम दिन मंगलवार की सुबह छठ व्रतियों ने उगते हुए सूरज को अर्घ्य देकर परिवार की सुख - समृद्धि, संतान की दीर्घायु और जीवन में ऊर्जा की कामना की। इसी के साथ छत्तीस घंटे का निर्जला उपवास भी समाप्त हो गया। रनियां में भी किशरवल स्थित अमृत सरोवर पर आस्थावानों की भारी भीड़ उमड़ी।

लोक आस्था व सूर्य उपासना का महापर्व छठ पूजा का मंगलवार को समापन हो गया। उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही पिछले तीन दिनों से मनाया जा रहा ये पर्व समाप्त हो गय। औद्योगिक क्षेत्र रनियां के किशरवल स्थित प्राचीन पातालेश्वर मंदिर परिसर में बने अमृत सरोवर पर छठ पूजा का घाट है। यहां बेदियां बनाई गई थीं, जिसमें छठ पूजा परिवार सहित मनाई गई।

मंगलवार की सुबह सूर्योदय के समय कमर तक पानी में जाकर छठ व्रतियों ने सूर्य को अर्घ्य दिया। उसके बाद ठेकुआ प्रसाद और जल ग्रहण कर व्रत समाप्त किया। इसी के साथ 36 घंटे का निर्जला उपवास भी खत्म हो गया। यहां महिलाओं ने छठी मैया को प्रसन्न करने के लिए परंपरागत गीत गाए।

नहाय खाय से प्रारंभ हुआ था महापर्व

- **रनियां।** बीते शनिवार को नहाय खाय के साथ ही चार दिवसीय छठ पूजा की शुरुआत हुई थी। रविवार को खरना पूजा में शामिल महिला पुरुषों ने खीर पूड़ी ठेकुआ का प्रसाद ग्रहण किया। सोमवार की शाम डूबते हुए सूरज को घाट पर पानी के अंदर जाकर अर्घ्य दिया गया और मंगलवार को उगते सूरज को अर्घ्य देकर सूर्य उपासना के महापर्व छठ का समापन हो गया।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर किया व्रत का पारण, जलाशयों में रहा मेले जैसा माहौल

रसूलाबाद : छठ पूजा के अंतिम दिवस मंगलवार सुबह श्रद्धालु भक्तों ने उषाकालीन उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर उनका पूजन अर्चन किया और परिवार की मंगल के लिए भगवान सूर्य से कामना की। व्रती व श्रद्धालु भक्तों ने इस दिन उगते सूर्य को जल और दूध से अर्घ्य दिया और व्रत के समापन पर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। इसके साथ ही भक्तों ने सूर्य भगवान से आराधना की कि हमारे देश की इस संस्कृति पर वे अपनी कृपा बनाये रखें, ताकि हजारों वर्ष बाद भी हमारी पुत्रवधुएं यूं ही सज-धज कर गंगा के जल में खड़ी हों और कहें उग हो सुरुज देव, भइले अरघ के बेर। इस पावन पर्व पर एसडीएम सर्वेश सिंह ने पत्नी निशा सिंह व पुत्र आरव, निर्मला देवी एवं अन्य श्रद्धालुओं ने रतनपुर रजबहा के जल में खड़े होकर उदीयमान सूर्य को अर्घ्य दिया। इस मौके पर सन्तविलास सिंह चौहान, डॉ.लोकश सिंह चौहान प्रियंका सिंह ,लक्षिता सिंह चौहान, सुमन दुबे, सुधा ,सीता, गीता, निशा ,उषा, प्रतिमा,ममता, संजय मिश्रा, अमित पांडेय,रामू गुप्ता, वीरू कुशवाहा, मुरारी लाल ,गोपाल गुप्ता ,बलराम, महेश यादव आदि मौजूद रहे।

वकीलों के हर संघर्ष में सदैव आगे रहते थे हर्ष यादव

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचारः माती कचहरी के वरिष्ठ अधिवक्ता और लॉयर्स एसोसिएशन कानपुर के पूर्व कोषाध्यक्ष हर्ष यादव के आकस्मिक निधन पर साथी वकीलों में शोक की लहर दौड़ गई। मंगलवार को जिला बार एसोसिएशन के तत्वावधान में अधिवक्ताओं ने शोकसभा का आयोजन किया। इसमें दिवंगत अधिवक्ता की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया।

बीते दिवस हृदयाघात से हर्ष यादव का निधन हो गया था। इसकी सूचना मिलते ही अधिवक्ताओं में शोक दौड़ गया। काफी संख्या में अधिवक्ता हर्ष के घर पहुंचे और शोक संतप्त परिवार को सांत्वना प्रदान की। मंगलवार को माती कचहरी में शोकसभा हुई। इसमें जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव एडवोकेट ने कहा कि हर्ष अधिवक्ताओं के हर संघर्ष में सदैव आगे रहते थे। उनके निधन से अधिवक्ता समाज को अपूर्णनीय क्षति हुई है। वह एक जिंदा दिल इंसान थे व मृदुभासी एवं उदार प्रवृत्ति के व्यक्ति थे।

सिविल बार एसोसिएशन अध्यक्ष जितेन्द्र प्रताप सिंह चौहान ने कहा कि हर्ष यादव उनके पिता स्वर्गीय इंद्रपाल सिंह चौहान के अध्यक्ष रहते लॉयर्स एसोसिएशन कानपुर में कोषाध्यक्ष रहे। उन्होंने जनपद न्यायालय भवन कानपुर देहात में कानपुर नगर से न्यायालय स्थापित होने में स्वर्गीय इंद्रपाल सिंह चौहान के साथ मिल कर सहयोग किया था। कहा कि हर्ष यादव का आकस्मिक निधन अधिवक्ता समाज के लिए अपूर्णनीय क्षति है। घनश्याम सिंह राठौर, संपत लाल, सुबोध नारायण त्रिपाठी, रमेश चंद्र सिंह गौर, सुलेखा यादव, सर्वेंद्र सिंह, विश्वनाथ सिंह, जितेंद्र बाबू, आलोक यादव, राजेन्द्र द्विवेदी आदि रहे।

न्यूज ब्रीफ

नौ किसानों ने कराया फार्मर रजिस्ट्री का रजिस्ट्रेशन

घाटमपुर। तहसील क्षेत्र में चलाए जा रहे फार्मर रजिस्ट्री अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत मदुरी में लेखपाल व पंचायत सहायक की मौजूदगी में नौ किसानों की फार्मर रजिस्ट्री का रजिस्ट्रेशन किया गया। घाटमपुर विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत मदुरी में लेखपाल सुजीत कुमार, पंचायत सहायक रोजगार की उपस्थिति में किसानों को सूचित किया गया था, जिसके अंतर्गत पंचायत सचिवालय मदुरी में किसानों ने पहुंचकर फार्मर रजिस्ट्री का रजिस्ट्रेशन कराया है। लेखपाल सुजीत कुमार ने बताया कि यह कार्य निरंतर जारी रहेगा। इस मौके पर पंचायत सहायिका अनुष्का सोलंकी, रोजगार सेवक सुनील कुमार, लेखपाल सुजीत कुमार सहित कई लोग मौजूद रहे। वहीं एसडीएम घाटमपुर अविचल प्रताप सिंह ने किसानों से अपील की कि वह अपना आधार कार्ड व लिंक्ड मोबाइल नंबर पर खतौनी साथ ले जाकर फार्मर रजिस्ट्री अपने ग्राम सचिवालय के सहज जन सेवा केंद्र अथवा नजदीकी जन सेवा केंद्र से जाकर 15 नवंबर तक फार्मर रजिस्ट्री करा लें।

हमीरपुर डीबीए के लिए मतदान आज

हमीरपुर। हमीरपुर डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के चुनाव को लेकर सरगर्मी तेज हो गई है। विभिन्न पदों पर किस्मत आजमा रहे प्रत्याशी मतदाताओं को लुभाने और उन्हें अपने पक्ष में मतदान करने का हर संभव जतन कर रहे हैं। बुधवार की सुबह मतदान शुरू होगा और मतदान संपन्न होने के बाद देर शाम तक मतगणना के बाद परिणाम घोषित कर दिया जाएगा। एल्डर्स कमेटी के चेयरमैन जयकरन सिंह ने यह जानकारी देते हुए बताया कि हमीरपुर डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के सामान्य निर्वाचन के लिए बुधवार की सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक मतदान होगा। इसके बाद शाम 5 बजे से मतगणना प्रारम्भ हो जाएगी। निर्वाचन कार्य मुख्य निर्वाचन अधिकारी अल्ताफ हुसैन की निगरानी में कराया जाएगा।

हाईवे पर डांस की रील बना इंस्टाग्राम में डाली

मौदहा (हमीरपुर)। सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव और रील्स की दीवानगी में युवा अपनी जान जोखिम में डाल कभी रेलवे पुलों में तो कभी नेशनल हाईवे पर वीडियो बनाकर इंस्टाग्राम पर डालकर वायरल होना चाह रहे हैं। इंस्टाग्राम अकाउंट में राहुल मौदहा 91 नाम की आईडी में सिजनौडा के पास चंद्रावल नदी के रेलवे पुल की बीच पटरी पर डांस करते हुए वीडियो बना कर पोस्ट किया गया है।

बच्ची ने खेल-खेल में पी ली मच्छर मार दवा

मौदहा (हमीरपुर)। कस्बे के मराठीपुरा मोहल्ले में बच्ची ने खेल खेल में घर में रखी मच्छर मारने की दवा गटक ली। हालत में सुधार न होने पर सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। कस्बे के मराठीपुरा मोहल्ला निवासी संदीप की डेढ़ वर्षीय पुत्री शैलपुत्री खेलते समय घर में रखी मच्छर मारने की दवा ऑल आउट पी ली। उसे सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया।

बारिश से तापमान में आई गिरावट, किसान चिंतित

लेखपालों को क्षेत्र में नुकसान पर नजर रखने के निर्देश

संवाददाता, बिल्हौर

बारिश और तेज हवा के चलते पलटी पड़ी फसल। अमृत विचार

अमृत विचार। मंगलवार को बिल्हौर तहसील क्षेत्र के कई इलाकों में दिन भर हुई झमाझम बारिश के कारण मौसम का मिजाज अचानक बदल गया। तापमान में आई भारी गिरावट से अब सर्दी का एहसास होने लगा है। मंगलवार की शाम ककवन और बिल्हौर के आसपास के इलाकों में लोगों को गर्म कपड़े पहने हुए भी देखा गया।

बारिश के चलते धान और आलू की फसलों पर संकट आ गया इससे किसानों के माथे पर परेशानी के बल दिखने लगे। यह क्षेत्र मुख्य रूप से कृषि प्रधान है और बारिश ऐसे समय में हुई है जब फसलें कटाई के लिए तैयार खड़ी हैं।

धान की फसल को खतरा: ककवन इलाका धान उत्पादन का सबसे बड़ा क्षेत्र माना जाता है। यहां धान की फसल लगभग पककर तैयार खड़ी है। इस बेमौसम बारिश से धान की फसल के गिरने और भीगने का खतरा बढ़ गया है, जिससे गुणवत्ता और पैदावार दोनों में भारी नुकसान हो सकता है।

आलू की फसल पर मार: कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, यह बारिश आलू की बुआई के लिए भी हानिकारक है। खेतों में पानी भरने से आलू की फसल को भी बड़े पैमाने पर नुकसान होने की आशंका है।

वहीं मौसम विभाग के अनुसार, बुधवार को भी बारिश होने के आसार बने हुए हैं। स्थानीय किसानों का कहना है कि अगर बुधवार को भी तेज बारिश होती है, तो उनकी तैयार खड़ी फसलों को बड़ी मात्रा में नुकसान होगा, जिससे क्षेत्र के किसानों पर आर्थिक संकट आ सकता है। प्रशासन को जल्द से जल्द क्षति आकलन और किसानों को राहत देने के उपाय करने की आवश्यकता है।

> तहसील प्रशासन की बेमौसम बारिश पर नजर बनी हुई है। सभी राजस्व निरीक्षकों और लेखपालों को अपने-अपने क्षेत्र में फसलों के नुकसान के बारे में जानकारी बनाए रखने के निर्देश मंगलवार को ही जारी किए गए थे। यदि नुकसान ज्यादा होता है तो शासन से किसानों को सहयोग दिलाए जाने का प्रयास भी किया जाएगा
> – अनुभव चंद्र (तहसीलदार बिल्हौर)

अचानक सर्दी बढ़ने से जनजीवन प्रभावित

- दिन भर रुक-रुक कर हुई बारिश के कारण अधिकतम और न्यूनतम तापमान में तेजी से गिरावट दर्ज की गई। दिन ढलते ही ठिठुरन बढ़ गई, जिससे लोगों ने अलाव और हीटर का सहारा लेना शुरू कर दिया है। अचानक हुई बारिश से बिल्हौर और ककवन के बाजारों में भी चहल-पहल कम दिखी।

14 घंटे ठप रही दो सैकड़ा से अधिक गांवों की बिजली

चौबेपुर। कस्बा स्थित विद्युत सब स्टेशन के पैनल की वायरिंग जल जाने से क्षेत्र के दो सैकड़ा से अधिक गांवों की आपूर्ति 14 घंटे तक बाधित रही। बिजली बगैर जहां लघु एवं कुटीर उद्योगों में कार्य प्रभावित हुआ। वहीं इसके कारण सबसे बड़ी समस्या लोगों के समक्ष पेयजल को लेकर रही।

पनकी से कस्बा स्थित सब स्टेशन में आने वाली मुख्य लाइन के पैनल की वायरिंग सोमवार सुबह 4 बजे जल जाने से संपूर्ण क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति ठप हो गई। सुबह मरम्मत कार्य शुरू हुआ, लेकिन चौबेपुर, शिवली फीडर समेत यहां स्थापित सभी ट्रालियों में खराबी के चलते मरम्मत कार्य में काफी समय लग गया और शाम करीब 6:00 बजे आपूर्ति बहाल हो पाई। बिजली न मिल पाने से जहां लघु एवं कुटीर उद्योगों में कार्य प्रभावित हुआ, वहीं इसके कारण सबसे बड़ी दिक्कत लोगों को पीने के पानी को लेकर व्याप्त रही। मजबूरी बस लोगों ने आसपास लगे हैंडपंपों का सहारा लिया। उपखंड अधिकारी देवव्रत आर्य ने बताया कि पैनल की वायरिंग जल जाने से समस्या उत्पन्न हुई। दिन भर चले मरम्मत कार्य के उपरांत शाम को आपूर्ति बहाल करा दी गई।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

भाजयुमो के कार्यक्रम में स्वदेशी अपनाने पर बल

संवाददाता, बिल्हौर

अमृत विचार। भारतीय जनता पार्टी कानपुर ग्रामीण के युवा मोर्चा के तत्वावधान में मंगलवार को बिल्हौर विधानसभा क्षेत्र के बिल्हौर इंटर कॉलेज में स्वदेशी संकल्प अभियान के अंतर्गत एक युवा सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं में स्वदेशी भावना का संचार कर आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूत करना था।

बिल्हौर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एमएलसी मानवेंद्र सिंह चौहान पहुंचे। उन्होंने कहा कि स्वदेशी का अर्थ है — स्वदेश का, स्वधर्म। उन्होंने वेदों का उल्लेख करते हुए 'स्व' शब्द को आत्मा का प्रतीक बताया और कहा कि स्वदेशी कहने का तात्पर्य अपने देश की आत्मा को पहचानना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इतिहास में महर्षि दयानंद सरस्वती ने स्वराज्य और स्वभाषा के माध्यम से स्वदेशी का बीजारोपण किया, जिसे महात्मा गांधी ने स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा बना दिया था। उन्होंने कहा, जब हम 'मेड इन इंडिया' को 'मेड बाय इंडिया' बना देते हैं तब भारत उपभोक्ता नहीं, बल्कि निर्माता बन जाता है। कार्यक्रम में मौजूद विधायक राहुल बच्चा सोनकर ने भी लोगों से स्वदेशी उत्पादों को अपनाने की अपील की। वहीं जिला अध्यक्ष उपेंद्र पासवान ने समापन भाषण में स्वदेशी को आत्मनिर्भरता की साधना बताया। उन्होंने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं का प्रयोग केवल देशभक्ति नहीं, यह राष्ट्र निर्माण का यज्ञ है।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से कौशल अवस्थी, सुशील कटियार, राम शरण कटियार, सुनील साहू, राजेंद्र कटियार, रवींद्र सिंह चौहान, गीता गुप्ता, राजू दुबे, जय प्रकाश कटियार, अनिरुद्ध शुक्ल, शानू राठौर, शुभ्रांशु कटियार, सौरभ शर्मा आदि गणमान्य कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में मौजूद एमएलसी मानवेंद्र सिंह व अन्य भाजपा नेता। अमृत विचार

सूखा चारा खाते गोवंश। अमृत विचार

कान्हा गौशाला में गोवंशों को हरा चारा नहीं मिल रहा

घाटमपुर। कान्हा गौशाला में गोवंशों को भरपेट चारे की समस्या उत्पन्न हो गई है। यहां पर गोवंशों को उनको खाने के नाम पर सिर्फ पयाली दी जा रही है। गौशाला में भूसा व चोकर दो महीने से नहीं है और तो और हरे का चारे का भी प्रबंध नहीं है। भरपेट भोजन न मिलने से कई गोवंश मरने की कगार पर है। कई की मौत भी चुकी है।

समाजसेवी सुरेश सोनी ने बताया कि वह अपनी टीम के साथ मंगलवार को कान्हा गौशाला घाटमपुर पहुंचे। वहां पर दो गोवंश मृत पड़े थे। वहीं कुछ गोवंश इतने दुर्बल हो चुके थे की वे मरने की कगार पर पहुंच गए हैं। क्योंकि उन्हें खाने के नाम पर सिर्फ पयाली दी जा रही है। भूसा-चोकर तो देखने को भी नहीं मिला और हरे चारे का कहीं पता ही नहीं है। उन्होंने बताया कि भरपेट चारा गोवंशों को नहीं मिल पा रहा है। वहां पर मृत पड़े गोवंशों फोटो सोशल मीडिया में वायरल भी हुई हैं। हालांकि अमृत विचार अखबार वायरल फोटो की पुष्टि नहीं करता है। गौशाल में जिस केयरटेकर की ड्यूटी थी वह भी गौशाला में मौजूद नहीं मिला।

वृद्ध ने बस के आगे कूद जान देने का किया प्रयास

संवाददाता, बिल्हौर

घटनास्थल पर मौजूद लोग। अमृत विचार

अमृत विचार। ककवन थाना क्षेत्र के लोधन पुरवा गांव में मंगलवार सुबह करीब दस बजे एक हृदय विदारक घटना हुई। यहां पर एक वृद्ध ने बस के आगे कूद कर आत्महत्या का प्रयास किया। बाद में घायल अवस्था में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां पर उनकी हालत चिंता जनक बनी हुई है।

पारिवारिक कलह से परेशान होकर गदनपुर चौरस गांव निवासी राज बहादुर 60 पुत्र पुत्तीलाल नामक वृद्ध ने बिल्हौर-रसूलाबाद मार्ग पर चल रही एक यात्री बस के आगे कूदकर आत्महत्या का प्रयास किया। प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय लोगों के अनुसार, जैसे ही बस पास आई, वृद्ध राज बहादुर ने अचानक बस के सामने छलांग लगा दी। हालांकि, बस चालक ने सूझबूझ का परिचय देते हुए तत्काल ब्रेक लगा दिया, जिससे वृद्ध की जान बच गई। इसके बावजूद, वृद्ध बस से टकराकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

वहीं दुर्घटना के तुरंत बाद, मौके से गुजर रहे समाजवादी पार्टी के नेता विनय यादव ने मानवता दिखाते हुए घायल वृद्ध राज बहादुर को अपनी गाड़ी से तुरंत ककवन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वृद्ध की हालत गंभीर होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद, उन्हें कानपुर के लिए रेफर कर दिया गया है। उनकी स्थिति अभी भी चिंताजनक बताई जा रही है। इस संबंध में, थाना प्रभारी जितेंद्र राजपूत ने बताया कि उन्हें इस दुर्घटना के बारे में लिखित में कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। उन्होंने आश्वस्त किया कि शिकायत मिलने पर उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जमीन पर कब्जे की कोशिश

बिवांर (हमीरपुर)। थाना क्षेत्र के मवईजार गांव के प्रधान कामता प्रसाद ने थाने में तहरीर देकर बताया कि कलौलीतीर गांव के रहने वाले लालमन, रूपराम, भूपेंद्र और एक अज्ञात युवक असलहा और जेसीबी लेकर गांव पहुंचे और ग्राम समाज की खाली पड़ी जमीन को जेसीबी से कृषि योग्य बनाने की कोशिश करने लगे। उन्होंने विरोध किया तो युवक अपनी जमीन होने की बात कहने लगे। प्रधान की सूचना पर पुलिस पहुंची, मगर पुलिस के पहुंचने से पहले युवक भाग गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

टोल प्लाजा पर झगड़े के बाद छह पर मुकदमा दर्ज

शिवराजपुर। टोल प्लाजा पर फ्री गाड़ी निकालने के मामले में टोल प्लाजा कर्मचारी एवं कुछ क्षेत्रीय लोगों के बीच में गाली गलौज व मारपीट के बाद टोल कर्मचारी ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की थी। थाना पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद दो ज्ञात और चार अज्ञात समेत छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

टोल कर्मचारी विपिन कौशिक ने दी गई तहरीर में उल्लेख किया कि बीते 26 अक्टूबर को क्षेत्र के एक गांव निवासी दो ज्ञात एवं चार अज्ञात लोग टोल प्लाजा से फ्री गाड़ी निकालने पर अड़ गये। टोल कर्मी द्वारा मना करने पर वे गाली गलौज एवं मारपीट करने लगे। बाद में थाने में 6 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। इस मामले में थाना प्रभारी वरुण शर्मा ने बताया कि टोल प्लाजा कर्मचारी द्वारा दी गई तहरीर के बाद मामला दर्ज कर लिया गया है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

बाबा निजामी के उर्स की धूम आज से

मौदहा (हमीरपुर)। हिंदू-मुस्लिम एकता के प्रतीक बाबा निजामी के 63वें सालाना उर्स की तैयारियां पूरी हो गई हैं। बुधवार से उर्स और मेले की शुरुआत होगी।कम्हरिया बाबा निजामी का नाम अब्दुल्ला था, मगर वे बाबा निजामी के नाम से प्रसिद्ध हैं। बाबा के जीवन काल से ही यहां हिंदू-मुस्लिम लोगों का आना-जाना रहा। हिंदू धर्म के लोग कम्हरिया शरीफ जाकर बाबा निजामी की मजार पर चादरपोशी करते हैं। वह सूफी संत के साथ हकीम भी थे, जिनके बताए नुस्खों से आज भी शिफा पाते हैं।

भारत यात्रा पर निकले सनोज का स्वागत

संवाददाता, घाटमपुर

सनोज का स्वागत करती महिला।

अमृत विचार। सम्पूर्ण भारत की पैदल यात्रा पर निकले इंजी. सनोज उर्फ रोविंग सनोज हाथ में तिरंगा लिए घाटमपुर पहुंचे। घाटमपुर पहुंचने पर कानपुर सागर मार्ग पर लोगों ने उनका भव्य स्वागत किया।

उन्होंने बताया कि उन्होंने सम्पूर्ण भारत की पैदल यात्रा 21 अक्टूबर सन् 2022 में अरुणाचल प्रदेश से शुरू की थी और वह घाटमपुर तक 27,200 किलोमीटर की पैदल यात्रा कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि पैदल यात्रा के माध्यम से वे लोगों से वार्तालाप कर भारतीय संस्कृति, रीति रिवाज़ों ,परंपराओं और उनक रहन सहन के बारे में जानने का अवसर प्राप्त हुआ जो आगे भी जारी रहेगा।

इस दौरान भोला सैनी, रिंकू शुक्ला, दीपक सैनी, पुष्पेंद्र सैनी, साजिद, अनूप गुप्ता, शशी गुप्ता, अनूप अवस्थी समेत तमाम लोग उपस्थित रहे और सनोज को आगे की यात्रा के लिये शुभकामनाएं दीं।

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त आराजी संख्या 255 विनायकपुर, कानपुर नगर के जज भाग पर निर्मित मकान नं. 117/8/58A क्षेत्रफल 392 वर्गगज की वर्तमान मालकिन रीना यादव पत्नी आशीष कुमार है। उक्त सम्पत्ति से सम्बधित मूल बैनामा की चैन डीड दिनांक 13/6/1983 जोकी श्रीमती चंद्रप्रभा पत्नी श्री चन्द किशोर कि मकान नं0 118/52A कौशलपुरी जिसका बही संख्या 1 जिल्द संख्या 3870 के पृष्ठ संख्या 384 से 386 में नम्बर 14022 मय मुसन्ना नम्बर 14023 पर दिनांक 22/6/1983 पर दर्ज है। तत्पश्चात श्रीमती चंद्राप्रभा ने उक्त सम्पत्ति दिनांक 26/8/1987 को श्यामा देवी पत्नी श्री राम पाल सिंह वही संख्या -1 जिल्द संख्या 4503 के पृष्ठ संख्या 1064 से 1069 में नम्बर 16723 मुसन्ना नम्बर 16724 पर दिनांक 21/3/1988 पर दर्ज है। जो कहीं खो गया है। किसी बैंक अथवा वित्तीय संख्या में बंधक नहीं है। यदि किसी भी व्यक्ति या संख्या को आपत्ति हो तो नीचे लिखित पते पर 10 दिनों के अन्दर लिखित आपत्ति दर्ज करा सकता है। समयवधि व्यतीत होने पर कोई भी आपत्ति मान्य नहीं होगी। **रीना यादव, निवासी-17/8/58A] इन्द्रपुरी गीता नगर, कानपुर नगर,** दिनांक 2 20/10/25

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
अपना नाम महताब हुसैन MAHTAB HUSAIN DOB 1/1/1998 से बदलकर महताब हुसैन MAHTAAB HUSSAIN DOB 12/6/1998 पुत्र हिसामुद्दीन रख लिया है अतः भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे ।निवासी वाजिदपुर पोस्ट दारी चौरा तहसील उतरौला जनपद बलरामपुर

सूचना
मैं शरण्या शुक्ला पुत्री विजय कुमार शुक्ला, निवासिनी- 647 नैय्यर कालोनी, सिविल लाइन्स जेल रोड गोण्डा। मेरे आधारकार्ड में त्रुटिवश मेरा नाम भूमि शुक्ला अंकित है, जबकि अन्य दस्तावेजों में वास्तविक नाम शरण्या शुक्ला है। अतः आधारकार्ड में संशोधित कर सही नाम अंकित किया जाये। एतद्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त के संदर्भ में मैंने समस्त औपचारिकतायें पूर्ण कर ली हैं।

सूचना
मैं **कुलदीप कुमार पुत्र राम चन्द्र निवासी लखनापुर, ब्लाक सरेनी, जिला रायबरेली** का निवासी हूं। मेरे पासपोर्ट में कुलदीप अंकित है, जबकि आधार संख्या 585323651620 में मेरा नाम कुलदीप कुमार दर्ज है। दोनों ही नाम मेरे हैं। मुझे दोनों ही नामों से जाना-पहचाना व माना जाए।

सूचना
सूचित हो कि पहले मेरा नाम SHAKTIMAN था से बदलकर SHAKTIMAAN रख लिया है। अब मुझे SHAKTIMAAN के नाम से जाना व पहचाना जाये IS/0-RAM PHER ADD-VISHUNPUR KHARAHNA DIST-BALRAMPUR-271307(U.P.)

सूचना
सूचित हो कि पहले मेरा नाम MOHAMAMD ILIYAS था से बदलकर MOHAMMED ILIYAS रख लिया है। अब मुझे MOHAMMED ILIYAS के नाम से जाना व पहचाना जाये । S/0-KASIM ALI ADD-C-69 RAJAJIPURAM AVAS VIKAS COLONY DIST-LUCKNOW-226017(U.P.)

सूचना
मैंने अपना नाम मोहम्मद शहाब से बदल कर मोहम्मद शहाब वसी पुत्र श्री हाजी मोहम्मद वसी रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। **मोहम्मद शहाब वसी पुत्र श्री हाजी मोहम्मद वसी, निवासी- 542 /013 /1230, नई हैदरगंज, चौक, थाना- बाजारखाला, लखनऊ**

सूचना
मेरा नाम आधार कार्ड में गलती से अस्पाक अन्सारी लिखा है सही नाम अशफाक अंसारी Ashfaq Ansari है मेरी जन्मतिथि 01/01/1988 है **अशफाक अंसारी पुत्र रफीउल्लाह निवासी- नयागगर पोस्ट बूधीपुर रेहराबाजार, बलरामपुर**

सूचना
मैने अपना नाम मातबर प्रसाद यादव से बदलकर मातवर प्रसाद रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **मातवर प्रसाद पुत्र श्री लाल जी पता-चतुरी पिपरहवा जोगा गांव व पो0-शंकरपुर श्रावस्ती उ0प्र0**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं अरुण कुमार, पुत्र स्वर्गीय विजय बहादुर मिश्रा, निवासी ग्राम व पोस्ट बघईपुर, थाना अछल्दा का आधार कार्ड संख्या 6720 4320 5394 में मेरा नाम रमाकांत मिश्रा पुत्र स्वर्गीय विजय बहादुर मिश्रा अंकित है। जबकि मेरे समस्त शैक्षिक अभिलेखों में मेरा सही नाम अरुण कुमार पुत्र स्वर्गीय विजय बहादुर मिश्रा है। अतः भविष्य में मुझे अरुण कुमार पुत्र स्वर्गीय विजय बहादुर मिश्रा नाम से ही जाना व पहचाना जाए। **अरुण कुमार पुत्र स्वर्गीय विजय बहादुर मिश्रा पता- ग्राम व पोस्ट बघईपुर, थाना अछल्दा, तहसील बिधूना, जनपद औरैया**

सूचना
मेरी बैंक पासबुक जिसका खाता सं0 53060100001585 में मेरा नाम JANKI अकिंत है। जबकि आधार कार्ड सं0-578024667124 में JANAKA अंकित हैं। यह कि दोनों नाम एक ही यह महिला के है अत:मेरा सही नाम JANAKA है एवं अभिलेखों में अंकित किया जाये। **जनाका पत्नी रतन निषाद निवासी, 3ए संजय पुरम मौनी घाट नवाबगंज, कानपुर नगर, उत्तर प्रदेश 208002,**

जागरूकता

रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट और अमृत विचार ने शुरू किया तीन दिवसीय नारी कैंसर सुरक्षा अभियान

स्तन कैंसर का इलाज संभव, समय पर जांच से बच सकती जान : डॉ. अंकिता

कार्यालय संवाददाता, बरेली

विद्या वर्ल्ड स्कूल में स्तन कैंसर जागरूकता कार्यक्रम में मौजूद बच्चे। अमृत विचार

विद्या वर्ल्ड स्कूल में स्तन कैंसर जागरूकता कार्यक्रम में बोलते अमृत विचार के सीओओ पार्थो कुनार।

विद्या वर्ल्ड स्कूल में बच्चों को स्तन कैंसर के बारे में बतातीं डॉ. अंकिता पांडेय।

अमृत विचार : स्तन कैंसर अब लाइलाज नहीं रहा, बल्कि समय पर जांच और उचित उपचार से 80 प्रतिशत मरीज पूरी तरह ठीक हो सकते हैं। यह कहना है रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट की असिस्टेंट प्रोफेसर डा. अंकिता पांडेय का। उन्होंने बताया कि छात्राओं को अपने स्तन में कहीं पर भी गांठ महसूस हो, तो वह भी तुरंत अपने शहर के ऑन्कोलॉजिस्ट से मिलें। तभी सही इलाज हो सकेगा।

रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट और अमृत विचार के संयुक्त तत्वावधान में ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता माह के तहत तीन दिवसीय नारी कैंसर सुरक्षा अभियान मंगलवार को शुरू हुआ। पहले दिन शहर के विद्या वर्ल्ड पब्लिक स्कूल, राधा माधव पब्लिक स्कूल और केसीएमएटी में छात्राओं को स्तन कैंसर की खुद से पहचान और इससे बचाव के टिप्स दिए गए। विद्या वर्ल्ड स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में डा. अंकिता पांडेय ने छात्राओं को प्रारंभिक अवस्था में ब्रेस्ट कैंसर की जांच का महत्व बताया और इससे बचाव की जानकारी दी। छात्राओं से कहा कि स्कूलों में कार्यक्रम करने का हमारा मकसद केवल युवा उम्र से ही इस बीमारी की रोकथाम को लेकर जागरूक करना है। कहा स्तन में गांठ, निप्पल से रक्त स्राव और निप्पल या स्तन के आकार में असामान्य बदलाव की स्थिति को कैंसर के जोखिम के तौर पर जाना जाता है। इसका इलाज कैंसर की स्टेज पर निर्भर करता है। स्तन में पनपी 80 प्रतिशत गांठें सामान्य होती हैं, लेकिन इनकी अनदेखी नहीं करनी चाहिए। शर्म और झिझक छोड़कर जांच करानी चाहिए। शुरुआती अवस्था में बीमारी का पता चलने पर आसानी से इलाज संभव है।

- **विद्या वर्ल्ड पब्लिक स्कूल, राधा माधव पब्लिक स्कूल और केसीएमएटी में हुआ कार्यक्रम**
- **असिस्टेंट प्रोफेसर डा. अंकिता पांडेय ने छात्राओं को स्तन कैंसर को लेकर किया जागरूक**
- **कार्यक्रम में छात्राओं को स्तन कैंसर की खुद से पहचान करने और इससे बचाव के दिए टिप्स**

उन्होंने कहा कि कैंसर को लेकर परिवार समेत अपने परिचितों को जागरूक करना जरूरी है। डा. अंकिता ने कहा कि खराब जीवनशैली और फास्ट फूड भी कैंसर की बड़ी वजह बन रहा है। अमृत विचार के सीओओ पार्थो कुनार ने कहा कि कैंसर के टॉपिक पर किसी स्कूल में कोई बात नहीं होती, जबकि कैंसर के मामले में देश में तेजी से बढ़ रहे हैं। अमृत विचार ने यह पहल स्तन कैंसर की समय पर जांच, प्रारंभिक पहचान और उपचार के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए शुरू की है। छात्राओं से अपील की है कि वह मोबाइल से दूरी बनाएं। दिनचर्या में सुबह उठते ही अखबार पढ़ने का समय निर्धारित करें। स्वस्थ रहने के लिए खानपान का विशेष ध्यान रखें और कार्यक्रम में कैंसर को लेकर मिली जानकारी से घर-परिवार और परिचितों को जागरूक करें। प्रधानाचार्य संयोगिता चौधरी ने कहा कि अमृत विचार ने कैंसर जागरूकता कार्यक्रम कराने की अच्छी पहल की है, सभी का आभार। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य योहान कुंवर और स्कूल की 200 छात्राएं मौजूद रहीं।

महिलाएं ही नहीं पुरुषों में भी तेजी से बढ़ रहा स्तन कैंसर

डॉ. अंकिता पांडेय ने कहा कि ब्रेस्ट कैंसर पर जब भी बात हुई है, तो हमेशा महिलाओं का ही जिक्र आता है। महिलाओं में होने वाले इस आम कैंसर (ब्रेस्ट कैंसर) को लेकर आपको जानकर हैरानी होगी कि यह अब सिर्फ महिलाओं तक सीमित नहीं है बल्कि पुरुषों में भी इसने अपने पैर तेजी से पसारने शुरू कर दिए हैं। उन्होंने बताया कि पुरुषों को ब्रेस्ट में अगर बदलाव नजर आए तो उन्हें अनदेखा न करें। ब्रेस्ट में गांठ महसूस हो या निप्पल से किसी भी तरह का डिस्चार्ज हो तो तुरंत कैंसर स्पेशलिस्ट से मिलें और जांच कराएं। रेडिएशन के एक्सपोजर से कैंसर होने की आशंका बढ़ती है। शरीर में एस्ट्रोजन लेवल बढ़ने और बहुत ज्यादा शराब पीने से भी पुरुषों में कैंसर की संभावना बढ़ सकती है। शराब पीने से एस्ट्रोजन का स्तर बढ़ सकता है। एस्ट्रोजन सामान्य और कैंसरग्रस्त दोनों स्तन कोशिकाओं को बढ़ने में मदद करता है, जिससे कैंसर फैल जाता है। यही नहीं अगर परिवार में कैंसर का इतिहास रहा है तो महिलाओं की तरह पुरुषों को भी सजग रहना चाहिए।

वजन बढ़ने न पाए

वजन बढ़ना कई प्रकार की शारीरिक स्वास्थ्य जोखिमों का कारण माना जाता है। स्तन कैंसर का जोखिम भी उनमें से एक है। फैट टिशू की मात्रा अधिक होने के कारण एस्ट्रोजन हार्मोन का स्तर बढ़ने का खतरा रहता है। इसके कारण स्तन कैंसर विकसित होने का जोखिम हो सकता है। इसके अलावा अधिक वजन वाली महिलाओं में इंसुलिन का स्तर भी असंतुलित रहता है, जिससे डायबिटीज का खतरा हो सकता है।

सुविचार

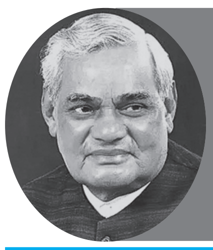

आदमी की पहचान उसके धन या पद से नहीं होती, उसके मन से होती है, मन की फकीरी पर तो कुबेर की संपदा भी रोती है।
– अटल बिहारी वाजपेयी, पूर्व प्रधानमंत्री

कानपुर के प्रमुख समाचार

- मुख्यालय के सामने ही फुटपाथ पर कब्जे- II
- शहर आई चरण सुहावे यात्रा, पवित्र जोड़े के दर्शन हुए- III
- उगा उगा हे सुरुज देव, भइल अरघिया के बेर- IV

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

खोदने से पहले एप पर डालें सड़क की सूचना

जलनिगम, पीडब्ल्यू, केस्को और मेट्रो इस एप का करेंगे उपयोग

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। एक ही सड़क को अलग-अलग कार्यों के लिए कई बार अब विभाग नहीं काट सकेंगे। शासन ने जलनिगम, पीडब्ल्यूडी, केस्को, मेट्रो, लोक निर्माण विभाग और केडीए को समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए हैं। रोड कटिंग को लेकर विभागों ने आपसी बैठक भी कर ली है। जिसके बाद मंगलवार को लोक निर्माण विभाग ने कार्य करने की नई प्लानिंग को सार्वजनिक कर दिया है। इसके तहत अब विभागों को सरकारी एप 'कॉल बिफोर यू डिग' का उपयोग करने के निर्देश दिए हैं। सड़क खोदने से पहले विभाग इसकी सूचना एप पर डालेंगे। जिससे एक ही समय में यदि दूसरे विभागों को वहां कार्य करना होगा तो लगेहाथ वह भी पूरा करेंगे।

शहर में अंडरग्राउंड पाइप लाइन, केबिल डालने व अन्य कार्य करने के लिए अलग-अलग विभाग संबसंधित सड़क के विभाग से एनओसी लेते हैं। कई बार होता है कि एक कार्य होने के बाद जैसे ही सड़क का निर्माण हुआ वैसे से दूसरा विभाग उसी सड़क पर एनओसी लेकर खोदाई शुरू कर देता है। इससे पैसे की बर्बादी के साथ ही जनता की मुसीबत बढ़ती रहती है। शहर में इसी चक्कर में कई प्रमुख सड़कें आज भी जनता को दर्द दे रही हैं। शासन ने इसी समस्या को दूर करने के लिए सभी अभियंत्रण विभागों को एक साथ बैठक कर समन्वय बनाने के निर्देश दिए थे। जिस क्रम में जलनिगम, पीडब्लूडी, केस्को, मेट्रो, लोक निर्माण विभाग और केडीए के अभियंताओं ने बैठक की है। लोक निर्माण विभाग के कानपुर क्षेत्र के मुख्य अभियंता रविदत्त कुमार ने मंगलवार को बैठक में लिए गए निर्णयों से नगर निगम मुख्य अभियंता को भी अवगत करा दिया है।

नीरक्षीर से डबल पुलिया की सड़क खराब है। अमृत विचार

साकेत नगर की खुदी सड़क।

जलनिगम ने कहा जल्द बनाएंगे सड़कें

केस्को के अधिशासी अभियन्ता ने बताया कि 2025-26 में रोड कटिंग से सम्बन्धित 12 मार्गों की एनओसी मिली है। इसमें एक कार्य पूरा किया गया है। दीपावली के बाद कार्य पूरा हो जाएगा। मेट्रो अधिकारियों ने बताया कि कम्पनी बाग से रावतपुर, काकादेव से डबल पुलिया, विजय नगर से बर्रा-8 तक मेट्रो द्वारा कार्य कराया गया है। जल निगम द्वारा पाइप लाइन डालने के चलते मार्ग क्षतिग्रस्त है। जल निगम को सड़क बनानी हैं। जूही से नौबस्ता तक कुछ जगह सड़क रेस्टोरेशन का कार्य हो गया है और कुछ जगह बाकी है। जलनिगम ने बताया कि 19 जगह रोड कटिंग का कार्य कराया जाना है, जिसमें 13 की एनओसी मिल गई। जल निगम ने कहा कि वह अपनी सड़कों को जल्द सही करा लेगा।

सिटी ब्रीफ

निरंकारी संत समागम 31 से 3 तक

कानपुर। संत निरंकारी मंडल के मीडिया सहयोगी संतोष गुप्ता ने बताया कि 31 अक्टूबर से 3 नवंबर तक समालखा (हरियाणा) में होने वाले 78वें निरंकारी संत समागम में कानपुर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त, रेल, बसों एवं स्वयं के साधनों से जाएंगे। मेम्बर इंचार्ज मोहन छाबड़ा ने बताया कि समागम की कानपुर में भी तैयारियां जोरों पर चल रही हैं।

बाल श्रम उन्मूलन पर कार्यशाला

कानपुर। बाल श्रम उन्मूलन के संकल्प के तहत तैयार राज्य कार्ययोजना के प्रभावी क्रियान्वयन तथा बाल श्रम उन्मूलन एवं पुनर्वासन की रणनीति निर्धारित करने के लिए 29 अक्टूबर को मण्डलीय कार्यशाला आयोजित की जाएगी। सहायक श्रमायुक्त ने बताया कि अध्यक्षता मण्डलायुक्त के विजयेन्द्र पडियन करेंगे। ये कार्यशाला आयुक्त सभागार, कानपुर मण्डल में प्रातः 10 :00 बजे से होगी।

पार्क में भर दी मिट्टी

कानपुर। वार्ड 14 जुही की पार्षद शालू कनौजिया ने मेट्रो मुख्य अभियंता को पत्र लिखकर शिकायत की हैकि मेट्रो की फर्म एफकॉन ने टनल खोदाई के दौरान निकली मिट्टी को स्वदेशी पार्क में भर दिया है।

सपना आता था, खुद मर जाओ या परिवार को मार दो

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कोहना में अजीब दिमागी उलझन से गुजर रहा होनहार 11वीं का छात्र ने फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। बहन की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल की। फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने मोबाइल के नोटपैड पर लिखा सुसाइड कब्जे में लिया है। छात्र ने लिखा था कि उसे सपने में कई लोगों की छवि दिखती हैं। कहती है कि खुद मर जाओ या अपने परिवार को मार दो। एकलौते बेटे की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया।

आरव मिश्रा।

पुराना कानपुर निवासी आलोक मिश्रा स्वास्थ्य सेवा से संबंधित काम करते हैं। परिवार में पत्नी दिव्या, बेटी मान्या और 16 वर्षीय एकलौता बेटा आरव था। आरव द जैन इंटरनेशल स्कूल से 11वीं का छात्र था और स्टेट लेवल का स्विमिंग खिलाड़ी था। हाईस्कूल में उसने 93 प्रतिशत अंक हासिल किया था। परिजनों ने बताया कि दीपावली से पहले आरव ने अपनी बहन को बताया था कि उसे सपने में कई लोगों की छवि दिखाई देती है। जो उससे कहती है कि पूरे परिवार को मार डालो या खुद मर जाओ। उसकी इन बातों को बहन ने गंभीरता से नहीं लिया। उसके बाद ही छठ की तैयारी शुरू हो गई और आरव के माता-पिता छठ पूजा के लिए भागलपुर चले गए। परिजनों के अनुसार सोमवार को मान्या कालेज गई थी। इस बीच घर पर उसकी दादी नीलम मिश्रा और कमरे में आरव अकेला था। देर शाम उसकी दादी ने आवाज दी तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। अनहोनी के संदेह पर उन्होंने पड़ोसियों की मदद से दरवाजा तुड़वाया तो पंखे के कुंडे से पोते आरव का शव लटकता देखकर चींख पड़ीं। मौके पर पहुंची पुलिस व फॉरेंसिक टीम ने जांच-पड़ताल की। पुलिस ने सुसाइड नोट वाला मोबाइल कब्जे में लिया है। जिसमें आरव ने अपने सपने का जिक्र किया है। मोबाइल के नोटपैड पर उसने लिखा है कि सपने में उसे कुछ लोगों की छवि दिखती है। जो कहती है कि अपने परिवार को मार डालो या खुद मर जाओ। कोहना थाना प्रभारी विनय तिवारी ने बताया कि छात्र ने आत्महत्या की है। मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

विधायिका नीलिमा कटियार को जानकारी देते परिजन। अमृत विचार

प्लीज चेक माई नोटिफाइड

- परिजनों के अनुसार आरव ने सुसाइड से पहले एक कागज पर लिखा था कि प्लीज चेक माई नोटिफाइड। उसके बाद उसके मोबाइल पर नोटपैड पर देखा गया तो उसके सपने, छवि दिखने और मारने वा मारने वाली बातों का जिक्र लिखा मिला। फॉरेंसिक टीम ने मोबाइल कब्जे में लेकर जांच शुरू की है।

उपराज्यपाल का परिचित है परिवार

- परिजनों के अनुसार आरव के पिता आलोक मिश्रा और जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के बीच मामा-भांजे का रिश्ता है। बीते दिनों शहर आने पर उप राज्यपाल ने घर पहुंचकर हालचाल जाना था। आरव से नाती का रिश्ता होने के कारण वह भी उनसे हिला था।

आज खुलेगा पुराने गंगापुल की मरम्मत के लिए टेंडर

कानपुर। 54 साल पुराने जाजमऊ गंगापुल की मरम्मत कराने के लिए बुधवार को टेंडर खोला जाएगा। यह टेंडर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के सर्किल ऑफिस लखनऊ में खोला जाएगा। इसके बाद नौ करोड़ रुपये से गंगा पुल की मरम्मत कराई जाएगी। बता दें कि दिल्ली से बीते वर्ष आई सीआरआरआई टीम ने अपनी रिपोर्ट में इस पुल की मरम्मत कराने की बात का जिक्र किया है, जिसके बाद इस पुल की मरम्मत कराने के संबंध में एनएचएआई ने तैयारी शुरू कर दी थीं। एनएचएआई ने जब पहली बार टेंडर डाले थे तो तब किसी कंपनी ने मरम्मत करने के संबंध में रुचि नहीं दिखाई थी। इसलिए दोबारा टेंडर डाला गया है, जो खुलेगा। एनएचएआई के परियोजना प्रबंधक पंकज यादव ने बताया कि काम शुरू कराने के लिए प्रशासन और ट्रैफिक पुलिस के साथ बैठक कर डायवर्जन किया जाएगा।

New DASTAK Classes
दस्तक, आपके सफलता की
The classes are known for preparing students for various exams like
SSC, BANK, UPSI, UPP
Address: Sharada Nagar Crossing No 9, Infront of Anurag Hospital, Kakadeo Kanpur Uttar Pradesh.
CONTACT: 7607780084, 7080270066
Vikash Pathak

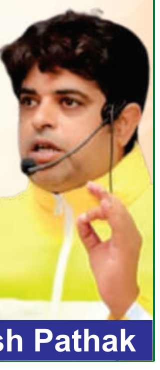

स्ट्रोक : दिमाग पर अटैक

सावधानी बरतें, जीवन बचाएं

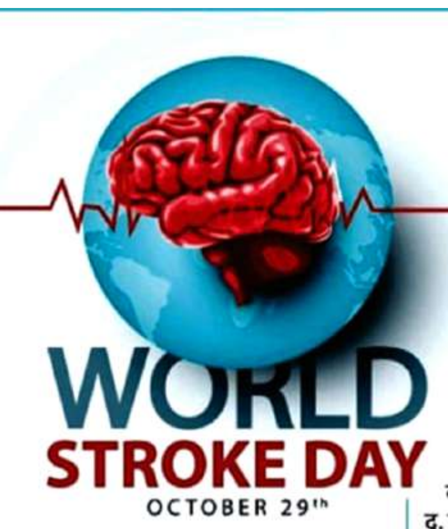

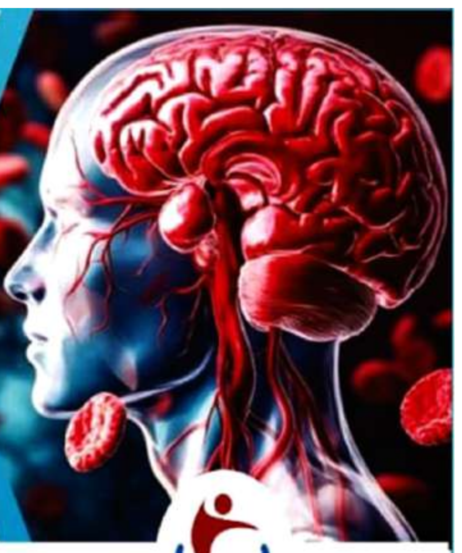

1. स्ट्रोक (ब्रेन अटैक) क्या है, इस संदर्भ में कौन सा कथन गलत है?
अ. एक ऐसी आपातकालीन मेडिकल कंडीशन, जिसमें मस्तिष्क की धमनी (ब्रेन आर्टरी) में रक्त की आपूर्ति अचानक अवरुद्ध हो जाती है या फिर धमनी या रक्तवाहिका फट जाती है।
ब. स्ट्रोक की गंभीर स्थिति में मस्तिष्क को रक्त की आपूर्ति न होने के कारण उसे ऑक्सीजन नहीं मिल पाती, जिसके परिणामस्वरूप दिमाग की कोशिकाएं (न्यूरॉन्स) मृत होने लगती हैं और मरीज 'कोमा' में जा सकता है।
स. स्ट्रोक, दिल का दौरा पड़ने (हार्ट अटैक)की गंभीर स्थिति है, जिसका दुष्प्रभाव मस्तिष्क पर भी पड़ता है। ऐसी स्थिति में एंजियोप्लास्टी या बाईपास की जरूरत पड़ सकती है
द. अगर समय रहते स्ट्रोक से पीड़ित का उपयुक्त अस्पताल में न्यूरो फिजिशियन और न्यूरो सर्जन की देखरेख में इलाज नहीं कराया गया तो यह स्थिति उसके लिए जानलेवा बन सकती है

2. स्ट्रोक (ब्रेन अटैक) के कितने प्रकार होते हैं?
अ. इस्केमिक स्ट्रोक
ब. हेमोरेजिक स्ट्रोकस. ट्रांजियंट इस्केमिक अटैक (टीआईए)
द. उपर्युक्त विकल्प सही हैं

3. इस्केमिक स्ट्रोक क्या है?
अ. इस्केमिक स्ट्रोक में मस्तिष्क की धमनियों में अचानक रक्त का प्रवाह अवरुद्ध हो जाता है। ऐसी स्थिति में मस्तिष्क में रक्त का संचार नहीं हो पाता, जिसके परिणामस्वरूप मस्तिष्क की कार्यप्रणाली ठप हो जाती है।
ब. मस्तिष्क में रक्त स्राव (ब्लीडिंग) होने लगती है, जिसके परिणामस्वरूप व्यक्ति बेहोश हो जाता है।
स. ऐसे स्ट्रोक में दिमाग की नस फट जाती है।
द. उपर्युक्त विकल्प गलत हैं।

4. हेमोरेजिक स्ट्रोक के बारे में कौन सा कथन गलत है?
अ. ब्रेन हेमरेज भी कहा जाता है हेमोरेजिक स्ट्रोक को
ब. हेमोरेजिक स्ट्रोक में दिमाग की रक्तवाहिका फट जाती है।
स. ऐसे स्ट्रोक के मरीजों में हार्ट अटैक का खतरा भी बढ़ जाता है
द. पीड़ित व्यक्ति के लकवाग्रस्त होने का खतरा बढ़ जाता है।

5. ट्रांजियंट इस्केमिक अटैक (टीआईए) क्या है?
अ. टीआईए में मस्तिष्क की धमनियों में रक्त संचार अचानक कुछ समय (लगभग 1 घंटे से कम) के लिए बाधित हो सकता है। इस दौरान व्यक्ति असामान्य और असहज महसूस करता है,
ब. लगभग एक घंटे के बाद ये लक्षण स्वतः दूर हो जाते हैं। इसका मतलब यह नहीं कि मरीज की समस्या दूर हो गई।
स. टीआईए खतरे की घंटी है, जो यह सूचित करती है कि मरीज शीघ्र न्यूरो विशेषज्ञ से परामर्श लें।
द. उपर्युक्त विकल्प सही हैं।

6. स्ट्रोक के लक्षणों के संदर्भ में भी वी फास्ट (BE FAST) से क्या आशय है?
अ. बी से आशय संतुलन या बैलेंस (Balance) बिगड़ने से है। स्ट्रोक की स्थिति में शरीर का संतुलन बिगड़ जाता है। व्यक्ति न तो खड़े होने की स्थिति में होता है और न ही बैठने की। इसी तरह ई (Eyes) या आंखों में धुंधलापन छाने लगता है।
ब. एफ यानी फेस (Face) चेहरे में तिरछापन आ सकता है या फिर चेहरा टेढ़ा हो जाता है। ए यानी आर्म्स या बांहों में कमजोरी आ जाती है और उन्हें ऊपर या नीचे उठाने में दिक्कत महसूस होती है। एस से स्पीच या बोलना। पीड़ित व्यक्ति को बोलने में दिक्कत महसूस होती है।
स. टी से आशय टाइम यानी समय महत्वपूर्ण है। शीघ्र ही पीड़ित व्यक्ति को समुचित व्यवस्था वाले अस्पताल ले जाएं।
द. उपरोक्त सभी विकल्प स्ट्रोक के लक्षणों के संदर्भ में सही हैं

7. स्ट्रोक के संदर्भ में 'गोल्डन ऑवर्स' का मतलब क्या है?
अ. स्ट्रोक के लक्षणों के सामने आने पर मरीज को उसके परिजनों द्वारा 24 घंटे के अंदर डॉक्टर को दिखाकर दवाएं देते रहना
ब. स्ट्रोक से पीड़ित व्यक्ति को अगर साढ़े 4 घंटे और कुछ विशेषज्ञों के अनुसार 3 घंटे के अंदर न्यूरोलॉजिस्ट व न्यूरोसर्जन से युक्त अस्पताल में समुचित चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो जाती हैं तो इस अवधि को गोल्डन ऑवर कहा जाता है।
स. मरीज को बोलने में दिक्कत होने से पहले ही उसे डॉक्टर के पास ले जाना
द. व्यक्ति के चेहरे में तिरछापन आने से पहले मरीज को अस्पताल में भर्ती करवाना

8. स्ट्रोक का जोखिम किन कारणों से बढ़ता है?
अ. अक्सर अनियंत्रित उच्च रक्तचाप रहना
ब. तनाव का प्रबंधन नहीं कर पाना
स. ब्लड शुगर का अक्सर अनियंत्रित रहना।
द. ऊपर लिखित सभी विकल्प सही हैं

9. क्या धूम्रपान और शराब की तलब इस रोग के खतरे को बढ़ा सकती है?
अ. हां, धूम्रपान और शराब पीने की रोजाना की तलब, तलबगार को उच्च रक्तचाप का शिकार बना सकती है, जो कालांतर में स्ट्रोक के जोखिम को बढ़ाती है।
ब. नहीं धूम्रपान और शराब की लत स्ट्रोक के जोखिम को नहीं बढ़ाती।
स. इस संदर्भ में शोध-अध्ययन जारी हैं। इसलिए कुछ कहा नहीं जा सकता।
द. ऊपर लिखित सभी विकल्प गलत हैं

10. स्ट्रोक का इलाज करने वाले विशेषज्ञ डॉक्टर को क्या कहते हैं?
अ. न्यूरोलॉजिस्ट, किंतु सर्जरी की जरूरत पड़ने पर न्यूरो सर्जन की मदद ली जाती है
ब. कार्डियोलॉजिस्ट
स. एंडोक्राइनोलॉजिस्ट
द. रूमेटोलॉजिस्ट

11. स्ट्रोक का पता लगाने के लिए प्रमुख रूप से कौन सी जांच करते हैं?
अ. एक्स-रे
ब. अल्ट्रासाउंड
स. सीटी स्कैन और एमआरआई
द. उपरोक्त में कोई नहीं

12. स्ट्रोक के इलाज के संदर्भ में कौन सा कथन गलत है?
अ. जिन पीड़ितों के मस्तिष्क में अधिक मात्रा में रक्तस्राव हुआ या फिर जिनमें खून के थक्के बड़े हैं या फिर जिनके दिमाग में सूजन बहुत आ चुकी है, ऐसी स्थिति में न्यूरो सर्जरी ही एकमात्र विकल्प है। अगर मस्तिष्क की धमनी में अवरोध है या फिर थक्कों के कारण बहुत ज्यादा प्रेशर है तो इस समस्या को करने में डीकंप्रेसिव क्रेनियोटॅमी प्रोसीजर का इस्तेमाल किया जाता है।
ब. मैकेनिकल थॉम्बेक्टॅमी, जो इस्केमिक स्ट्रोक का यह आधुनिक और काफी हद तक कारगर इलाज है। इस सर्जिकल प्रोसीजर के जरिए एक 'कैथेटर' डालकर रक्त के थक्कों(ब्लड क्लॉट्स) को हटा देते हैं। इस प्रकार मस्तिष्क की धमनियों में आए अवरोध (ब्लॉकेज) को दूर कर देते हैं।
स. क्वायलिंग नामक मेडिकल प्रोसीजर का हेमोरेजिक स्ट्रोक के इलाज में इस्तेमाल किया जाता है। इस प्रक्रिया में मस्तिष्क के जिस भाग में नस के फटने से रक्तस्राव या रक्त के थक्के (ब्लड क्लॉट्स) जमे हैं, उन्हें दूर किया जाता है।
द. स्ट्रोक के इलाज में एंजियोप्लास्टी की जरूरत पड़ सकती है जिससे धमनियों के अवरोध को दूर किया जाता है।

13. कैसे बचाव किया जा सकता है स्ट्रोक से?
अ. अपनी उम्र और शारीरिक क्षमता के अनुसार नियमित रूप से व्यायाम करें। इस संदर्भ में फिटनेस एक्सपर्ट से परामर्श लेना बेहतर रहेगा।
ब. खानपान में मौसमी फलों और सब्जियों को वरीयता दें। जंक फूड्स और अत्यधिक चिकनाई युक्त ऑयली वस्तुओं से परहेज कर मोटापे से बचें।
स. डॉक्टर से परामर्श लेकर अपने रक्तचाप को नियंत्रित रखें। जो लोग मधुमेह (डायबिटीज) से ग्रस्त हैं,वे अपने ब्लड शुगर को नियंत्रित रखें।
द. उपर्युक्त सभी विकल्प सही हैं

14. आमतौर पर स्ट्रोक किस आयु में ज्यादा होता है?
अ. स्ट्रोक का जोखिम 55 वर्ष की आयु के बाद काफी बढ़ जाता है। 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में स्ट्रोक का खतरा बहुत ज़्यादा होता है।
ब. किसी भी उम्र में हो सकता है।
स. इस संदर्भ में कुछ कहा नहीं जा सकता
द. उपर्युक्त सभी विकल्प गलत हैं

15. क्या कोलेस्ट्रॉल का बढ़ा हुआ स्तर स्ट्रोक का कारण बन सकता है?
अ. नहीं, बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल के स्तर से स्ट्रोक का कोई संबंध नहीं है
ब. हां, बढ़ा हुआ कोलेस्ट्रॉल स्ट्रोक का एक प्रमुख कारण बन सकता है। जब आपके रक्त में कोलेस्ट्रॉल का स्तर ज़्यादा हो जाता है, तो यह रक्त वाहिकाओं में जमा हो जाता है, जिससे प्लाक बनता है। यह प्लाक रक्त प्रवाह को मुश्किल बना सकता है और जब यह टूटकर अलग हो जाता है, तो एक थक्का (क्लाट) बना सकता है जो मस्तिष्क तक जाने वाली रक्त वाहिका को अवरुद्ध कर सकता है, जिससे स्ट्रोक आ सकता है।
स. इस संदर्भ में शोध व अनुसंधान जारी हैं। इसलिए कुछ कहा नहीं जा सकता
द. उपर्युक्त सभी विकल्प गलत हैं

सिलसिलेवार उत्तर :
1.स, 2.द, 3.अ, 4.स, 5. द, 6. द, 7. ब., 8. द, 9. अ, 10. अ, 11. स, 12. द, 13. द, 14. अ, 15. ब

डिस्क्लेमर - विशेषज्ञ डॉक्टर स्ट्रोक से संबंधित उपरोक्त क्विज का निरीक्षण करने और उसमें संशोधन करने के लिए स्वतंत्र हैं

KNOW THE SIGNS OF STROKE

द पनेशिया
ए मल्टी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल एण्ड सेंटर फॉर न्यूरोसाईन्सेस
Come Home to Wellness...
117/473, एल-ब्लॉक, काकादेव, कानपुर

पनेशिया डायग्नोस्टिक्स
13/56-बी, स्वरूप नगर, कानपुर

दि पनेशिया पैरामेडिकल साइन्स एवं नर्सिंग इंस्टीट्यूट
329, लखनपुर (सेल्स टैक्स रोड), कानपुर

डॉ विकास शुक्ला
MS, M.Ch (Neuro Surgery), Brain & Spine Surgeon
Contact:
• Panacea Hospital
7897997632, 9889556689, 7897997631
• Panacea Diagnostics
8400502121, 8400503131
• The Panacea Paramedical Science & Nursing Institute
7080800128, 9935266953, 8604810251
Media Solution Intiative

सिटी ब्रीफ

गुरुदेव चौकी इंचार्ज निलंबित

कानपुर। रावतपुर में एलएलबी छात्र पर जानलेवा हमले के बाद उसी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर लेने और लापरवाही बरतने के मामले में गुरुदेव चौकी इंचार्ज सचिन भाटी को निलंबित कर दिया गया है। एडीसीपी पश्चिम कपिल देव सिंह की रिपोर्ट पर यह कार्रवाई की गई है। एक मेडिकल स्टोर पर दवा लेने गए एलएलबी छात्र का दवा के रेट को लेकर विवाद हो गया था। इस पर मेडिकल स्टोर संचालक ने अपने साथी के साथ मिलकर उस पर चापड़ से हमला कर दिया था। जिससे छात्र की दो अंगुलियां कट गई थीं और पेट फटने से आंतें बाहर निकल आई थीं। इसके बावजूद पुलिस ने उसी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली थी। इसके अलावा अगले दिन मेडिकल स्टोर पर लगे सीसी कैमरे से फुटेज भी गायब पाए गए थे। डीवीआर भी गायब कर दिया गया था। इन सब मामलों में गुरुदेव चौकी इंचार्ज सचिन भाटी की लापरवाही सामने आई थी।

नशेबाजी में विवाद लूट का आरोप

कानपुर। हनुमंत विहार में नशेबाजी को लेकर बीते शुक्रवार को दो पक्षों में हुए विवाद के बाद क्रास रिपोर्ट दर्ज हुई है। लूट का भी आरोप लगाया है। बसंत विहार निवासी अरविंद सिंह यादव ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि शाम को मोहल्ले का डॉ. विवेक सक्सेना पार्क में कुछ लोगों के साथ शराब पी रहा था। विरोध पर उसके साथी मोहक गुप्ता व अन्य आए और उसके घर में घुसकर मारपीट की। जाते समय दो हजार रुपये भी लूट ले गए। वहीं विवेक सक्सेना ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह घर पर बनी क्लीनिक में थे। तभी बेटे हर्ष ने फोन कर बताया कि कुछ लोग पार्क में उसके साथ कहासुनी कर रहे हैं। इसके बाद वह मौके पर पहुंचे और वहां खड़े प्रवीण यादव, अरविंद यादव, जीतू व दिलीप को समझाने का प्रयास किया। तभी सभी मिलकर मारपीट करने लगे और गले से सोने की चेन तोड़ ली। कार के शीशे तोड़ दिए। पुलिस ने बताया कि आरोपी की जांच की जा रही है।

कोचिंग करने आया किशोर लापता

कल्याणपुर। हमीरपुर के उधना गांव निवासी 17 वर्षीय सूर्य प्रताप सिंह उर्फ रिषभ कोचिंग करने के लिए कानपुर आया था। रिषभ रावतपुर के कृष्णपुरी में किराए पर कमरा लेकर अपने साथी विवेक पाल के साथ रह रहा था। रविवार रात रिषभ अपनी मौसी के घर जाने की बात कह कर कमरे से ट्रॉली बैग के साथ निकला था, जो वापस नहीं लौटा। पिता सुरेंद्र की तहरीर पर पुलिस ने किशोर की गुमशुदगी दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

युवती के दरवाजे पहुंचे शोहदे को भेजा जेल

कल्याणपुर। पनकी के रतनपुर में प्यार का इजहार करने युवती के दरवाजे पहुंचे शोहदे अंकित राठौर ने परिजनों के विरोध करने पर उनके साथ गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दे डाली। शोर शराबा सुनकर एकत्रित हुए पड़ोसियों को अपनी ओर आता देख अंकित वहां से भाग निकला। आरोप है कि अंकित पिछले काफी समय से युवती को परेशान कर रहा था। पनकी थाना प्रभारी मनोज सिंह भदौरिया ने बताया कि आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

मुख्यालय के सामने ही फुटपाथ पर कब्जे

नगर निगम की लापरवाही से शहर भर में यही हाल, नगर आयुक्त ने फुटपाथ खाली कराने के दिए निर्देश

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

नगर निगम के सामने मोतीझील में सड़क तक लगा झूला।

अमृत विचार। नगर निगम पर पूरे शहर को व्यवस्थित रखने की जिम्मेदारी है। लेकिन, जब विभाग की आंखों के सामने ही नियमों की धज्जियां उड़ाई जाएं तो क्या ही कहने हैं। नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने मंगलवार को भले ही पूरे शहर में फुटपाथ को खाली करने के निर्देश दिए हैं। लेकिन, खुद विभाग के मुख्यालय के सामने फुटपाथ पर कब्जा है। चारों ओर अवैध वेंडर दुकानों को लगाए हैं तो वहीं, झूला संचालकों ने तो फुटपाथ के साथ ही रोड तक घेर ली है। जिससे चौड़ी सड़क आधी रह गई है। इससे आम राहगीरों को चलने में दिक्कत होती है।

सुप्रीम कोर्ट ने पैदल यात्रियों की सुरक्षा के लिए देश भर में फुटपाथों का सुरक्षा ऑडिट कराने का आदेश दिया है। इसका उद्देश्य फुटपाथों की स्थिति का आकलन करना और पैदल चलने वालों के लिए सुरक्षित वातावरण बनाना है। अदालत ने फुटपाथों पर अतिक्रमण रोकने के भी निर्देश दिए हैं, जिससे सड़क दुर्घटनाओं को कम किया जा सके। लेकिन, शहर में पॉश इलाकों, बाजारों, यहां तक गली मोहल्लों तक के फुटपाथ पर कब्जा है। यहां अवैध रूप से दुकानें संचालित हो रही हैं। शाम होते ही यह दुकानें फुटपाथ से सड़क तक आ जाती हैं। इससे जाम के साथ ही पैदल चलने वालों के लिए समस्या खड़ी हो जाती है। नगर निगम क्षेत्र के मोतीझील में तो आम आदमी चल ही नहीं सकता है। यहां कारगिल पार्क के बाहर, लाजपत भवन के सामने, मोतीझील लॉन के सामने व नगर निगम, केडीए के आस-पास फुटपाथ पर आस्थाई अतिक्रमण ने फुटपाथ को लील लिया है। शाम को तो यहां सड़क भी ब्लॉक करनी पड़ती है। जिससे लंबा जाम लगता है। कई बार तो अशोक नगर से मोतीझील चौराहा जाने वालों को जाम की वजह से रास्ता तक बदलना पड़ता है।

डीएम की सख्ती पर नगर आयुक्त ने दिए आदेश

- फुटपाथ पर बढ़ते कब्जे पर कोर्ट की सख्ती के बाद डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने भी सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने आदेश जारी किए हैं कि शहर के फुटपाथ को खाली कराया जाए। इसको लेकर नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने अपने जोन के अभियंता और जोनल अधिकारियों को फुटपाथ को चिह्नित कर 7 दिन में कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

- अभियंता और जोनल अधिकारियों को 7 दिन में कार्रवाई के आदेश

माल रोड में अवैध विज्ञापन को हटाते नगर निगम कर्मचारी। अमृत विचार

अवैध विज्ञापन हटाने का अभियान

कानपुर। शहर में अवैध विज्ञापनों के खिलाफ नगर आयुक्त ने सख्ती बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। मंगलवार को विज्ञापन हटाने के निर्देश के तुरंत बाद नगर निगम अधिकारी व कर्मचारी सड़कों पर निकले। इस दौरान निगम सीमा के विभिन्न जोनों से कुल 800 अवैध विज्ञापन पटलों को हटाया गया, जिसमें प्रमुख रूप से 650 बैनर, 65 बिल बोर्ड और 85 रोड साइड फ्लेक्स हटाए गए।

नगर निगम क्षेत्र की सड़कों, चौराहों, विद्युत खंभों, सार्वजनिक भवनों एवं हरित पट्टियों पर अनाधिकृत रूप से लगाए गए विज्ञापनों को हटाकर शहर की सुव्यवस्थित करने के निर्देश नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने दिए हैं। नगर निगम जनसंपर्क विभाग ने बताया कि 01 अप्रैल से 28 अक्टूबर तक नगर निगम सीमा में कुल 96,775 अवैध विज्ञापन पटलों को हटाया जा चुका है। जिसमें 81,107 बैनर, 7,942 फ्लेक्स बोर्ड, 7,163 रोड साइड बैनर, 10 यूनिपोल, 75 होर्डिंग, 415 स्टिकर हटाए गए। अभियान के दौरान विज्ञापन नियमों के उल्लंघन पर 3,51,535 रुपये की वसूली भी नगर निगम ने की है। नगर आयुक्त ने क्रिस्टल पार्किंग परेड में लगी बड़ी-बड़ी होर्डिंग्स को भी हटाने के निर्देश दिए हैं।

सीवर लाइन डालने के विरोध में गोविंद नगर बाजार बंद

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। गोविंद नगर में सीवर लाइन डालने के विरोध में भगत सिंह मार्केट व गोविंद नगर बाजार बंद रहा। व्यापारियों ने जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह से मुलाकात की और उनको मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन दिया। इसपर जिलाधिकारी ने मामला संज्ञान लेकर जल निगम के महाप्रबंधक से कार्य की रिपोर्ट मांगी।

भगत सिंह मार्केट, गोविंद नगर के अध्यक्ष राकेश पाटनी ने जिलाधिकारी को बताया कि गोविंद नगर बाजार में एक सीवर लाइन आठ फीट चौड़ी व आठ फीट गहरी है, जो सुचारू रूप से चल भी रही है। गोविंद नगर में पानी भरने की समस्या, जो बीते कुछ वर्षों पहले थी, वह अब नहीं है। वर्तमान में बाजार के बीचों-बीच एक गहरी पाइपलाइन से सीवर लाइन डाले जाने का प्रावधान है, जिसकी अभी यहां पर कोई आवश्यकता नहीं है। व्यापारी अमित बत्रा, पम्मी खालसा, मनीष कपूर, देशपाल हांडा, गुलाब भोजवानी, मनीष वसंदानी, ललित जसलानी व मन्नू भवरानी ने कहा कि विकास जनता के मूल रूप आवश्यकताओं को देखकर कराया जाए। वर्तमान में जो प्रशासन की तरफ से लगभग तीन करोड़ रुपये की सीवर लाइन डालने की योजना अनावश्यक है व सरकारी कोष का दुरुपयोग है। इससे महीनों तक बाजार का कारोबार बंद रहेगा जिससे भारी नुकसान होगा। भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के प्रदेश अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्र व जिलाध्यक्ष गुरुजिंदर सिंह ने कहा कि तय हुआ कि भगत सिंह मार्केट गोविंद नगर के व्यापारी कल से यह ज्ञापन मुख्यमंत्री को सीधे उनकी ईमेल आईडी पर भी भेज कर उन तक यह मामला पहुंचाएंगे।

डीएम को ज्ञापन देते गोविंदनगर के व्यापारी। अमृत विचार

राष्ट्रीय कांफ्रेंस की जानकारी देते डॉ. जीडी यादव, साथ में डॉ. प्रेमशंकर, डॉ. आरके जौहरी, डॉ. विकास कटियार। अमृत विचार

प्रदेश में पहली बार कॉफ्रेंस में आएंगे 2000 सर्जन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- सर्जन एसोसिएशन व जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज आयोजित करेगा कॉफ्रेस

अमृत विचार। जटिल सर्जरी को सरल बनाने, रोबोटिक सर्जरी, लेजर विधि समेत छह प्रकार की विधाओं के संबंध में डॉक्टरों को प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से प्रदेश में पहली बार राष्ट्रीय कॉफ्रेंस का आयोजन छह नवंबर से नौ नवंबर तक होगा। जिसमें न सिर्फ उत्तर प्रदेश से, बल्कि उत्तराखंड, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, पंजाब, चेन्नई, बिहार समेत देश के अन्य राज्यों से करीब 2000 विशेषज्ञ सर्जन उत्तर प्रदेश सर्जिकल एसोसिएशन के स्वर्ण जयंती सम्मेलन में शामिल होंगे और तकनीकों के संबंध में प्रशिक्षण देंगे।

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में सर्जरी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.जीडी यादव ने जीएसवीएमएस पीजीआई में बैठक की, जिसमे उन्होंने बताया कि ऐसा पहली बार हुआ है कि किसी सम्मेलन में एक हजार सर्जनों ने पंजीकरण कराया है। सम्मेलन में देशभर से 2000 सर्जनों के आने की संभावना है। छह नवंबर को प्री कॉफ्रेंस वर्कशॉप पीएमएसएसवाई ब्लाक में आयोजित की जाएगी, जिसमें विशेषज्ञ सर्जन नई तकनीकों व शोध अनुभव का प्रदर्शन करेंगे। यह कार्यशाला युवा सर्जनों के लिए सीखने और संवाद का उत्कृष्ट मंच प्रदान करेगी। सात से लेकर नौ नवंबर तक वरिष्ठ सर्जन लाइव सर्जरी कर नई तकनीकों के बारे में प्रशिक्षित करने का काम करेंगे, जिसमे मुख्य रूप से हर्निया, पेट से संबंधित बीमारी और सुपर स्पेशलिटी से जुड़े जटिल मामलों पर चर्चा होगी। एंडोस्कोपी पेट में डालकर परीक्षण की प्रक्रिया को प्रदर्शित किया जाएगा। इसके अलावा लेजर सर्जरी की नई तकनीकों पर भी जानकारी दी जाएगी। बताया कि कार्यक्रम में रोबोटिक सर्जरी का भी प्रदर्शन होगा, जिसमें मंत्रा रोबोटिक सिस्टम की मदद से सर्जरी की बारीकियां सिखाई जाएंगी। कैडवर पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। वहीं, मौजूद डॉक्टरों को इस बात की जानकारी अवगत कराई जाएगी कि सर्जन को अल्ट्रासाउंड करना आना कितना महत्वपूर्ण है। इसलिए सम्मेलन में अल्ट्रासाउंड प्रशिक्षण कार्यशाला भी होगी। इस दौरान डॉ. प्रेम शंकर, डॉ.आरके जौहरी, डॉ.विकास कटियार, डॉ.गोविंद त्रिवेदी, डॉ.युक्तेश्वर मिश्रा, डॉ.शिवांशु मिश्रा, डॉ.प्रियेश शुक्ला समेत जेआर मौजूद रहे।

बंद मकान का ताला तोड़कर नकदी व जेवर चोरी

कानपुर। चकेरी में गांधीग्राम में चोर बंद मकान का ताला तोड़कर नकदी व जेवर समेत स्कूटी चोरी कर ले गए। लौटने पर चोरी की जानकारी हुई। उन्होंने रिपोर्ट दर्ज कराई है।

विनोबा नगर के गांधीग्राम निवासी आनंद जायसवाल ने बताया कि बीती 22 अक्टूबर को वह अपनी मां को लेकर सुल्तानपुर गांव गए थे। घर पर मुख्य दरवाजे में सेंट्रल लॉक के साथ ताला भी लगाया था। चोरों ने बंद मकान देखकर निशाना बनाया। मकान में कूदे चोर ताला तोड़कर अलमारी में रखे 28 हजार रुपये, जेवर, स्कूटी और गृहस्थी का सामान समेत करीब चार लाख का माल ले गए हैं। आनंद के अनुसार वह 25 अक्टूबर को जब गांव से लौटे तो मकान का ताला टूटा देखकर चोरी का पता चला। पुलिस ने जांच कर कैमरे खंगाले।

संस्था ने कल्लूपुरवा गांव में कपड़े बांटे। अमृत विचार

पीड़ितों को बांटे कपड़े

कानपुर। गंगा बैराज के पास कल्लूपुरवा गांव में आग से सब कुछ तबाह हुए परिवारों को जीवन संकल्प सेवा लक्ष्य फाउंडेशन ने उनके परिवारों के सभी लोगों के लिए कपड़ों की व्यवस्था किया। संस्था के अध्यक्ष रोहित मिश्रा ने बताया कि कानपुर या आसपास किसी भी क्षेत्र में यदि कोई अप्रिय घटना या आग लग जाती है तो वहां पर लोगों से जमा किए हुए कपड़ों को इकट्ठा करके घटनास्थल पर उपलब्ध करा दिया जाता है। जिससे जरूरतमंदों के पास वह कपड़े पहुंच जाते हैं। इस कार्य में संस्था के शिवानी दीक्षित, राघवेंद्र शुक्ला और आयुष कश्यप मौजूद रहे।

किसान की हत्या में दो सुपारी किलर गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- जेके कैंसर परिसर में चाकुओं से गोदकर की थी हत्या, दामाद ने दी थी सुपारी
- पत्नी का इलाज कराने आया था किसान, तीसरे आरोपी की तलाश में पुलिस

अमृत विचार। सुपारी लेकर औरैया के किसान की हत्या करने वाले दो आरोपियों को स्वरूपनगर पुलिस ने गिरफ्तार कर आलाकत्ल चाकू बरामद किया है। डीसीपी सेंट्रल श्रवण कुमार सिंह ने बताया किसान के दामाद ने ही पांच लाख रुपये में हत्या की सुपारी दी थी। जिसे पुलिस पहले ही जेल भेज चुकी है। हत्यारोपियों के फरार तीसरे साथी की तलाश की जा रही है।

मूलरूप से औरैया के बहादुरपुर सहार निवासी किसान राजकुमार सिंह राजावत की पत्नी अनीता देवी चेस्ट इंफेक्शन से पीड़ित हैं। अनीता के इलाज के लिए राजकुमार ने करीब दो माह पूर्व उन्हें मुरारी लाल चेस्ट हॉस्पिटल में भर्ती कराया था। देखरेख के लिए राजकुमार भी उनके साथ रह रहे थे। परिवार में बेटी

पुलिस की गिरफ्त में हत्यारोपी। अमृत विचार

नम्रता और बेटा विशाल हैं। डीसीपी सेंट्रल ने बताया कि 10 दिन पहले राजकुमार की जेके कैंसर परिसर में चाकू से गोदकर हत्या की गई थी। जांच के दौरान संदेह होने पर नम्रता के पति बिधूना रतनपुर बंथरा निवासी मोहित तोमर को पूछताछ के लिए पकड़ा गया तो उसने पूरी वारदात कबूली। उसने बताया कि 11 साल पहले उसकी शादी नम्रता से हुई थी। बाद में पता चला कि पत्नी के तीन लोगों से प्रेम संबंध हैं। जब विरोध किया तो आएदिन विवाद होने लगा। उसने ससुर राजकुमार से शिकायत की तो उल्टा उसे ही जेल भिजवाने की धमकी दी। इसके बाद उसने हत्या की योजना बनाई और बिधूना के बंथरा निवासी रिषभ उर्फ बाबू सिंह और कन्हैया कुमार को पांच लाख में सुपारी दी। हत्या में उनक एक और साथी प्रिंस दुबे भी शामिल था।

डीसीपी सेंट्रल के अनुसार दामाद मोहित तोमर को जेल भेजने के बाद पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी। सर्विलांस और कैमरों की मदद से रिषभ व कन्हैया को हैलट नहरिया से गिरफ्तार किया गया। उनकी निशानदेही पर आलाकत्ल बरामद किया है। तीसरे आरोपी प्रिंस की तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार ससुर के बाद मोहित का प्लान पत्नी को भी वाहन से कुचलवाकर मारना था।

बुजुर्ग की संदिग्ध दशा में मौत, हत्या का आरोप

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- पड़ोसी के घर चाय पीने से बिगड़ी थी हालत, उर्सला में गई जान
- मकान के विवाद में पड़ोसी पर जहरीला पदार्थ पिलाने का आरोप

अमृत विचार। नवाबगंज में संदिग्ध हालात में बुजुर्ग की मौत हो गई। परिजनों ने पड़ोसी और उसके घरवालों पर हत्या का आरोप लगाया है। आरोप है कि पड़ोसी से मकान का विवाद चल रहा है। उसी सिलसिले में बातचीत के दौरान आरोपी ने चाय में जहरीला पदार्थ पिला दिया। जिससे हालत गंभीर होने पर उर्सला में भर्ती कराया। जहां बुजुर्ग की मौत हो गई। पुलिस जांच कर रही है।

मूलरूप से हरिद्वार निवासी 71 वर्षीय राजेंद्र नाथ जलोटा शुगरमिल में सुपरवाइजर थे। नवाबगंज निवासी उनके बड़े भाई गोपी नाथ ने बताया कि वह अविवाहित थे और अस्वस्थ होने के कारण कई सालों से उनके साथ ही रह रहे थे। आरोप है कि कई सालों से उनका पड़ोसी से मकान को लेकर विवाद चल रहा है। उसी सिलसिले में करीब एक सप्ताह पहले पड़ोसी ने बातचीत करने के लिए भाई को बुलाया था।

पड़ोसी के ही घर में बैठकर राजेंद्र बातचीत कर रहे थे, तभी उन्हें चाय पिलाई गई। आरोप है कि चाय पीते ही उनकी हालत बिगड़ने लगी। इस पर तत्काल उर्सला अस्पताल ले गए। जहां इलाज के दौरान सोमवार रात उनकी मौत हो गई। परिजनों ने चाय में जहरीला पदार्थ पिलाकर हत्या का आरोप लगाया है।

नवाबगंज थाना प्रभारी केशव तिवारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में वृद्ध की बीमारी से मौत होने की बात सामने आई है। बुजुर्ग की हालत पड़ोसी के घर में ही बिगड़ी थी, इसलिए जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों की तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

वर्ल्ड स्ट्रोक दिवस | भागदौड़ भरी जिंदगी में 30 से 40 वर्ष के युवाओं में भी इसके मामले तेजी से बढ़ रहे हैं

नींद की कमी से बढ़ जाता ब्रेन स्ट्रोक का खतरा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। भागदौड़ भरी जिंदगी में अगर आप पर्याप्त नींद नहीं लेते हैं, तनाव या रात को देर तक जागकर मोबाइल या लैपटाप का इस्तेमाल करते हैं तो सावधान रहने की जरूरत है। नींद की कमी की वजह से न सिर्फ व्यक्ति उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, मधुमेह, मोटापा और अवसाद ग्रस्त हो सकता है, बल्कि रक्त के थक्के बनने की आशंका बढ़ जाती है। पर्याप्त नींद न लेने से मस्तिष्क की कार्यप्रणाली प्रभावित होती है और स्लीप एपनिया व ब्रेन स्ट्रोक का जोखिम काफी बढ़ जाता है। इसलिए लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 29 अक्टूबर को वर्ल्ड स्ट्रोक दिवस मनाया जाता है।

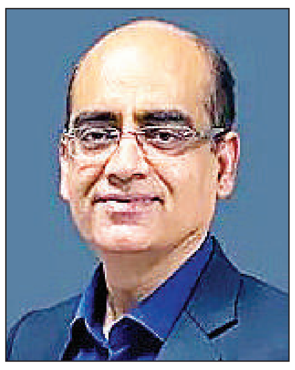

डॉ. विकास शुक्ला। अमृत विचार

डॉ. मनीष सिंह। अमृत विचार

जीएसवीएसएस पीजीआई के नोडल डॉ.मनीष सिंह ने बताया कि वर्ल्ड स्ट्रोक डे मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों को ब्रेन स्ट्रोक के गंभीर खतरों और लक्षणों के प्रति जागरूक करना है। स्ट्रोक दुनिया भर में मृत्यु और विकलांगता के प्रमुख कारणों में से एक है, लेकिन यदि इसके शुरुआती संकेतों को स्ट्रोक के पहले 60 मिनट के भीतर पहचान लिया जाए तो मरीज की जान बचाई जा सकती है और दीर्घकालिक क्षति को कम किया जा सकता है। स्ट्रोक अब हाई बीपी, डायबिटीज और अनियंत्रित जीवनशैली के कारण यह समस्या सिर्फ बुजुर्गों तक सीमित नहीं रही है, बल्कि 30 से 40 वर्ष के युवाओं में भी इसके मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, जिसके लिए तत्काल जागरूकता और त्वरित कार्रवाई बहुत जरूरी है। नींद की कमी की वजह से लोगों में स्ट्रोक की समस्या देखी गई है क्योंकि नींद हमारे मस्तिष्क के लिए ईंधन की तरह है। पर्याप्त और गहरी नींद से दिमाग तनाव को बेहतर ढंग से संभाल पाता है और फीलिंग्स को मैनेज करता है। जब नींद पूरी नहीं होती तो व्यक्ति चिड़चिड़ा, बेचैन और थका हुआ महसूस करता है। लंबे समय तक नींद की कमी रहने पर यह डिप्रेशन और सीरियस मेंटल डिसऑर्डर तक का कारण बन सकती है।

इन लक्षणों को न करें नजरअंदाज

- दी पनेशिया हॉस्पिटल के निदेशक डॉ .विकास शुक्ला ने बताया कि स्ट्रोक का पहला और दिखने वाला संकेत चेहरे का टेढ़ा होना है। अगर अचानक चेहरे के किसी एक तरफ कमजोरी महसूस हो या वह हिस्सा लटक जाए तो यह खतरे की घंटी है। मुंह के कोने से लार बहने लगे, हाथ या बांह में अचानक सुन्न होने लगे या वे कमजोर पड़ जाएं, उठाने पर नीचे गिर जाए तो सावधान हो जाएं। अगर व्यक्ति अचानक लड़खड़ाकर बोलने लगे, उसकी बोली अस्पष्ट (तोतली) हो जाए या वह सब कुछ समझ रहा हो, पर बोल न पाए तो यह दिमाग को गंभीर नुकसान पहुंचने का स्पष्ट संकेत है। बताया कि स्ट्रोक के बाद के शुरुआती मिनट गोल्डन आवर हैं। इस दौरान जितनी तेजी से इलाज मिलेगा, मरीज की जान बचने और स्थायी विकलांगता कम होने की संभावना उतनी ही अधिक होगी।

मुआवजा लेने गए दुकानदार को लोहे की राड से पीटा

कानपुर। चकेरी में दीपावली पर रॉकेट से दुकान में आग लग गई थी। पीड़ित मुआवजा लेने गया तो आरोपी ने भाइयों के साथ मिलकर उसे लोहे की राड से पीटा। चकेरी पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

घाऊखेड़ा निवासी अरुण कुमार सैनी के अनुसार वह दीपावली पर गणेश-लक्ष्मी की मूर्तियों की दुकान लगाए थे। बीती 18 अक्टूबर को इलाके के आकाश ने रॉकेट दागा तो वह उनकी दुकान पर आकर गिरा। जिससे दुकान में आग लग गई थी। दुकान में रखा तिरपाल, सीलिंग और चांदनी जल गई थी। शिकायत पर आरोपी आकाश ने त्योहार के बाद नुकसान की भरपाई करने का भरोसा दिया था। 21 अक्टूबर को वह उसके घर रुपये लेने गए थे। वहां आकश ने अपने भाई विमल समेत अन्य के साथ मिलकर गाली-गलौज की और लोहे की राड से पीटा।

ट्रैक किनारे मिले शव की शिनाख्त, हत्या का आरोप

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सचेंडी में सोमवार पनकी और भाऊपुर रेलवे स्टेशन के बीच सुरार हॉल्ट में ट्रैक किनारे मिले युवक के शव की शिनाख्त मंगलवार को परिजनों ने की। खोजबीन करते मंगलवार शाम पोस्टमार्टम हाउस पहुंची युवक की मां ने उसके हाथ में बने त्रिशूल, डमरू और दो स्टार देखकर पहचान कानपुर देहात के रूरा बनीपारा निवासी 31 वर्षीय अन्नू के रूप में की। मां मनोरमा ने ट्रेन में विवाद के बाद धक्का देकर हत्या का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि जयपुर में रहने वाला उनका दामाद हरिओम की शुक्रवार को मौत हो गई थी। वह बेटे अन्नू के साथ वहां गईं थीं। रविवार को वह बेटे के साथ जयपुर से शिकोहाबाद पहुंचीं। शिकोहाबाद से इंटरसिटी से कानपुर सेंट्रल के लिए निकले। उनके अनुसार बेटा शराब पिए था। तभी उसका ट्रेन में शराब पिए तीन-चार लोगों से विवाद हो गया। वह लोग बेटे को दूसरी बोगी में घसीट ले गए और जमकर पीटा। उनके बचाने पर आरोपियों ने भगा दिया। आरोप है कि मारपीट करने वालों ने पनकी और भाऊपुर के बीच ट्रेन से धक्का देकर बेटे की हत्या की है। सचेंडी थाना प्रभारी दिनेश सिंह बिष्ट ने बताया कि युवक का शव रेलवे ट्रैक किनारे मिला है। हादसे में उसके दोनों हाथ कट गए। पुलिस को तलाशी में उसकी जेब से लाइटर, पान-मसाला मिला है। परिजनों ने शिनाख्त की है। तहरीर मिलने पर जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

अन्नू।

सिटी ब्रीफ

मऊ से आनंद विहार जा रही स्पेशल ट्रेन में छापा

कानपुर। सेंट्रल स्टेशन पर मऊ से आनंद विहार जा रही स्पेशल ट्रेन में आरपीएफ की विशेष टीम ने छापा और वेंडरो को हिरासत में लेकर उनके लाइसेंस चेक किये। मंगलवार को दोपहर लगभग साढ़े तीन बजे मऊ से चलकर स्पेशल ट्रेन कानपुर सेंट्रल स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 9 पर आई। इस ट्रेन के आते ही टूंडला से आई कमांडेंट की विशेष टीम ने अवैध वेंडरों की तलाश में छापेमारी की। बताते चलें कि आरपीएफ के कमांडेंट ने एक विशेष टीम का गठन किया है जो विभिन्न स्टेशनों पर छापेमारी करके अपराधियों की धरपकड़ करती है।

स्वावलंबी भारत अभियान की बैठक आज

कानपुर। स्वदेशी जागरण मंच, स्वावलंबी भारत अभियान की कार्यकर्ता बैठक बुधवार को दोपहर 1 बजे से बिठूर मंदिर के निकट स्थित एक फॉर्महाउस में होगी। बैठक में क्षेत्रीय संयोजक अनुपम श्रीवास्तव रहेंगे। इसके साथ ही क्षेत्रीय प्रचार प्रमुख, प्रांत संयोजक, सह संयोजक, महिला प्रमुख, युवा प्रमुख और साथ में महानगर की स्वदेशी जागरण मंच टीम 11 रहेगी। सह संयोजक केशव बाजपेई ने बताया कि बैठक में मुख्यता स्वदेशी स्वावलंबी भारत अभियान के आगे की रणनीति और कार्यों की चर्चा के साथ ही भाजपा, विद्यार्थी परिषद और अन्य आनुषांगिक संगठन के साथ समन्वय बनाने पर चर्चा होगी।

रन फॉर यूनिटी की हुई बैठक

कानपुर। सरदार वल्लभाई पटेल की 150वीं जन्मजयंती पर 31 अक्टूबर को रन फॉर यूनिटी की तैयारी बैठक हुई। जिला अध्यक्ष अनिल दीक्षित ने कहा कि 31 अक्टूबर सरदार पटेल के जन्मदिन को भाजपा राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाती है। इसी दिन जिले स्तर पर रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए अनुभव कटियार, अनुपम मिश्रा और अमित बॉथम को जिम्मेदारी दी गई है। जिला अध्यक्ष ने बैठक में उपस्थित आर्य नगर विधान सभा व सीसामऊ विधानसभा के मंडल अध्यक्षों व मोर्चो प्रकोष्ठों के अध्यक्षों से संख्या का व्रत लिया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

मुंबई के लिए स्पेशल ट्रेन कल

कानपुर। छठ महापर्व के पश्चात यात्रियों की वापसी यात्रा के लिए रेलवे प्रशासन द्वारा छपरा-लोकमान्य तिलक टर्मिनस-छपरा वाया कानपुर, गोरखपुर पूजा विशेष गाड़ी का संचालन किया जायेगा। ये गाड़ी 30 अक्टूबर को सुबह 10 .55 बजे कानपुर सेंट्रल स्टेशन से मिलेगी। ये गाड़ी छपरा से 29 अक्टूबरको तथा लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 31 अक्टूबर को चलेगी। गाड़ी संख्या 05083 छपरा-लोकमान्य तिलक टर्मिनस पूजा विशेष गाड़ी 29 अक्टूबर को छपरा से रात 8 बजे रवाना होगी। ये गाड़ी 30 अक्टूबर को कानपुर सेंट्रल सुबह 10 .55 बजे पहुंचेगी। उरई दोपहर 1 .20 बजे, झांसी 4 .20 बजे, लोकमान्य तिलक टर्मिनस दूसरे दिन दोपहर 12 .00 बजे पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 05084 पूजा विशेष गाड़ी 31 अक्टूबर, 2025 को लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 2 .00 बजे प्रस्थान करेगी। झांसी 1 नवंबर को सुबह 9 .55 बजे, उरई सुबह 11 .07 बजे और कानपुर सेंट्रल दोपहर 2 .05 बजे आएगी। छपरा छपरा सुबह 4 .45 बजे पहुंचेगी। इस गाड़ी में शयनयान श्रेणी 04, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी 10, सामान्य द्वितीय श्रेणी/सामान्य द्वितीय श्रेणी कुर्सीयान 04 कोचों सहित कुल 20 कोच होंगे।

शहर आई चरण सुहावे यात्रा पवित्र जोड़े के दर्शन किए

श्री गुरु गोबिंद सिंह जी एवं माता साहिब कौर जी के चरण पादुका के दर्शन किए

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

यात्रा का स्वागत करने जुटे भाजपाई। अमृत विचार

अमृत विचार। श्री गुरु गोबिंद सिंह जी व माता साहिब कौर जी के पवित्र जोड़े (चरण पादुका) की यात्रा कानपुर पहुंची तो जोरदार स्वागत किया गया। देर रात गुरुद्वारा कीर्तनगढ़ में इस यात्रा का विश्राम हुआ। बुधवार को ये यात्रा आगे का सफर तय करेगी।

मंगलवार को सिखों की पवित्र गुरु चरण सुहावा यात्रा का कानपुर आगमन पर विभिन्न स्थानों पर भव्य स्वागत किया गया। जाजमऊ पुल पर बैंड-बाजों, ढोल-नगाड़ों की गूंज और जो बोले सो निहाल के जयघोष के साथ यात्रा का जोरदार स्वागत हुआ। इन पवित्र जोड़ों को नगर कीर्तन के रूप में दिल्ली से पटना साहिब ले जाया जा रहा है। मंगलवार को देर रात पवित्र जोड़ों के दर्शन के लिए संगत उमड़ी। यात्रा में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी विराजमान थे। इस दौरान दशमेष शस्त्र दल ने गतका का प्रदर्शन किया जबकि जगह जगह यात्रा पर फूलों की बारिश की गई।

इन पवित्र जोड़ों को श्री गुरु गोविंद सिंह जी की जन्मस्थली पटना साहिब में सुरक्षित रखने का

पवित्र जोड़ा। अमृत विचार

निर्णय हुआ है। उत्तर प्रदेश अल्प संख्यक आयोग के सदस्य परविंदर सिंह यात्रा के साथ रहे। बुधवार को गुरुद्वारा कीर्तनगढ़ गुमटी नंबर पांच से चरण सुहावे यात्रा पटना साहिब के लिए प्रातः 10 बजे रवाना होगी। ये यात्रा गुमटी नंबर पांच, गुरुद्वारा रणजीत नगर, रोज गार्डेन, गुरुद्वारा संत नगर, गुरुद्वारा पांडु नगर, गोविंद नगर, गौशाला होते हुए बाईपास से प्रयागराज के लिए रवाना होगी।

भाजपा नेताओं ने भी दर्शन किए

- मंगलवार को ये यात्रा जब जाजमऊ से लाल बंगला चौराहे पहुंची तो क्षेत्रीय अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा अजीत छाबड़ा के अलावा सरदार जसविंदर सिंह, कमलजीत सिंह बग्गा सहित अनेक सिख नेताओं ने पुष्प वर्षा कर गुरु चरण पादुका के दर्शन किए और नतमस्तक हुए। भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल, सांसद रमेश अवस्थी, जिला अध्यक्ष शिवराम सिंह, उत्तर जिला अध्यक्ष अनिल दीक्षित, विधायक महेश त्रिवेदी, विधायक नीलिमा कटियार, पूर्व महापौर रविन्द्र पाटनी गुरविंदर सिंह (विक्की), रमिंदर सिंह सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं एवं सिख संगत के सदस्यों ने यात्रा का अभिनंदन किया। लाल बंगला से शिव कटरा मोड़ तक करन महाना ने सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ बैंड-बाजों एवं पुष्प वर्षा से स्वागत किया। टाट मिल से अफीम कोठी चौराहा रहा, जहां भाजपा पूर्व जिला अध्यक्ष कौशल किशोर दीक्षित, मीडिया प्रभारी अनूप अवस्थी आदि ने स्वागत किया।

फजलगंज सिटी डिपो को मिलेंगी 100 इलेक्ट्रिक बसें

कानपुर। प्रदेश सरकार ने कानपुर को प्रदूषण से मुक्त रखने के लिए 200 इलेक्ट्रिक बसें देने की तैयारी की है। सिटी बसों की जिम्मेदारी संभालने वाली कानपुर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज की टीम फजलगंज सिटी बस डिपो के लिए बसों की उपलब्धता कराने में जुटी है। उम्मीद है कि जल्द ही फजलगंज सिटी बस डिपो को 100 इलेक्ट्रिक बसें मिल जाएंगी।

कानपुर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड के निदेशक केके अग्रवाल ने अमृत विचार संवाददाता से बातचीत में कहा कि सीएनजी चालित सिटी बसों ने शहर के संसाधन में बड़ा योगदान निभाया लेकिन बसों की उम्र पूरी होने से सीएनजी सिटी बसों को बंद करना पड़ा। अब फजलगंज सिटी बस डिपो वीरान पड़ा है, ऐसे में कानपुर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज की कोशिश है कि इलेक्ट्रिक बसें फजलगंज डिपो से संचालित की जाएं जिसके लिए तैयारी चल रही है।

गौरतलब है कि विमान नगर चकेरी में इलेक्ट्रिक बसों का डिपो है। इस डिपो से प्रतिदिन लगभग 80 से 85 इलेक्ट्रिक बसें संचालित हो रही हैं। ये एसी बसें शहर के विभिन्न मार्ग पर सफलतापूर्वक दौड़ रही हैं। प्रदेश सरकार कानपुर को 200 इलेक्ट्रिक बसें देने की और तैयारी कर रही है। ऐसे में फजलगंज सिटी बस डिपो को भी 100 इलेक्ट्रिक बस मिलने की संभावना है।

लोकमान्य टर्मिनस से छपरा तक पूजा स्पेशल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। छठ महापर्व के पश्चात यात्रियों की वापसी यात्रा के लिए रेलवे द्वारा गाड़ी संख्या 05587/05588 छपरा-लोकमान्य तिलक टर्मिनस-छपरा वाया कानपुर पूजा स्पेशल गाड़ी का संचालन किया जाएगा। ये गाड़ी छपरा से 30 अक्टूबरतथा लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 1 नवम्बर को चलेगी।

उत्तर मध्य जोन के वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी अमित मालवीय ने बताया कि इस गाड़ी में शयनयान श्रेणी के 05, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी के 02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 06, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 02, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 04 तथा एल.एस.एल.आर.डी. के 01 कोच सहित कुल 21 कोच लगाये जायेंगे। गाड़ी संख्या 05587 छपरा-लोकमान्य तिलक टर्मिनस पूजा विशेष गाड़ी 30 अक्टूबर को छपरा से रात 8 बजे चलेगी। कानपुर सेंट्रल सुबह 10.55 बजे, उरई 1.20 बजे, झांसी 4.20 बजे, बीना 7.35 बजे, रानी कमलापति 10.25 बजे, भुसावल सुबह 4.45 बजे, नासिक रोड सुबह 8.15 बजे, इगतपुरी 9.35 बजे तथा कल्याण 11.08 बजे, लोकमान्य तिलक टर्मिनस दोपहर 12.00 बजे पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 05588 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-छपरा पूजा विशेष गाड़ी 01 नवम्बर को लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 2.00 बजे प्रस्थान करेगी। वीरांगना लक्ष्मीबाई जं. (झांसी) 9.55 बजे, उरई 11.07 बजे, कानपुर सेंट्रल दोपहर 2.05 बजे आएगी।

स्पेशल ट्रेन आज कानपुर होते हुए गुजरेगी

- **कानपुर।** रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए छठ पर्व के बाद वापसी यात्रा के लिए गाड़ी संख्या 05051 / 05052 परिचालन किया गया है। इस गाड़ी में 20 डिब्बे हैं और ये गाड़ी कानपुर होते हुए जाएगी। उत्तर मध्य जोन के जनसंपर्क अधिकारी अमित सिंह ने बताया कि गाड़ी संख्या 05051 (छपरा से लोकमान्य तिलक टर्मिनस वाया गोमतीनगर) मंगलवार को छपरा से रवाना की गई है जो बुधवार को सुबह 10 .45 बजे कानपुर सेंट्रल स्टेशन आएगी। उरई दोपहर 1.18 बजे पहुंचेगी जबकि झांसी 4 .15 बजे और लोक मान्य टर्मिनस 30 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे पहुंचेगी। इसी प्रकार गाडी संख्या 05052 लोकमान्य तिलक टर्मिनस से दोपहर 2 बजे प्रस्थान करके अगले दिन झाँसी सुबह 9 .45 बजे, उरई 11.05 बजे और कानपुर सेन्ट्रल 1.55 बजे पहुंचेगी।

दिवंगत नेहा के परिजनों से मिलते कांग्रेसी नेता। अमृत विचार

नेहा के नाना के घर पहुंचे कांग्रेसी, न्याय दिलाएंगे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- पूर्व सांसद बृजलाल खाबरी की अगुवाई में टीम पहुंची
- दिवंगत के माता पिता से मिले, इंसाफ की लड़ाई लड़ेंगे

अमृत विचार। बीते दिनों कचहरी में बहुमंजिली इमारत से कूदकर जान देने वाली नेहा के परिवार से मिलने के लिए मंगलवार को कांग्रेस के पूर्व सांसद बृजलाल खाबरी की अगुवाई में एक प्रतिनिधिमंडल पहुंचा। पीड़ित परिवार को भरोसा दिलाया कि उन्हें इंसाफ दिलाने के लिए कांग्रेस हर संभव लड़ाई लड़ेगी।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के निर्देश पर मंगलवार को कांग्रेस का प्रतिनिधि मंडल पूर्व प्रदेश अध्यक्ष पूर्व सांसद बृजलाल खाबरी के नेतृत्व में दिवंगत नेहा संखवार के नाना के निवास बर्रा में उनके माता पिता और परिजनों से मिला। प्रतिनिधि मंडल ने इस दुखद घटना पर शोक जताते हुए परिवार को आश्वस्त किया कि हर परिस्थिति में कांग्रेस परिवार के साथ है। पूर्व सांसद बृजलाल खाबरी ने कहा कि कांग्रेस इस लड़ाई में हर स्तर पे परिवार को साथ देगी। कांग्रेस का प्रतिनिधि मंडल पुलिस कमिश्नर से मिलकर परिवार को न्याय दिलवाने की मांग करेगा। कानपुर महानगर कांग्रेस के अध्यक्ष पवन गुप्ता ने बताया कि दिवंगत के पिता गोविंद, मां मनोज और नाना जयप्रकाश ने प्रतिनिधि मंडल से कहा कि पेशकार और चपरासी की प्रताड़ना के कारण नेहा ने आत्महत्या की। कांग्रेस के ग्रामीण अध्यक्ष संदीप शुक्ला, पूर्व विधायक भूधर नारायण मिश्रा, आलोक मिश्रा, हरप्रकाश अग्निहोत्री, सरिता दोहरे, विकास अवस्थी, नौशाद आलम मंसूरी, कनिष्क पांडे, आरती बाजपई, जेपी पाल, सुमन तिवारी, मखलू पांडे, नरेंद्र शर्मा, दिलीप सिंह मुन्ना, देवेंद्र पांडे, अतहर नईम, राजीव द्विवेदी, बाबूराम सोनकर, संजीव मिश्रा, नरेंद्र चंचल, शकील मंसूरी आदि थे।

गोविंदपुरी से अलीगढ़ विशेष ट्रेन

कानपुर। दीपावली और छठ पूजा के बाद यात्रियों की भीड़ कार्यस्थलों की ओर लौटने लगी है। उत्तर मध्य झांसी मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि उत्तर मध्य रेलवे द्वारा 44 विशेष ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। 04189 गोविंदपुरी से अलीगढ़ के लिए चल रही गाड़ी का 30 नवंबर तक विस्तार कर दिया गया है। 04190 अलीगढ़ से गोविंदपुरी के लिए 30 नवंबर तक गाड़ी का विस्तार किया गया है। इसके अलावा 04123 प्रयागराज से हजरत निजामुद्दीन स्पेशल गाड़ी का 2 नवंबर तक विस्तार। 04132 सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनस से कानपुर सेंट्रल 12 नवंबर 2025 तक विस्तारित कर दिया गया है। 04137 ग्वालियर से बरौनी तक 28 दिसंबर 2025 तक विस्तार किया गया है।

ग्रामीण अंचलों के लिए 20 फीसदी कम किराये में बसें

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

17 अक्टूबर को पत्र जारी किया गया है

- ग्रामीण अंचलों को शहरी क्षेत्र से जोड़कर बढ़ाएंगे रोजगार
- रात में गांवों में स्टे करेंगी बसें, सब्जी, दूध कारोबार बढ़ेगा

अमृत विचार। मुख्यमंत्री जनता सेवा के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार ने ग्रामीण अंचलों में रोजगार को बढ़ावा देने एवं शहरी क्षेत्र को गांवों को जोड़ने के लिए शहर से ग्रामीण क्षेत्रों तक 20 प्रतिशत कम किराये में बसों को संचालित करने का निर्णय लिया है। इस बाबत उत्तर प्रदेश के सभी क्षेत्रीय प्रबंधकों को दिशा निर्देश जारी कर दिये गये हैं।

उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के प्रधान प्रबंधक अनिल कुमार ने इस संबंध में सभी क्षेत्रीय प्रबंधकों को 17 अक्टूबर को पत्र जारी किया है। ये बसें रात में गांव में ही रुकेंगी और सुबह जिला मुख्लालय के लिए रवाना होंगी। ऐसे में किसान अपनी सब्जी, दूध व अन्य कारोबार आसानी से बिना देरी के कर सकेंगे। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए ग्रामीण अंचलों में मुख्यमंत्री जनता सेवा (कम किराया) के रूप में बसों को संचालित करने की जरूरत पर जोर दिया गया है। कस्बों एवं छोटे जिलों तक इन बसों को चलाने से डग्गामार वाहनों पर भी रोक लगेगी।

संविदा चालकों, परिचालकों का पारिश्रमिक तय

- 20 प्रतिशत कम किराये वाली बसों संविदा चालकों एवं संविदा परिचालकों की पारिश्रमिक भी तय कर दी है। संविदा चालकों को 2 .18 पैसे प्रति किमी की दर से पारिश्रमिक मिलेगी जबकि संविदा या आउट सोर्सिंग से भर्ती परिचालकों को 2 .18 पैसे प्रति किमी की दर से पारिश्रमिक मिलेगी। यदि चालक परिचालक महीने में 22 दिन में 4000 किमी बस चलायेगा तो उसे 3000 रुपये अतिरिक्त दिये जाएंगे। यदि कोई चालक 24 दिन ड्यूटी करेगा और 5000 किमी का सफर तय करेगा तो उसे 5000 रुपये अतिरिक्त दिया जाएगा।

योगी सरकार का फैसला

- 20 प्रतिशत कम किराये में ग्रामीण अंचलों से प्रारंभ होकर जिला मुख्यालय तक बसें चलेंगी।
- ये बसें अधिकतम 100 किमी की परिधि में ही चलेंगी।
- अंतिम फेरे के बाद गांव में ही बस का रातभर रुकना अनिवार्य है।
- जो स्थान तहसील, जिला एवं डिपो मुख्यालय से भिन्न होंगे, वे गांव की श्रेणी में रखा जाएगा।
- कम किराये में चलने वाली बसों का कलर मुख्यमंत्री ग्रामीण जनता सेवा के अनुरूप होगा।
- बसों के मार्ग पर पड़ने वाले स्टापेज का बोर्ड सफेद रंग को होगा, लाल रंग से लिखा जाएगा।

वृद्धजनों को इस्कॉन मंदिर के दर्शन कराए

कानपुर। समाज कल्याण विभाग द्वारा अनुदानित सार्वजनिक शिक्षोन्नयन संस्थान के अंतर्गत संचालित वृद्धाश्रम दामोदर नगर के वृद्धजनों एवं राजकीय बालगृह के बालकों के लिए कानपुर दर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत चिड़ियाघर तथा इस्कॉन मंदिर के दर्शन एवं भ्रमण कराया गया।

मंगलवार को कार्यक्रम का शुभारंभ मंडलायुक्त के विजयेंद्र पांडियन, नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय, मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन, जिला समाज कल्याण अधिकारी शिल्पी सिंह, कार्यक्रम संयोजक डॉ. अवध दुबे, समाजसेवी अशोक मिश्रा एवं वृद्धाश्रम प्रबंधक विकास पाठक की उपस्थिति में किया गया। अधिकारियों द्वारा वृद्धाश्रम दामोदर नगर से प्रस्थान करने वाली लग्जरी बस को हरी झंडी दिखाकर भ्रमण यात्रा का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर वृद्धाश्रम के 35 वृद्धजन एवं राजकीय बालगृह के 20 बालक मौजूद रहे। सभी प्रतिभागियों को उनकी पहचान के लिए आई-कार्ड प्रदान किए गए तथा जलपान, भोजन और पेयजल की व्यवस्था की गई। मंडलायुक्त, नगर आयुक्त एवं मुख्य विकास अधिकारी ने यात्रा पर जा रहे वृद्धजनों और बच्चों को तिलक लगाकर एवं पुष्प प्रदान कर शुभकामनाओं के साथ रवाना किया।

बेटे-बहू ने घर से निकाला, डीएम ने संभाला

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- जनता दर्शन में 62 वर्षीय बुजुर्ग भर्राई आवाज के साथ पहुंची

अमृत विचार। जनता दर्शन का दृश्य उपस्थित हर शख्स को उस समय भावुक कर गया जब जिलाधिकारी के पास 62 वर्षीय एक बुजुर्ग मां पहुंची जिनके झुर्रियों से भरे चेहरे और भीगी पलकों में पीड़ा साफ झलक रही थी। बुजुर्ग मां का आरोप है कि 25 अक्टूबर की रात में बेटे-बहू ने उन्हें मारपीट कर घर से बाहर निकाल दिया था। डीएम ने तुरंत बेटे को बुलवाया, समझाया और मां को उसके साथ घर भेजा। जिलाधिकारी ने बेटे को कड़ी हिदायत दी कि वह मां का सम्मान करे और आगे कभी दुर्व्यवहार न हो।

मंगलवार को जनता दर्शन में भीड़ के बीच 62 वर्षीय वृद्धा ऊषा शर्मा, निवासी जनता नगर, बर्रा, कांपते कदमों और भर्राई आवाज़ के साथ जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह के सामने पहुंचीं। वृद्धा ने जिलाधिकारी को सौंपे पत्र में लिखा कि 25 अक्तूबर की रात उनके बेटे और बहू ने मारपीट कर घर से निकाल दिया और उनकी पेंशन की रकम, मोबाइल और आधार भी छीन लिया जिससे वे दर दर की ठोकरें खा रही हैं।

डीएम ने उन्हें अपने पास बिठाया और धैर्यपूर्वक करीब दो घंटे तक उनकी व्यथा सुनी। इस दौरान कार्यालय का माहौल गंभीर हो चला। डीएम ने तुरंत बेटे को बुलवाया। आमने-सामने बातचीत हुई, ग़ुस्से और शिकायतों के बीच जब डीएम ने सधी हुई भाषा में समझाया तो धीरे-धीरे रिश्तों की जमी बर्फ पिघलने लगी। सुलह अधिकारी डॉ धीरेंद्र दोहरे को भी जिम्मेदारी सौंपी गई कि परिवार को फिर से जोड़ने में सहयोग करें। कुछ ही देर बाद मां-बेटा साथ घर लौटे। दफ्तर के गलियारे उस पल के गवाह बने, जब बेटे ने मां का हाथ थामा और मां की आंखों में उम्मीद की चमक लौट आई।

सीपीआर की जानकारी देतीं डॉक्टर। अमृत विचार

चांदनी में सीपीआर का प्रशिक्षण दिया

कानपुर। चांदनी चेरीटेबल हॉस्पिटल सोसाइटी स्कूल ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल सेंटर में कार्डियो पल्मोनरी रीससिटेशन (सीपीआर) पर जागरूकता अभियान का आयोजन किया। वरिष्ठ चिकित्सक डॉ.चांदनी सिंह व स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ.पल्लवी सिंह ने विद्यार्थियों व स्टाफ को सीपीआर की महत्ता, उसकी विधि और प्रयोग के बारे में जानकारी दी। डॉ. चांदनी सिंह ने बताया कि सीपीआर एक ऐसी जीवनरक्षक तकनीक है, जिसके माध्यम से हृदयगति या श्वास रुक जाने पर व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है, जब तक कि चिकित्सकीय सहायता न पहुंच जाए। डॉ. पल्लवी सिंह ने बताया कि सीपीआर की जानकारी हर व्यक्ति के पास होना जरूरी है।

अपनी बात

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर भाजपा ने की प्रेसवार्ता

सरदार पटेल ने भारत को किया था मजबूत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

नवीन मार्केट में प्रेस वार्ता को संबोधित करते प्रकाश पाल। अमृत विचार

- नेहरू ने सरदार पटेल के वोट चोरी कर प्रधानमंत्री पद प्राप्त किया

अमृत विचार। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर भाजपा ने जिला कार्यालय, नवीन मार्केट में प्रेस वार्ता की। क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने कहा कि सरदार पटेल ने दर्जनों रियासतों का भारत में विलय कर एक भारत, मजबूत भारत की नींव रखी। यदि सरदार पटेल को प्रधानमंत्री बनने का अवसर मिला होता तो भारत आज और भी सशक्त होता। उन्होंने कहा कि नेहरू ने सरदार पटेल के वोट चोरी कर प्रधानमंत्री पद प्राप्त किया। जब सरदार पटेल का निधन हुआ तो उन्होंने अपने मंत्रिमंडल के सदस्यों को मुंबई जाकर उनकी अंतिम यात्रा में शामिल होने से भी रोका था। नरेंद्र मोदी ने सरदार पटेल के विचारों को आगे बढ़ाते हुए 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' का नारा दिया। स्टैचू ऑफ यूनिट" का निर्माण कर उन्हें अमर कर दिया।

क्षेत्रीय अध्यक्ष ने बताया कि सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर भाजपा पूरे प्रदेश में कार्यक्रम कर रही है। प्रत्येक बूथ स्तर पर 31 अक्टूबर को सरदार पटेल के चित्र पर माल्यार्पण कर गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। जिला स्तर पर रन फॉर यूनिटी के कार्यक्रम होंगे। लोकसभा एवं विधानसभा स्तर पर पदयात्राएं, विद्यालयों में भाषण, चित्रकला और निबंध प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। प्रकाश पाल ने एसआईआर पर कहा कि इसके लागू होने से देश का लोकतंत्र और अधिक सशक्त होगा। बोगस मतदाता सूची से बाहर होंगे और वास्तविक मतदाताओं को शामिल किया जाएगा। बड़ी संख्या में जो बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठिए मतदाता सूची में शामिल हो गए हैं, वे चिन्हित होंगे। उन्होंने कहा कि विपक्ष को भारतीय मतदाताओं की चिंता नहीं, बल्कि घुसपैठियों की चिंता है, इसलिए वे एसआईआर का विरोध कर रहे हैं।

इस दौरान जिला अध्यक्ष अनिल दीक्षित, सांसद रमेश अवस्थी, विधान परिषद सदस्य अरुण पाठक, विधायक महेश त्रिवेदी, विधायक नीलिमा कटियार, पूर्व विधायक रघुनंदन भदौरिया, क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी अनूप अवस्थी, अनुराग शर्मा आदि रहे।

पारिवारिक मिलन केंद्र का उद्घाटन किया गया। अमृत विचार

दादा नगर में पारिवारिक मिलन केंद्र

कानपुर। कोआपरेटिव इस्टेट कार्यालय परिसर, 167-बी, दादानगर में पारिवारिक मिलन केंद्र का शुभारम्भ किया गया। इस्टेट की सबसे छोटी युवा उद्यमी कुमारी दामिनी मिश्रा ने फीता काटकर ये शुभ कार्य सम्पन्न कराया।

मंगलवार को 'कोआपरेटिव इन्डस्ट्रियल इस्टेट यूथ विंग के सदस्य कार्तिक कपूर ने युवा उद्यमी दामिनी मिश्रा को अंगवस्त्र ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। दादानगर औद्योगिक क्षेत्र के नवोदित युवा उद्यमियों को संगठित कर कार्तिक कपूर के नेतृत्व में कोआपरेटिव इन्डस्ट्रियल इस्टेट यूथ विंग का गठन किया गया है। कोआपरेटिव इस्टेट के चेयरमैन विजय कपूर ने विचार रखे। कार्तिक कपूर, सौम्या टकरू, अभिजीत सिंह, अभिषेक कपूर, आदित्य गुप्ता, अफजाल अहमद, अजय सिंह मन्नी, आकाश मेहदीरत्ता, अमन अग्रवाल, अमन सिंह, अंशुल अरोड़ा, अर्पित अवस्थी, आशीष गुप्ता, अतुल निगम थे।

व्रती महिलाओं ने वेदी पूजन किया। अमृत विचार

सुबह जल में खड़े होकर सूर्य भगवान को अर्घ्य दिया। अमृत विचार

महिलाओं ने सिंदूर लगाकर पूजा की। अमृत विचार

उगा उगा हे सुरुज देव, भइल अरघिया के बेर ...

छठ पूजा पर सुबह उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर किया व्रत का पारण, घाटों पर दर्शन पूजन के लिए उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़

सूर्य देव को अर्घ्य देती महिला। अमृत विचार

पूजा के बाद व्रत तोड़ा? अमृत विचार

कृत्रिम तालाबों पर भी पूजा हुई। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कहवां की सूरज के जनमवां कहवां ही होखे ला अजोर ... , उगा उगा हे सुरुज देव भइल अरघिया के बेर ... आदि गीतों के साथ मंगलवार सुबह महिलाओं ने उदय होते सूर्य को अर्घ्य दिया और छठ मइया का पूजन कर सुख समृद्धि की कामना की। एक दूसरे की मांग में सिंदूर भर कर अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद दिया। इसके साथ ही छठ पूजन महोत्सव का समापन हो गया। व्रती महिलाओं ने ठेकुआ और अदरक का प्रसाद खाकर व्रत का पारण किया।

सप्तमी तिथि पर भगवान आदित्य को अर्घ्य देने के लिए महिलाएं भोर में ही घाटों पर पहुंच गईं। आसमान में बादल के कारण सूर्य देव देर से निकले। जैसे ही दर्शन हुए तो छठ मइया और सूर्य भगवान के जयघोष से वातावरण गूंज उठा। जल में खड़ी व्रती महिलाओं ने प्रभु को अर्घ्य दिया और उनसे आरोग्यता, यश, वैभव और कीर्ति का आशीर्वाद मांगा। संतान की सुख- समृद्धि और अखंड सौभाग्य की कामना की। नवविवाहित महिलाओं में छठ पर्व को लेकर कुछ ज्यादा ही उत्साह दिखायी दिया। संतान की कामना के साथ उन्होंने व्रत रखा। 36 घंटे तक निर्जला व्रत रखने वाली महिलाओं ने सूर्य के दर्शन व पूजन करने के बाद व्रत का पारण किया। व्रती महिलाओं ने फल व अन्न का दान भी किया। तमाम श्रद्धालुओं ने तो गर्म कपड़े और कंबल का भी दान किया।

पनकी नहर पर सुबह हजारों श्रद्धालु उमड़े। अमृत विचार

आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ किया

- सप्तमी तिथि पर घाटों पर श्रद्धालुओं ने आदित्य हृदय स्त्रोत का पाठ किया। साथ ही कार्तिक मास में भगवान विष्णु के पूजन का विशेष महत्व होने के कारण घरों में सत्य नारायण भगवान की कथा भी सुनी। कुछ श्रद्धालुओं ने तो भंडारा भी किया। भगवान सूर्य का दुग्ध से भी अभिषेक किया गया।

जनप्रतिनिधियों ने भी किया पूजन

- महापौर प्रमिला पांडेय ने भी छठ मइया का पूजन किया। सांसद रमेश अवस्थी, विधायक सुरेंद्र मैथानी, नीलिमा कटियार, महेश त्रिवेदी, विधायक अमिताभ वाजपेयी, पूर्व विधायक अजय कपूर, भाजपा नेता शैलेंद्र दीक्षित ने विभिन्न घाटों पर सूर्य भगवान के दर्शन किए और छठ मइया की महिमा का बखान सुना। जनप्रतिनिधियों ने व्रतियों से बात की और उनसे आशीर्वाद भी लिया। घाटों पर श्रद्धालुओं ने भी जनप्रतिधियों से मिलकर भविष्य में घाटों के और विकास की बात की। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह, एडीएम सिटी की पत्नी ने भी सरसैया घाट पर पूजन अर्चन कर सुख समृद्धि की कामना की।

आरती की गई।

अखंड सौभाग्य के लिए भरी मांग

- घाटों पर व्रती महिलाओं ने एक दूसरे की मांग में सिंदूर भरा। अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद भी एक दूसरे को दिया। कहा जाता है कि सुहाग के प्रतीक सिंदूर को एक- दूसरे की मांग में भरने से अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

लेटते हुए पहुंचे

- विकास नगर के राम स्वरूप को हाल ही में सरकारी नौकरी मिली है। सोमवार को कामना की पूर्ति होने पर वह लेटते हुए गंगा बैराज स्थित अटल घाट पर पहुंचे और छठ मइया का पूजन किया। वे पूरी रात जल में ही खड़े रहे और सुबह अर्घ्य दिया। इसी तरह अवधपुरी की रश्मि भी अपने पति अनिल सिंह के साथ लेटते हुए बैराज तक गईं।

सिटी ब्रीफ

स्कूल में बच्चों को जागरूक किया

कानपुर। बजरिया थाने की साइबर और एंटी रोमियो टीम ने क्षेत्र में स्थित मरियमपुर स्कूल में जागरूकता अभियान के तहत बच्चों के साथ वार्ता की। उनको साइबर बुलिंग, अकाउंट टेकओवर, साइबर स्टॉकिंग जैसे सोशल मीडिया फ्रॉड के संबंध में जागरूक किया। फाइनेंशियल फ्रॉड व मोबाइल नेटवर्क संबंधित धोखाधड़ी के संबंध में जानकारी देकर बचाव के टिप्स दिए।

लाइनमैनों को दिए उपकरण

कानपुर। केस्को बिजलीघर में मंगलवार को केस्को प्रबंध निदेशक सैमुअल पॉल के निर्देश पर अधिशाषी अभियंता भंडार ने लाइनमैनों को विद्युत सुरक्षा के उपकरण वितरित किए। जिसमे हेलमेट, दस्ताने, जूते, बेल्ट, अर्थ डिस्चार्ज रॉड, नीयॉन टेस्टर, टूलकिट व रेडियम युक्त सुरक्षा जैकेट शामिल थी। साथ ही उन्हें इसके प्रयोग व रख-रखाव के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। मुख्य उद्देश्य कर्मियों को दुर्घटना से बचाना है।

तार पर गिरा पेड़, गई बिजली

कानपुर। बिठूर में मंगलवार दोपहर दो बजे एचटी लाइन पर एक पेड़ की डाल गिरने की वजह से पूरे क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। जानकारी पर केस्को की टीम ने मरम्मत शुरू किया और शाम को चार बजे बिजली आई।

बेटियों की रक्षा करने का किया आह्वान

कानपुर। श्री महादेव राम लक्ष्मण जानकी मंदिर मनिलाल दुबे ट्रस्ट सरसैया घाट ने श्रीमद् भागवत कथा भक्ति ज्ञान यज्ञ के तीसरे दिन भागवता आचार्य शुभम जी महाराज के मुखारविंद से ध्रुव चरित्र जड़ भरत चरित्र का वर्णन किया। बेटियों की रक्षा करने का आह्वान उपस्थित लोगों से से किया। कहा कि आज हर व्यक्ति मोह माया के जाल में फंसकर ईश्वर की भक्ति से दूर होता जा रहा है।

प्रेसवार्ता में जानकारी देते पदाधिकारी। अमृत विचार

30 को मनेगा 137 वां गोपाष्टमी महोत्सव

- कानपुर गौशाला सोसाइटी के पदाधिकारियों ने प्रेसवार्ता की

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर गौशाला सोसाइटी द्वारा 30 अक्टूबर को 137वां गोपाष्टमी महोत्सव मनाया जायेगा। अन्नपूर्णा भवन भोजनालय एक्सप्रेस रोड सुबह 11 बजे से यह कार्यक्रम होगा। मंगलवार को सोसाइटी के उपसभापति सुरेश गुप्ता ने एक प्रेसवार्ता कर बताया कि भारतीय संस्कृति में गाय में देवत्व का वास माना जाता है। कार्यक्रम में सांसद रमेश अवस्थी, सांसद देवेंद्र सिंह भोले, पूर्व सांसद सत्यदेव पचौरी, विधायक अमिताभ बाजपेई, सुरेंद्र मैथानी, अरुण पाठक, सलिल विश्नोई, उप निबंधक फॉर्म सोसाइटी पारस गुप्ता के साथ-साथ गौ वंश पर चर्चा करने के लिए विद्वानों को भी आमंत्रित किया गया है। विजय पांडे ने बताया कि भौंती शाखा में विराट दंगल का आयोजन किया जाता है और रात में रामलीला जो यहां 125 वर्ष से आयोजित हो रही है। संस्था के महामंत्री पुरुषोत्तम दास तोषनीवाल ने बताया कि कार्यक्रम में कानपुर गौशाला समिति ने गो ग्रास दान के लिए मासिक 5100 और वार्षिक 51000 की नई योजना लॉन्च की है जिसकी शुरुआत 1 नवंबर गोपाष्टमी पर्व से प्रारंभ की जाएगी। इस दौरान कृष्ण गुप्त, बाबू विश्वनाथ कनोडिया, शेष नारायण त्रिवेदी, श्याम कृष्ण कनोडिया, रमेश मिश्रा, रामगोपाल तुलस्यान आदि रहे।

भारत अंतरिक्ष में अपना स्पेस स्टेशन बनाने की दिशा में

- आईआईटी कानपुर में हुआ इंजीनियर्स कॉन्क्लेव -2025 का आयोजन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। आईआईटी कानपुर और भारतीय राष्ट्रीय इंजीनियरिंग अकादमी ने मंगलवार को इंजीनियर्स कॉन्क्लेव-2025 का आयोजन किया, जिसमे सरकार, उद्योग और शिक्षा जगत, भारत के इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी और नवाचार परिदृश्य को आकार देने वाली प्रगति पर विचार व विमर्श किया गया। मुख्य भाषण, पूर्ण वार्ता और इंटेलिजेंट सिस्टम्स और इंटरडिसिप्लिनरी साइबर फिजिकल सिस्टम्स पर विषय वार सत्र हुए और अनुसंधान और तकनीकी नवाचारों का प्रदर्शन किया गया।

इसरो के पूर्व चेयरमैन डॉ.एस सोमनाथ ने बताया कि भारत अंतरिक्ष में अपना स्पेस स्टेशन बनाने की दिशा में काम कर रहा है। इसके लिए कई विषयों पर मंथन किया जा रहा है। भारत का जब अपना स्पेस स्टेशन होगा तो चंद्रमा पर जाने और वहां से वापस आने का भी सपना आसानी से पूरा हो सकेगा। अपना अंतरिक्ष स्टेशन बनने के बाद शिक्षण संस्थानों और अनुसंधान के लिए भी देश के पास एक नई सुविधा हासिल हो सकेगी। इंडियन नेशनल एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग के अध्यक्ष व प्रदेश सरकार की डिफेंस एडवाइजरी कमेटी के सदस्य जेडी पाटिल ने कहा कि पूरी दुनिया में इंटेलीजेंट सिस्टम और साइबर फिजिकल सिस्टम की जरूरत बढ़ी है। आपरेशन सिंदूर के बाद अब इस तरह के उपकरण और इंजीनियरिंग की मांग बढ़ी है। इसलिए अब इस दिशा में भारत को तेजी से आगे बढ़ना होगा। आईआईटी कानपुर के निदेशक प्रो.मणीन्द्र अग्रवाल ने बताया कि साइबर फिजिकल सिस्टम का प्रयोग जीवन के हर क्षेत्र में बढ़ रहा है।

हर दिन ऐसे नवाचार हो रहे हैं, जिनमें साइबर टेक्निक और अन्य इंजीनियरिंग का प्रयोग कर ऐसे उपकरण बनाए जा रहे हैं, जो वर्तमान परिदृश्य को पूरी तरह बदलने के लिए तैयार हैं। इस दौरान शिक्षण संस्थानों के छात्र-छात्राएं शामिल रहे।

शिव-विवाह की कथा सुन भक्त आनंदित

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

राम हृदय दास जी। अमृत विचार

अमृत विचार। श्रीरामकथा महोत्सव के दूसरे दिन श्रद्धालुओं ने भगवान शिव और माता पार्वती के दिव्य विवाह प्रसंग का रसास्वादन किया। कथा वाचक रामहृदय दास जी महाराज ने भावपूर्ण शैली में शिव-विवाह की पावन कथा का वर्णन किया। संगीतमय वातावरण में जब भगवान शंकर बारात लेकर हिमालय पर्वत पहुंचे, तो पूरा पंडाल हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारे लगाने लगे व भक्ति में लीन हो गए। कथा वाचक ने बताया कि शिव-विवाह केवल एक दिव्य लीला नहीं, बल्कि त्याग, भक्ति और संपूर्ण सृष्टि के कल्याण का प्रतीक है। माता पार्वती ने अटल श्रद्धा और तपस्या के बल पर स्वयं महादेव को वर के रूप में प्राप्त किया। इस दौरान सांसद रमेश अवस्थी, राजेंद्र सिंह चौहान, देवेश द्विवेदी, लाला अग्निहोत्री, राधे शिवहरे, विवेक बाजपेई, मोनू पाण्डेय, अजय अग्निहोत्री, देवेन्द्र भदौरिया, राम कुमार द्विवेदी, मुन्ना गुप्ता, हितेश तिवारी व राजा गुप्ता उपस्थित रहे।

प्रवचन | विश्व शांति सेवा समिति के तत्वावधान में श्रीमद्भागवत कथा

निर्मल मन वाले को ही मिलते हैं भगवान : देवकी नंदन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। भगवान स्वयं कहते हैं मुझे छल, कपट, दिखावा या बाहरी आडंबर से कोई प्राप्त नहीं कर सकता। भगवान के निकट वही पहुंच सकता है जिसका मन निर्मल हो, भाव सच्चा हो और जिसका हृदय भक्ति से भरा हो। भगवान कपट से नहीं, सच्चे प्रेम और समर्पण से प्रसन्न होते हैं। इसलिए जीवन में हमें हमेशा सच्चे मन से भगवान की सेवा, नाम-स्मरण और भक्ति करनी चाहिए। ये बातें कथावाचक देवकी नंदन ठाकुर महाराज ने विश्व शांति सेवा समिति की ओर से आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में कहीं।

देवकी नंदन जी महाराज। अमृत विचार

कथा सुनने उमड़े श्रद्धालु। अमृत विचार

उन्होंने कहा कि सर्वेश्वरी श्री राधा रानी के गुणों का वर्णन कोई नहीं कर सकता, क्योंकि वे स्वयं प्रेम और करुणा की मूर्ति हैं। उनके चरणों की महिमा इतनी अनंत है कि उसे शब्दों में बांधना असंभव है। अपने शहर और मंदिर को स्वच्छ रखना हमारा कर्तव्य है। हमें अपने देश, अपने नगर और अपने मंदिरों को स्वच्छ रखना चाहिए। स्वच्छता केवल बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक भी होनी चाहिए — मन, वचन और कर्म से भी शुद्धता बनाए रखना ही सच्ची भक्ति है। भगवान सदैव अपने भक्तों के संकटों को हरने वाले हैं। जो भक्त श्रद्धा और विश्वास के साथ प्रभु का नाम लेते हैं, उनके जीवन से दुख, भय और क्लेश स्वतः दूर हो जाते हैं। जीवन में हमें अपने माता-पिता का सदैव सम्मान करना चाहिए, क्योंकि वे ही हमारे पहले गुरु हैं। उनके आशीर्वाद के बिना कोई भी सफलता स्थायी नहीं होती। कार्यक्रम में मुख्य रूप से शिव प्रकाश गुप्ता, जयमाला सिंह, प्रभा शकर वर्मा, पूनम पाण्डेय, विपिन बापजेई, डा. यूपी सिंह, राम विनय यादव, सतीश गुप्ता, अजय मिश्रा, अनिल श्रीवास्तव, नीरज वर्मा, रानी अवस्थी, वीरेन्द्र गुप्ता, नीलम सेंगर, माया सिंह, श्री भदौरिया, आभा गुप्ता, मीना शुक्ला, निर्मला त्रिपाठी, किरन तिवारी, अनु सेंगर, चन्द्र प्रभा मौजूद रहे ।

संत समागम, श्री राम कथा और गीता ज्ञान यज्ञ हुआ

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कराचीखाना स्थित राजस्थान भवन में महिला शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित 77वें वार्षिक अधिवेशन के तीसरे दिन संत समागम, श्रीराम कथा मृत वर्षा व गीता ज्ञान यज्ञ हुआ। वृन्दावन से आए भगवताचार्य स्वामी जगदीश्वरानंद ने सोहम मंत्र पर जानकारी दी। इंदौर से आए स्वामी नारायणानंद ने वेदांत पर बताया कि मानव शरीर के अस्वस्थ रहने का कारण जड़ चेतन की गांठ है, जिसे हमें खोलना है। सुदूर से आए संत-महात्मा ने सत्संग पर कहा कि बीपी शुगर का कारण टेंशन है। पं. आनन्द कुमार गौड़ ने गीता ज्ञान यज्ञ सम्पन्न कराया, जिसमें सैकड़ों भक्तों ने बढ़-चढ़कर विश्व कल्याण के लिए आहुतियां दीं। इस दौरान वृन्दावन से पं. दीपक कृष्ण, एमएलसी विधायक सलिल विश्नोई, कुंज बिहारी अग्रवाल, डॉ.उमेश पालीवाल, डॉ.एसपी अग्रवाल, डॉ.ब्रजबाला सिंघल, मीरा गर्ग, जानकी गुप्ता, मधु गुप्ता समेत आदि लोग रहे।

स्वामी नारायणानंद। अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

चेन पुलिंग से गंगा पुल पर 11 मिनट रुकी ट्रेन

शुक्लागंज। मंगलवार दोपहर कानपुर से लखनऊ की ओर जा रही लोकमान्य तिलक (एलटीटी) एक्सप्रेस में किसी यात्री द्वारा चेन पुलिंग कर देने से ट्रेन गंगा पुल पर रुक गई। अचानक हुई रुकावट से यात्रियों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना पर आरपीएफ ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की। करीब 11 मिनट बाद ट्रेन को पुनः संचालित किया गया और वह लखनऊ की ओर रवाना हो गई।

युवा उत्सव एवं विज्ञान मेला प्रदर्शनी 1 को

उन्नाव। युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल विभाग के द्वारा डीएसएन कॉलेज में 1 नवंबर को जिला स्तरीय युवा उत्सव के तहत सांस्कृतिक कार्यक्रम व विज्ञान मेला प्रदर्शनी आयोजित होगी। इसमें समूह नृत्य, समूह गायन, कहानी, लेखन, कविता लेखन, भाषण व पेंटिंग आदि विधाओं की प्रतियोगिताएं सम्पन्न होंगी। जिसमें प्रतिभाग करने वाले युवाओं की उम्र 1 सितम्बर 2025 को 15 से 29 वर्ष के मध्य होनी अनिवार्य है। इसमें युवा वैज्ञानिकों को अपने माडल/हुनर को दिखाने का अवसर मिलेगा। सर्वश्रेष्ठ 3 युवा वैज्ञानिक को पुरस्कृत कर जोन स्तर पर अपनी प्रतिभा को दिखाने का अवसर मिलेगा। इच्छुक कलाकार, प्रतिभागी, युवा वैज्ञानिक शिक्षण संस्थान में 31 अक्टूबर तक जिला कार्यालय विकास भवन प्रथम तल कक्ष संख्या-63, 64 में पहुंचकर आवेदन पत्र ले सकते हैं। प्रतिभागी युवाओं को माइ भारत पोर्टल पर रजिस्टर्ड किया जाना अनिवार्य है।

संचारी रोग नियंत्रण के लिए वृहद सफाई अभियान

शुक्लागंज। संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान के तहत मंगलवार को वार्ड 24 ब्रह्म नगर में व्यापक सफाई अभियान चलाया गया। पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे और ईओ मुकेश कुमार मिश्रा के निर्देश पर पालिका टीम सुबह से ही वार्ड में सक्रिय रही। सफाई कर्मियों ने मोहल्ले की सभी गलियों में झाड़ू लगाकर कूड़ा हटाया और नालियों की सिल्ट साफ कर प्रवाह दुरुस्त किया। अभियान के दौरान एंटी लार्वा रसायन व चूने का छिड़काव भी कराया गया, जिससे मच्छरों के प्रकोप को रोका जा सके। अभियान का उद्देश्य क्षेत्र में स्वच्छता बढ़ाते हुए संचारी रोगों के प्रसार पर नियंत्रण करना है।

'पवित्र जोड़ा साहिब' यात्रा का हुआ स्वागत

नवाबगंज। सिखों के 10वें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह जी और माता साहिब कौर जी की चरण पादुका को लेकर चल रही चरण सुहावा-पवित्र जोड़ा साहिब यात्रा का उन्नाव में आगमन हुआ। यह पवित्र यात्रा दिल्ली से चलकर उन्नाव व कानपुर होते हुए बिहार के पटना साहिब तक जाएगी। यात्रा का स्वागत लखनऊ-कानपुर हाईवे पर अजगैन के एसेंट-खालसा डिग्री कॉलेज में किया गया। कॉलेज प्रबंधक सरदार गुरुशरण सिंह ने इसे अपने और क्षेत्र के लिए बड़े सौभाग्य का विषय बताया। कहा कि यह पवित्र यात्रा श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी और पंच प्यारों की अगुवाई में दिल्ली से चली है। हजारों श्रद्धालुओं के लिए यह पवित्र चरण पादुका के दर्शन करने और आशीर्वाद प्राप्त करने का अवसर है। पूरे क्षेत्र में इस यात्रा को लेकर काफी उत्साह और आस्था का माहौल है।

डीएलएड की परीक्षा देने नहीं पहुंचे 243 परीक्षार्थी

उन्नाव, अमृत विचार। डीएलएड प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा जिले के चार परीक्षा केंद्रों में संपन्न हुई। जिसमें तीनों पालियों में 2285 में 2888 छात्र उपस्थित व 243 अनुपस्थित रहे। सीसीटीवी की निगरानी में होने वाली डीएलएड परीक्षा सुबह 10 से 11 बजे तक विज्ञान विषय की थी। जीजीआईसी उन्नाव, नवाबगंज, अचलगंज व श्याम लाल इंटर कॉलेज नवाबगंज में परीक्षा केंद्रों में 1059 पंजीकृत छात्रों में 976 उपस्थित व 83 अनुपस्थित रहे।

एक्सप्रेस-वे पर मवेशी बन रहे मानव जीवन को खतरा

फेंसिंग कटी होने से एक्सप्रेस-वे पर पहुंच रहे हैं आवारा व पालतू जानवर, तेज रफ्तार वाहनों के मवेशियों की चपेट में आने से हो रहे हादसे

संवाददाता, हसनगंज, उन्नाव

अमृत विचार। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे की कटी हुई तार फेंसिंग की वजह से आवारा व पालतू जानवर एक्सप्रेस-वे पर पहुंच जाते हैं जो हादसों का कारण बनते हैं। लगातार हो रही दुर्घटनाओं को देखकर भी जिम्मेदारों ने आंखों पर पट्टी बांध रखी है।

बता दें कि हसनगंज कोतवाली क्षेत्र से लेकर औरास तक लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे के किनारे की जाली कई जगह टूट गई है। इसके चलते आसपास के अन्ना व पालतू मवेशी एक्सप्रेस-वे पर पहुंच जाते हैं। कई बार इनसे हादसे भी हुए हैं लेकिन, अभी तक इन टूटी जालियों को दुरुस्त नहीं किया गया है। जानकारी के अनुसार, प्रदेश को देश भर में बेहतर कनेक्टिविटी के लिए लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस वे बनाया गया था। जिसमें करीब 11,527 करोड़ की लागत लगी थी। इससे प्रदेश की राजधानी लखनऊ से आगरा तक का सफर सुगम हो गया था। लेकिन इन कटी हुई फेंसिंग लाइनों से इस समय लोगों को इसमें साढ़े 3 घंटे के स्थान पर 6 घंटे का समय लग रहा है। आवारा व पालतू मवेशियों के चलते एक्सप्रेस-वे पर वाहनों की रफ्तार धीमी हो गई है।

कटी फेंसिंग से एक्सप्रेस-वे की ओर जाते मवेशी। अमृत विचार

एक्सप्रेस-वे पर उतर चुके हैं फाइटर प्लेन

हसनगंज, अमृत विचार। एक्सप्रेस-वे की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। इस पर चलने वाले आमजन के साथ वीआईपी व वीवीआईपी की जान को भी खतरा बना है। इस एक्सप्रेस-वे पर कई बार फाइटर प्लेन भी उतारे गए हैं। लोगों की मानें तो अगर कोई इमरजेंसी होती है और एक्सप्रेस-वे पर प्लेन उतारने की जरूरत पड़ी और मवेशी सड़क पर आ गया तो क्या होगा?

एक्सप्रेस-वे से गुजरते हैं वीआईपी व वीवीआईपी

एक्सप्रेस-वे पर रोज लाखों वाहन फर्राटा भरते हैं। इसमें सांसद, विधायक, मंत्री, वीआईपी व वीवीआईपी भी होते हैं। फेंसिंग चोरी होने से एक्सप्रेस-वे पर अन्ना व पालतू मवेशी पहुंच जाते हैं। ऐसे में कभी भी किसी वीआईपी व वीवीआईपी के साथ भी बड़ा हादसा हो सकता है।

शहर की सड़कों पर भी है छुट्टा मवेशियों का आतंक

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। शहर की मुख्य सड़कों व चौराहों पर छुट्टा मवेशियों का जमावड़ा यातायात समस्या व दुर्घटनाओं का कारण बन रहा है। दिन हो या रात बीच सड़क पर बैठे और घूमते मवेशी वाहन चालकों व राहगीरों के लिए बड़ी मुसीबत बन गए हैं। मवेशियों की धमाचौकड़ी से कई बार ट्रैफिक थम जाता है और जाम लगता है। खासकर भीड़भाड़ वाले इलाकों जैसे बड़ा चौराहा, छोटा चौराहा, आवास विकास कालोनी, आईबीपी व हिरन नगर सहित अन्य जगह स्थिति सबसे खराब होती है। ये मवेशी सिर्फ यातायात ही बाधित नहीं कर रहे बल्कि जानलेवा हादसों का कारण भी बन रहे हैं। शनिवार को आसीवन क्षेत्र में एक घटना सामने आई थी। जहां छुट्टा मवेशी के हमले से एक किसान की मौत हो गई थी। इस घटना ने इन मवेशियों के आतंक की गंभीरता को और बढ़ा दिया है। रात के समय कम रोशनी में सड़क पर बैठे पशु अक्सर दिखाई नहीं देते जिससे तेज रफ्तार वाहन उनसे टकरा जाते हैं और हादसे हो जाते हैं। सुबह और शाम के समय जब ट्रैफिक सबसे ज्यादा होता है तब ये मवेशी बीच सड़क पर बैठ जाते हैं।

आईबीपी चौराहा में सड़क के बीचोबीच खड़े छुट्टा मवेशी। अमृत विचार

नगर पालिका ईओ संजय गौतम ने बताया कि अभियान चलाकर मवेशियों को पकड़कर गौशालाओं में भेजा जाता है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही फिर से अभियान शुरू किया जाएगा। ताकि जनता को इस समस्या से निजात मिल सके।

मोंथा तूफान का असर रुक-रुककर हुई बारिश

रामबख्श खेड़ा गांव में पकी खड़ी धान की फसल। अमृत विचार

शुक्लागंज, अमृत विचार। दक्षिण एवं पूर्वी भारत में सक्रिय चक्रवाती तूफान मोंथा का असर गंगाघाट क्षेत्र के मौसम पर भी दिखाई दे रहा है। सोमवार को दिनभर सूर्य के दर्शन नहीं हुए, वहीं मंगलवार को भी लगातार बादल छाए रहे और रुक-रुककर बूंदाबांदी होती रही। दिनभर ठंडी हवाएं चलने से सिहरन बढ़ गई और लोगों को अक्टूबर के आखिर में ही सर्दी जैसा अहसास होने लगा। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसी स्थिति जारी रही तो रबी सीजन की बुवाई पर भी असर पड़ेगा। खेतों में अत्यधिक नमी होने से जुताई और पाटा कार्य रुका पड़ा है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले एक-दो दिन तक बादलों का डेरा बना रह सकता है और हल्की बारिश की संभावना बनी हुई है।

किशोर को आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में दो लोग गिरफ्तार, गए जेल

उन्नाव, अमृत विचार। सदर कोतवाली क्षेत्र मदऊ खेड़ा गांव निवासी किशोर ने जहरीला पदार्थ निगलकर जान दी थी। इस मामले में परिजनों ने गांव के दूसरे मजरा निवासी वृद्ध व उसके परिजनों पर गंभीर आरोप लगाये थे। इसके बाद पुलिस ने वृद्ध सहित दो लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

बता दें कि डीह गांव के मजरा मदऊखेड़ा निवासी संजू का 14 वर्षीय बेटा ऋत्विक यादव कक्षा 9 का छात्र था। गांव निवासी उसके चाचा श्रवण पुत्र राम दुलारे ने कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में बताया था कि ऋत्विक 17 अक्टूबर को गांव के मजरा हिन्दूखेड़ा गांव से निकल रहा था। तभी उसी गांव निवासी विशंभर के घर के सामने निकलते समय उसका कुत्ता ऋत्विक पर भौंकने लगा। इसे लेकर विशंभर व ऋत्विक में कहासुनी हुई थी। आरोप है कि इसी खुन्नस को लेकर 18 अक्टूबर को विशंभर ने अपने दो रिश्तेदार युवकों अमन व अभिषेक के साथ पहुंचकर ऋत्विक को प्रताड़ित किया। इससे क्षुब्ध होकर 19 अक्टूबर को उसने जहरीला पदार्थ निगल लिया। जानकारी पर परिजन उसे एक निजी अस्पताल लाए थे। जहां हालत में सुधार न होने से कानपुर ले जाते समय उसने दम तोड़ दिया था। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर 21 अक्टूबर को पोस्टमार्टम कराया था। लेकिन बुधवार को परिजनों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर शव का अंतिम संस्कार करने से मना कर दिया था। सपा जिलाध्यक्ष सहित अन्य नेताओं ने गांव पहुंचकर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की थी। हालांकि सीओ दीपक यादव के आश्वासन पर गुरुवार को अंतिम संस्कार हुआ था। वहीं दो दिन पूर्व सपा के प्रदेश प्रवक्ता पूर्व एमएलसी सुनील साजन ने भी एसपी से मिलकर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की थी। इसके बाद कोतवाली पुलिस ने मंगलवार को विशंभर त्रिपाठी (68) पुत्र स्व. बाबूलाल व अमन पुत्र विनोद त्रिपाठी को आत्महत्या के लिये उकसाने के मामले में दोनों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया।

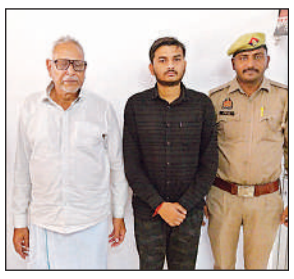

पुलिस गिरफ्त में आरोपी। अमृत विचार

काकोरी प्रकरण में साजिश का आरोप लगा जताई नाराजगी

बैठक में मौजूद वैश्य महासमिति के पदाधिकारी। अमृत विचार

सफीपुर, अमृत विचार। काकोरी प्रकरण को लेकर भारतीय दोसर वैश्य महा समिति ने समाजों के बीच वैमनस्य फैलाने की साजिश बता तीखी प्रतिक्रिया दी है। महा समिति का कहना है कि एक गरीब व दलित व्यक्ति को आगे कर एक सम्मानित वैश्य परिवार को झूठे आरोप में फंसाया जा रहा है। संगठन ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से एसआईटी जांच की मांग करते हुए चेतावनी दी कि न्याय न मिलने पर वैश्य समाज सड़कों पर उतर सकता है। भारतीय दोसर वैश्य महासमिति के नगर अध्यक्ष सर्वेश गुप्ता व भारत विकास परिषद शाखा सफीपुर के नेतृत्व में बैठक कर विरोध जताया गया। नगर अध्यक्ष ने वीरांगना ऊदादेवी, महाराजा बिजली पासी व राजा सुहेलदेव को याद करते हुए दलित समाज से अपील की कि किसी साजिश का हिस्सा न बनें। इसमें ओम प्रकाश गुप्ता (अध्यक्ष भारत विकास परिषद), राकेश गुप्ता, उमेश गुप्ता, बैंकेलाल गुप्ता सभासद, हरि पाल सिंह, अवधेश गुप्ता, संजीव गुप्ता पूर्व सभासद, अभिषेक गुप्ता, पूनम गुप्ता, राम जी गुप्ता, शरद व परिषद के पदाधिकारी शामिल रहे।

निराला प्रतिमा का होगा सौंदर्यीकरण

अमृत विचार IMPACT

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। शहर के बड़ा चौराहा स्थित महान साहित्यकार सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की प्रतिमा का जल्द कायाकल्प होगा। नगर पालिका ने प्रतिमा के जीर्णोद्धार के लिए करीब छह लाख का बजट स्वीकृत किया है।

बता दें कि यह फैसला तब लिया गया जब अमृत विचार ने बीती 2 अक्टूबर के अंक में 'आज यहां झाड़ू लगाने को जुटेंगे जनप्रतिनिधि' शीर्षक के साथ महापुरुषों की प्रतिमाओं की खराब हालत के मुद्दे से संबंधित खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रवीण मिश्रा भानू ने बताया कि स्वीकृत बजट से प्रतिमा पर छत्र लगाया जाएगा। साथ ही रेलिंग व जीना दुरुस्त किया जाएगा। इसके अलावा रंग-रोगन व लाइटिंग की व्यवस्था भी की जाएगी।

तो आज यहां झाड़ू लगाने को जुटेंगे जनप्रतिनिधि

2 अक्टूबर को अमृत विचार में प्रकाशित खबर। अमृत विचार

तालाब में नहा रहा युवक डूबा

शुक्लागंज। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के आजाद नगर में मंगलवार दोपहर एक युवक तालाब में नहाते समय गहरे पानी में डूब गया। आजाद नगर बाजार मार्ग निवासी स्व. लक्ष्मण निषाद का 32 वर्षीय बेटा नीरज निषाद मजदूरी करने के साथ कबाड़ा भी चलाता था। मंगलवार दोपहर करीब दो बजे वह धोबिन पुलिया स्थित तालाब के किनारे पहुंचा। चप्पल और कपड़े उतारकर जैसे ही वह तालाब में उतरा, अचानक गहरे पानी में चला गया।

नीरज (फाइल फोटो)

सिटी डायरी

रोजगार मेले में 150 से अधिक बेरोजगारों को मिले चयन पत्र

डीएसएन कॉलेज में आयोजित रोजगार मेले में मौजूद अभ्यर्थी।

उन्नाव। डीएसएन कॉलेज परिसर में रोजगार मेला व कैरियर काउंसिलिंग कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें 400 से अधिक युवाओं ने भाग लिया। मेले में 7 प्रमुख कंपनियों ने भाग लिया। इसमें 150 से अधिक उम्मीदवारों को चयन पत्र दिये गए। डीएसएन कॉलेज एवं जिला सेवायोजन कार्यालय के तत्वावधान में आयोजित मेले में मुख्य अतिथि प्रोफेसर दीप्ति खरे, प्राचार्य डॉ. राजेश श्रीवास्तव, प्रभारी डॉ. अनिल कुमार, सहायक रोजगार अधिकारी आस्था सिन्हा ने युवाओं को प्रेरित किया तथा मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. तूलिका रानी ने विशेष व्याख्यान दिया। मेले में 7 कंपनियों ने स्टॉल लगाए। जिनमें देवीदयाल इंडस्ट्रीज लिमिटेड (बलवल, हरियाणा), यूनाइटेड ग्रंग्स इंडिया, एलआईसी (लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन) आदि प्रमुख औद्योगिक इकाइयां शामिल रहीं।

गबन के मामले में बार अध्यक्ष ने दी तहरीर

उन्नाव। बार एसोसिएशन में चैंबर निर्माण में हुए 76.22 लाख के घोटाले को लेकर पूर्व अध्यक्ष व पूर्व महामंत्री के विरुद्ध बार एसोसिएशन अध्यक्ष ने कोतवाली में तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की है। इसके बाद बार एसोसिएशन का विवाद अधिक गहरा गया है। वहीं पूर्व अध्यक्ष पहले ही एसपी से जांच के बाद कार्रवाई की मांग कर चुके हैं। उन्नाव बार एसोसिएशन अध्यक्ष गिरीश मिश्रा ने बताया कि बीते साल के अध्यक्ष सतीश शुक्ला व महामंत्री ने अरविंद दीक्षित ने अन्य सहयोगियों के साथ अधिवक्ता भवन व चैंबर निर्माण में धन गबन किया था। इसके लिए सदन में कई बैठकें हुईं। इसमें 76.22 लाख के धन का गबन हुआ था। बीती 24 सितंबर की बैठक में पूर्व अध्यक्ष व पूर्व महामंत्री को प्रस्ताव पारित कर बर्खास्त करने के साथ एक माह में गबन की गई राशि जमा न करने पर एफआईआर कराने का निर्णय लिया गया था। बीती 27 अक्टूबर को सदन में एफआईआर दर्ज कराने का प्रस्ताव पास हुआ था। इसके बाद बार एसोसिएशन अध्यक्ष गिरीश मिश्रा ने सदर कोतवाली में पूर्व अध्यक्ष सतीश शुक्ला व पूर्व महामंत्री अरविंद दीक्षित व उनके सहयोगियों के विरुद्ध तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की है। उनके साथ महामंत्री अनुज बाजपेई, पूर्व अध्यक्ष कमलेश सिसौदिया, राम सुमेर सिंह, पूर्व महामंत्री बृजेंद्र मोहन, अजय गौतम, रश्मि अग्निहोत्री आदि रहे। वहीं पूर्व अध्यक्ष सतीश शुक्ला ने गबन के आरोपों को नकारते हुए इसे उन्हें चुनाव लड़ने से रोकने की साजिश बताया है। वे सोमवार को एसपी से अपना पक्ष रखते हुए जांच के बाद कार्रवाई की मांग कर चुके हैं।

भूमि व गेस्ट हाउस को लेकर फिर हुआ विवाद

उन्नाव। सदर कोतवाली क्षेत्र के हाइवे स्थित एक गेस्ट हाउस व उससे सटी भूमि को लेकर दो पक्षों में लंबे समय से विवाद चल रहा है। बता दें कि हाइवे पर बने एक गेस्ट हाउस की कीमत मौजूदा समय में करोड़ों में है। इस पर आवास-विकास कॉलोनी निवासी सुशील शुक्ला व कमलापति इंटर कॉलेज के प्रबंधक सुरेंद्र बाजपेई अपना - अपना कब्जा बताते हैं। जिसको लेकर पहले भी दोनों पक्षों आमने - सामने आ चुके हैं। इसमें कब्जेदारी, तोड़फोड़ की रिपोर्ट भी दर्ज हो चुकी है। मंगलवार को सुशील कुमार ने बताया कि बेटी की सास की मौत होने से वह परिवार सहित मुंबई गए थे। मंगलवार को जब वह लौटे तो देखा किन गेट का ताला टूटा है। अंदर तीन महिला, दो पुरुष मौजूद थे। जिन्होंने बताया कि प्रबंधक सुरेंद्र बाजपेई के शुक्लागंज में रहने वाले रिश्तेदार प्रभात शुक्ला ने हम लोगों को रखा है। उनके मुताबिक प्रभात की चार बीघा जमीन अलग पड़ी है, उनसे कोई लेनादेना नहीं। सुरेंद्र से हमारा कब्जे को कोर्ट में केस चल रहा है। इस पर उन्होंने पीआरवी को बुलाया। उनकी सूचना पर कोतवाली पुलिस व सीओ सिटी दीपक यादव भी पहुंचे। कोतवाल संजीव कुशवाहा ने बताया कि दोनों पक्षों को कागजों के साथ एसडीएम के पास बुधवार को बुलाया गया।

चक्की के पट्टे में फंसकर किशोर की मौत

हसनगंज, उन्नाव, अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र के धौरा गांव में आटा चक्की के पट्टे में फंसकर एक किशोर की मौत हो गई। मंगलवार को गांव निवासी पिंटू की आटा चक्की में प्रकाश का 13 वर्षीय बेटा सरस अचानक चलती चक्की के पट्टे में फंस गया। जब तक चक्की बंद की जाती तब तक सरस पट्टे के साथ फंसकर चक्के पर घूम गया और गर्दन फंसने से मौके पर ही उसकी मौत हो गई। इसकी सूचना से परिजनों में कोहराम मच गया। उसकी मौत से मां प्रकाशिनी, बहन अंशिका, वंशिका समेत अन्य का रो-रोकर बुरा हाल है। मोहान चौकी इंचार्ज अनिल साहू ने बताया कि चक्की के पट्टे में फंसने से बच्चे की मौत हुई है। कार्यवाही की जा रही है।

शराब के नशे में गिरने से युवक की गई जान

उन्नाव, अमृत विचार। दही थानाक्षेत्र के शिव नगर मोहल्ला में किराए का कमरा लेकर रह रहे फैक्ट्री श्रमिक को घायल हालात में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। आसीवन के खैराबाद गांव निवासी अश्वनी पांडेय (30) दही औद्योगिक क्षेत्र की एक चर्म फैक्ट्री में श्रमिक था। वह शिव नगर मोहल्ला में किराए का कमरा लेकर करीब एक माह से रहता था। वह शराब पीने का लती था। सोमवार को वह नशे में था। इसी में वह फर्श पर गिरकर घायल हो गया था। जिसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। करीब 6 घंटे के इलाज के बाद उसकी मौत हो गई। इसकी खबर मिलने पर गांव से उसका बड़ा भाई निर्मल पहुंचा तो शव उसे मोर्चरी में मिला।

आस्था

उगते सूर्य को अर्घ्य देकर सम्पन्न हुआ छठ महापर्व, सुबह चार बजे से ही गंगा तट पर उमड़ा जनसैलाब

कांच ही बांस के बहंगिया, बहंगी लचकत जाए...

संवाददाता, शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार। चार दिनों तक चलने वाले लोकआस्था के पर्व छठ का मंगलवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर विधि-विधान के साथ समापन हो गया। तड़के 4 बजे से नगर के विभिन्न मोहल्लों से महिलाएं-परिवारजन कलश और डाला सिर पर रखकर जयछठ मइया के गीतों के साथ गंगा तट की ओर रवाना होती रहीं। गंगाघाट पर पहुंचकर श्रद्धालुओं ने पूजा की तैयारी की और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य समर्पित कर परिवार की समृद्धि, संतान की दीर्घायु व सुख-शांति की कामना की।

गंगा तट पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़। अमृत विचार

पूजन के दौरान सेल्फी लेतीं महिलाएं। अमृत विचार

मंगलवार सुबह गंगा तटों का नज़ारा पूरी तरह आस्था में डूबा दिखाई दिया। चौकी पर खड़ी व्रती महिलाओं ने कमर तक पवित्र गंगा जल में खड़े होकर छठ मइया का पुजन-अर्चन किया। आसमान में हल्के बादल छाए रहने के कारण कुछ देर तक सूर्य दर्शन नहीं हुए, लेकिन परम्परानुसार श्रद्धालुओं ने सूर्योदय के समय के अनुरूप ही पूजा-अर्चना की। इसके बाद घाट पर ही प्रसाद वितरण किया गया। घाटों पर आतिशबाजी और भक्ति संगीत के संग पूरा माहौल उल्लास एवं आध्यात्मिकता से सराबोर रहा। पूजन-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे को प्रसाद वितरित किया। महिलाओं ने व्रत कथा साझा की और मंगलगीतों की स्वर लहरियों से गंगा तट देर तक गुंजायमान रहा।

चंद्रशेखर आजाद (लिली) पार्क पर महिलाओं ने दिया अर्घ्य

चंद्रशेखर आजाद (लिली) पार्क में उगते सूर्य को अर्घ्य देतीं महिलाएं। अमृत विचार

उन्नाव। उगते सूर्य को अर्घ्य देने और पूजन अर्चन के साथ ही पिछले चार दिनों से चले आ रहे छठ पर्व का समापन हो गया। आवास विकास कालोनी के चंद्रशेखर आजाद (लिली) पार्क पर महिलाओं की भीड़ रही। महिलाओं ने पति व पुत्र की लंबी उम्र की कामना की। शहर के मोहल्ला पीतांबर नगर, कृष्णा नगर, आवास विकास आदि के करीब 50 परिवार छठ पूजा करते हैं। छठ पूजा के लिए चंद्रशेखर आजाद पार्क में कृत्रिम तालाब बनाया गया था।

हमें अपने संकल्प पर विश्वास करना चाहिए और उस पर टिके रहना चाहिए।
-अटल बिहारी बाजपेयी, पूर्व प्रधानमंत्री

चुनावी स्वच्छता अभियान

देश के 12 राज्यों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के दूसरे चरण की घोषणा भारतीय लोकतंत्र की चुनावी प्रक्रिया में विश्वसनीयता और पारदर्शिता के लिहाज से अत्यंत महत्वपूर्ण है। मतदाता सूची की शुद्धता, सटीकता ही निष्पक्ष चुनाव की नींव होती है और इस दृष्टि से यह कदम लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूत करेगा। यह केवल एक प्रशासनिक कवायद नहीं, बल्कि जनप्रतिनिधि प्रणाली की शुद्धिकरण का भगीरथ प्रयास है। उत्तर प्रदेश को केंद्र में देखें तो इस पहल का महत्व और भी बढ़ जाता है। देश का सबसे बड़ा राज्य होने के नाते, यहां के मतदाता आंकड़े चुनावी समीकरणों को निर्णायक रूप से प्रभावित करते हैं। वर्तमान में उत्तर प्रदेश में लगभग 16 करोड़ मतदाता हैं। निर्वाचन आयोग के अनुमान के अनुसार, इस पुनरीक्षण प्रक्रिया में करीब 25 लाख नए मतदाता जुड़ने की संभावना है, जबकि 12 लाख नामों के हटने की आशंका है। इनमें मुख्यतः मृतकों, दोहराए गए नामों या स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटेंगे। बेशक यह प्रक्रिया राज्य के लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व को अधिक विश्वसनीय बनाएगी।

पिछले 21 वर्षों से इस स्तर का व्यापक पुनरीक्षण न होना चिंता का विषय रहा है। इसके पीछे तकनीकी सीमाएं, प्रशासनिक उदासीनता और राज्यों के बीच समन्वय की कमी तथा परिस्थिति विशेष जैसे कारण बताए गए, लेकिन अब डिजिटल वेरिफिकेशन, आधार लिंकेज, मोबाइल ऐप आधारित फील्ड एंट्री और ऑनलाइन शुद्धिकरण प्रणाली जैसी नई तकनीक ने इस प्रक्रिया को तेज, पारदर्शी और किंचित सरल तथा त्रुटि-मुक्त बनाया है। इससे फर्जी वोटर पहचानने, दोहराव रोकने और स्थानांतरित मतदाताओं को सही बूथ पर दर्ज करने में मदद मिलेगी, पर पूरी तरह शुद्ध सूची सुनिश्चित करने के लिए आयोग को निरंतर निगरानी और त्रिस्तरीय सत्यापन प्रणाली लागू करनी होगी। फील्ड वेरिफिकेशन टीमों को प्रशिक्षण और पूरी जवाबदेही के साथ काम करना होगा, विपक्ष के 'वोट चोरी' के आरोपों का तथ्यात्मक उत्तर इससे दिया जा सकेगा। आयोग के अनुसार प्रक्रिया निष्पक्ष है। बिहार में हालिया पुनरीक्षण के दौरान 65 लाख नाम हटाए और 48 लाख नए मतदाता जोड़े गए, लगभग 40 हजार संदिग्ध प्रवासी मतदाताओं की पहचान की गई। असम को इस सूची से फिलहाल बाहर रखा गया है, क्योंकि वहां राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर और मतदाता सूची का तालमेल जटिल है। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल की सरकारों की तकनीकी हस्तक्षेप और डेटा गोपनीयता की आपत्तियों पर आयोग ने इन राज्यों को आश्वस्त किया है कि मतदाता सूची से जुड़ा हर डेटा सुरक्षित रहेगा और राज्य सरकारों को सत्यापन प्रक्रिया में बराबर भागीदारी दी जाएगी। फिर भी राजनीतिक विवाद अनिवार्य है।

कुल मिलाकर, मतदाता सूची को अद्यतन करने का यह विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम लोकतंत्र की आत्मा को निर्मल रखने का यह प्रयास है, जो वोट के अधिकार को सुरक्षित बनाने के साथ उस जनविश्वास को भी सुदृढ़ करता है, जिस पर लोकतांत्रिक शासन की इमारत खड़ी है, जिसकी सफलता नागरिकों की जागरूकता और आयोग की निष्पक्षता दोनों पर समान रूप से निर्भर करती है।

प्रसंगवश

संघ का मंत्रः राष्ट्रधर्म और निःस्वार्थ सेवा

एक अद्भुत संरचना, त्याग और निःस्वार्थ सेवा का भाव, संघ को अन्य संस्थाओं से अलग व पवित्र बनाता है। संघ आज अपने सौ वर्ष का चक्र पूरा करने के उपलक्ष्य में शताब्दी वर्ष मना रहा है। अत्यंत सरलता व सादगी के साथ। वर्तमान समय की परिस्थितियों को देखने-विचारने के पश्चात, एक गहन चिंतन से शोधित करते हुए, सघन विचार-विमर्श से परिष्कृत करने के उपरांत संघ ने समाज को पांच परिवर्तन का विचार दिया। समाज को सुमार्ग पर लाने के लिए, अंदर से रक्षा तंत्र का मजबूत करते हुए राष्ट्र धर्म का हितैषी संघ आज 'शताब्दी वर्ष' की प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्र चिंतन के प्रति समर्पित है।

गौरव शर्मा 'जौली'
लेखक

अनेक बुद्धिजीवियों, विचारकों, समाजसेवकों, संगठनों के विचार, विगत 3-4 बरसों से लिए जा रहे थे। तदुपरांत बैठकों में सभी विचारों को समाहित किया गया और पंच परिवर्तन का विचार संघ ने हिंदू समाज के सामने रखा। असंतोष को जन्म देकर ही वामपंथ अपनी जड़े मजबूत करता आया है। वामपंथी विचारधारा के लिए 'जात-पात' सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। शूद्र, ठाकुर, बनिया, ब्राह्मणवाद जैसे शब्द वामपंथ के तरकश में रखे अलौकिक तीर हैं, जो राष्ट्र की भावना को भेद देते हैं। राष्ट्र भावना की जड़ में है शास्त्र, वेद, ऋचाएं। ये सभी को संस्कार से जोड़ती हैं। संस्कार का मार्ग, धर्म के आंगन में खुलता है। धर्म ही हमें सनातन रूपी अलौकिक सत्ता से रूबरू करवाता है। सनातन से साक्षात्कर होते ही हम अपनी जननी मातृभूमि मां भारती के ऋण को चुकाने हेतु सत्कर्म प्रारंभ कर देते हैं। वामपंथ झूठे नैरेटिव गढ़ते हुए सनातन को मार्ग से विचलित करने का कार्य पिछले 70 बरसों से करता आ रहा है, किंतु हमारे शास्त्र शाश्वत हैं, सत्य हैं।

जिस रामायण को महान् ऋषि वाल्मीकि ने लिखा, वहीं हमारे मंदिर-मठों में स्वीकार्य है। जाति में श्रेष्ठ, किंतु संस्कार विहीन रावण का वध श्रीराम ने किया। सारा खेल संस्कारों का है। नई सनातन पीढ़ी को समरसता के माध्यम से समाज को मजबूत दिशा देने का प्रयास करेगा संघ। संवाद के माध्यम से सामंजस्य स्थापना के बाद परिवार को समाज से जोड़ देना ही संघ की प्राथमिकता है। इसके लिए, संघ भी अपना एक रोड मैप तैयार कर रहा है। 'सर्वभवन्तु सुखिनः सर्वे संतु निरामया' हमारे ऋषि-मुनियों ने एक ऐसी धरा क कल्पाना की थी, जो हरी भरी हो, जहां जन मानस सुख से जीवनयापन करता हो व निरोगी काया को प्रथम सुख बताते हुए, वसुंधरा के प्रति अपने कर्तव्यबोध का ज्ञान कराया था।

प्रत्येक राष्ट्र के निर्माण में उस देश के नागरिकों का चरित्र व राष्ट्र के प्रति संवेदना महत्वपूर्ण होती है। व्यक्ति निर्माण व प्रथम चरण हैं कर्तव्य बोध। किसी भी राष्ट्र का उत्थान व पतन का महत्वपूर्ण बिन्दु, उस राष्ट्र के व्यक्ति से जुड़ा होता है। सभ्यता, संस्कृति के लिए सजगता के साथ-साथ राष्ट्र के उत्थान के लिए कर्तव्य बोध होना परम आवश्यक है। भारत के मूल स्वरूप में उसकी संस्कृति है। धर्म है। वैदिक ज्ञान, वैदिक गणित, योगाचार्य आदि महत्वपूर्ण विषयों की जरूरत पूरा विश्व महसूस कर रहा है। एक लंबी अवधि के उपरांत भारतीय सरकार भी अपनी संस्कृति, सभ्यता को लेकर जागृत अवस्था में आई है। व्यक्ति निर्माण समाज की प्रत्यक्ष तौर पर प्रभावित करने वाली इकाई है। इन्हीं सब चिंतन के प्रत्येक नगर, बस्ती में स्वयंसेवक सामाजिक समीक्षा करने में लग्न है। ब्यौरा भी प्रांत व क्षेत्र स्तर तक भेजा जा रहा है। संघ एक बार पुनः 'जौहरी' की भूमिका अदा करते हुए सामाजिक रत्नों को शोधित करने का बीड़ा उठा रहा है।

नक्सलवादः वैचारिक मोर्चे पर भी जरूरी है प्रतिबद्धता

सर्वेश कुमार सिंह
स्वतंत्र पत्रकार

गृहमंत्री अमित शाह ने घोषणा कर दी है कि 31 मार्च 2026 तक 'नक्सलवाद मुक्त भारत' होगा। इसकी कल्पना भी एक दशक पहले तक संभव नहीं थी।

'लाल आतंक' पराभव की ओर है। वर्ष 2025 को माओवाद के सशस्त्र संघर्ष के अंत के रूप में यादि किया जाएगा। भारत में लाल आतंक का अंत असंभव मान लिया गया था। एक पूर्व प्रधानमंत्री ने हताशा प्रकट कर दी थी। कह दिया था, यह देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ी चुनौती है, लेकिन आत्मविश्वास से लबरेज और संकल्पबद्ध गृहमंत्री अमित शाह ने इस असंभव को संभव बना दिया है। गृहमंत्री शाह ने घोषणा कर दी है कि 31 मार्च 2026 तक 'नक्सलवाद मुक्त भारत' होगा। इसकी कल्पना भी एक दशक पहले नहीं थी कि कोई इतने आत्मविश्वास के साथ संकल्प दिवस की घोषणा कर देगा।

तारीख बताकर नक्सलवाद का अंत करेगा, लेकिन ऐसा होता दिखायी दे रहा है, क्योंकि चार दिन में यानी कि 14 से 17 अक्टूबर के बीच शीर्ष नक्सल कमांडरों के नेतृत्व में तीन सौ से अधिक नक्सलवादियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। हाथों में एसएलआर, एके 47 और इंसास राइफलें संभालने वाले नक्सवादी इन तीन दिनों के भीतर हाथों में गुलाब और संविधान की प्रतियां लेकर पुलिस और प्रशासन के सामने आ गए, लेकिन, सशस्त्र संघर्ष को परास्त करने के बाद भी वैचारिक मोर्चे पर समर शेष है।

डेढ़ करोड़ के इनामी नक्सलवादी कमांडर और वैचारिक प्रेरक की भूमिका निभाने वाले भूपति ने 15 अक्टूबर को गढ़चिरोली में हथियार डाल दिए। समर्पण करने वाले नक्सलवादियों की संख्या 60 थी। इसके एक दिन बाद ही छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में 210 नक्सलवादियों ने आत्मसमर्पण किया। यहां दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी सदस्य भास्कर उर्फ राजमन मंडावी, कमेटी प्रवक्ता रूपेश उर्फ विकल्प, रनीता, राजू सलाम के नेतृत्व में समर्पण हुआ। इसके साथ ही बस्तर में बीएसएफ के सामने नक्सलवादियों ने हथियार डाले। आंतरिक सुरक्षा की सबसे बड़ी चुनौती का सामना करके भारत सफलता के एकदम निकट है। यह चुनौती लगभग छह दशक से भारत की आंतरिक सुरक्षा चिंता की केंद्र बिन्दु बनी हुई थी, लेकिन चार दिन में तीन सौ से अधिक नक्सलवादियों के आत्मसमर्पण से यह उम्मीद बंधी है कि अब भारत ने इस चुनौती का सफलता से सामना कर लिया है। ये आत्मसमर्पण छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में शीर्ष माओवादी कमांडरों के नेतृत्व में हुए।

माओवादी विचार से प्रेरित नक्सलवाद की अब कमर टूट चुकी है। भूपति के आत्मसर्पण और उसके द्वारा अन्य साथियों को लिखे गए पत्रों से स्पष्ट है कि इनके वैचारिक प्रेरक ने तात्कालिक परिस्थियों को समझते हुए ही समर्पण का निर्णय लिया है। उसने अन्य साथियों को भी लिखा है कि अब सशस्त्र संघर्ष का समय नहीं है, परिस्थितियां अनुकूल नहीं है, इसलिए अहिंसा का रास्ता अपनाकर सामान्य जनजीवन में लौटना ही सही निर्णय होगा।

इस आतंक को संप्रग सरकार के कार्यकाल में 2010 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने देश की सुरक्षा के लिए सबसे बड़ी चुनौती करार दिया था, किंतु संयुक्त प्रगतिशील सरकार ने इसे जितनी बड़ी चुनौती बताया, उसके अनुपात में योजनाएं और अभियान पर्याप्त नहीं थे, बल्कि नक्सलवादियों के साथ आंध्र प्रदेश में वार्ता के लिए 2004 में एक तरफा कार्रवाई रोकने की नीति ने स्थिति को और अधिक भयावह बना दिया था। इसी का परिणाम था कि नक्सलवादियों ने कई जघन्य आतंकी घटनाओं को अंजाम दिया। इन घटनाओं से यह लगने लगा था कि लाल आतंक देश में बेलगाम है। वर्ष 2003 से 2013 का यह वही दौर था जब उन्होंने सुरक्षा बलों के काफिलों पर बड़े हमले किए थे। नक्सल आतंक 2013 में सबसे ज्यादा जिलों में व्याप्त था। उस समय देश के 126 जिले माओवादी हिंसा की घटनाओं से प्रभावित थे। अब 2025 की शुरुआत में यह संख्या घटकर 18 रह गई। मौजूदा समय में यह 11 जिलों तक सीमित है। इनमें भी सिर्फ तीन जिले ही अति प्रभावित की श्रेणी में हैं।

वर्ष 2013 में छत्तीसगढ़ के दरभा घाटी में घात लगाए बैठक नक्सलवादियों ने कांग्रेस नेताओं के काफिले पर हमला कर दिया था। इसमें 24 कांग्रेस नेता मारे गए थे। तेलुगू देशम पार्टी के नेता चंद्रबाबू नायडू पर 2003 में जानलेवा हमला किया गया था। दंतेवाड़ा में सीआरपीएफ के कैंप पर 2010 में हमला किया गया। इसमें 76 जवान शहीद हुए थे। नक्सलवादियों का यह सबसे बडा हमला था। उत्तर प्रदेश के चंदौली में नौगढ़ क्षेत्र में 20 नवंबर 2004 को पीएसी की गाड़ी को बारुदी सुरंग से उड़ा दिया गया था, इसमें 17 जवान शहीद हो गए थे। इसमें 12 जवान पीएसी के तथा 5 नागरिक पुलिस के थे।

गृह मंत्री अमित शाह ने आत्मविश्वास और सटीक योजना के साथ यह दृढ़ संकल्प व्यक्त किया है कि 31 मार्च 2026 तक देश नकस्लवाद मुक्त हो जाएगा, तो इस पर कोई संदेह नहीं होता। इसका कारण है कि जिस तेजी से नक्सली हथियार डाल रहे हैं। लाल गुलाब के फूल और संविधान हाथ में लेकर बाहर आ रहे हैं, उससे यह विश्वास होता है कि गृहमंत्री इस संकल्प को समय सीमा में या उससे भी पहले पूरा कर लेंगे।

जिस कुशलता और सुदृढ़ रणनीति के साथ केंद्र सरकार ने इस मोर्चे पर सफलता अर्जित की है, वह अमित शाह की दूरदर्शिता, कुशल रणनीतिक सूझबूझ और दृढ संकल्प को दर्शाता है। भारत की यह ऐसी उपलब्धि है, जिसे सुरक्षा की दृष्टि से तीन दशक की सबसे बड़ी घटना के रूप में देखा जा सकता है। यह लड़ाई किसी युद्ध से कम नहीं थी। इसमें जो जानें गईं, सरकारी संपत्तियों को जो नुक्सान हुआ, सरकारी धन का जो व्यय हुआ, वह किसी भी बाहरी युद्ध से कम नहीं था। नक्सलवाद ने पूर्वोत्तर और दक्षिण पूर्व के कई राज्यों में विकास को बाधित कर दिया था।

आमने

अगर किसी भी योग्य मतदाता का नाम सूची से हटाया गया तो टीएमसी लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करेगी। हम एक पारदर्शी वोटर लिस्ट के पक्ष में हैं। अगर किसी का नाम हटाने की कोशिश हुई, तो लोकतांत्रिक तरीके से विरोध प्रदर्शन होगा। दिल्ली में निर्वाचन आयोग का घेराव होगा।
-कुणाल घोष
प्रवक्ता, तृणमूल कांग्रेस

सामने

बंगाल में कोई भी फर्जी या अवैध मतदाता नहीं होना चाहिए। ममता बनर्जी सरकार एसआईआर से इसलिए डर रही है, क्योंकि उनके वोटबैंक में रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठिए शामिल हैं। टीएमसी को डर है कि अवैध मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हट जाएंगे।
-केया घोष, भाजपा नेता

'चिकन नेक' पर पाक की नापाक निगाह

दिग्विजय सिंह
कानपुर

भारत के विरोध में अंधे हो चुके मोहम्मद यूनुस 'चिकन नेक' के करीब द्वितीय विश्वयुद्ध की पुरानी पड़ चुकी हवाई पट्टियों के रखरखाव की जिम्मेदारी पाकिस्तान को सौंप सकते हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत से पिटने के बाद अब पाकिस्तान, भारत के मित्र देशों और पड़ोसियों से अपने सैन्य रिश्ते को मजबूत करने में जुट गया है। यह कोशिश भारत को चौतरफा घेरने की है। भारत के सऊदी अरब से गहरे रिश्ते हैं। पाकिस्तान ने पहले सऊदी अरब से सैन्य समझौता किया। इसमें तय हुआ कि एक देश पर हमला दोनों देशों के विरुद्ध युद्ध माना जाएगा। इस समझौते से पहले पाकिस्तान ने बांग्लादेश को भारत के विरुद्ध किया और अब मालदीव से सैन्य समझौता करके यह बताने का प्रयास कर रहा है कि वह भारत को चैन से बैठने नहीं देगा, हालांकि वह भूल रहा है कि भले ही बांग्लादेश को उसने अपने पाले में कर लिया है, लेकिन मालदीव और सऊदी अरब को लाख कोशिश के बाद भी भारत के विरुद्ध नहीं कर पाएगा।

इंडिया आउट का नारा देकर मालदीव की सत्ता में आए मोहम्मद मुइज्जू ने पहले तो भारत के विरुद्ध खूब जहर उगला था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक दांव ने उन्हें घुटने टेकने के लिए मजबूर कर दिया था। अब वे भारतीय नेतृत्व का गुणगान कर रहे हैं। बांग्लादेश और भारत के रिश्ते हमेशा मजबूत रहे हैं, लेकिन वहां की प्रधानमंत्री शेख हसीना के तख्तापलट के बाद पाकिस्तान को वहां जड़ें जमाने का मौका मिल गया, क्योंकि मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस की नीतियां भारत विरोधी रही हैं और वे अब कट्टरपंथियों के हाथ की कठपुतली बन गए हैं। यही वजह है कि बड़े पैमाने पर बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है। मोहम्मद यूनुस लगातार भारत विरोधी बयान दे रहे हैं और कई बड़े प्रोजेक्ट को रद्द भी कर चुके हैं।

पाकिस्तान के दूसरे सबसे बड़े ताकतवर सैन्य कमांडर ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टॉफ कमेटी के चेयरमैन जनरल साहिर शमशाद मिर्जा ने यूनुस के साथ बैठक की। यूनुस ने उन्हें एक विवादित नक्शा दिया, जिसमें भारत के कुछ हिस्से को बांग्लादेश का बताया गया है। भारत के विरोध में अंधे हो चुके मोहम्मद यूनुस किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। कहा जा रहा है कि वे चिकन नेक के करीब द्वितीय विश्वयुद्ध की पुरानी पड़ चुकी हवाई पट्टियों के रखरखाव की जिम्मेदारी पाकिस्तान को सौंप सकते हैं।

हाल ही में बांग्लादेश के सेना प्रमुख वकार जमा ने इन हवाई पट्टियों का दौरा किया था। जनरल साहिर शमशाद इसी सिलसिले में वहां जाना चाहता है, हालांकि अभी ये अटकलें हैं कि पाकिस्तान को हवाई पट्टियां सौंपी जा सकती हैं, लेकिन बांग्लादेश के हुक्मरानों का भारत के प्रति जो रवैया है उससे लगता है कि अटकलें सही हो सकती हैं। अगर ऐसा होता है तो भारत के लिए यह रणनीतिक रूप से अच्छा नहीं होगा।

चिकन नेक को सिलीगुड़ी कॉरिडोर भी कहा जाता है। भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाला अत्यंत महत्वपूर्ण और रणनीतिक रूप से संवेदनशील यह मार्ग काफी संकरा है। भारत सरकार ने यहां सेना, वायुसेना, रडार और मिसाइलों की तैनाती कर रखी है। यह भारत को चीन की चुंबी घटी के संदर्भ में रणनीतिक बढ़त देता है। भारत, नेपाल, बांग्लादेश और भूटान के बीच स्थित होने के कारण इसे संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है। बांग्लादेश की सत्ता में बैठे जिम्मेदार लोगों द्वारा इस चिकन नेक को लेकर दिए जाने वाले बयानों से भारत सरकार और हमारी सेना सतर्क है।

पिछले दिनों असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बांग्लादेश को सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए कहा था कि बांग्लादेश की दो-दो चिकन नेक को तोड़ दिया जाएगा। उनका इशारा बांग्लादेश के चटगांव और रंगपुर इलाकों को लेकर था। यह भी जानना जरूरी है कि पिछले एक साल से पाकिस्तान के सैनिक बांग्लादेशी सेना को प्रशिक्षित कर रहे हैं। कहा तो यह भी जा रहा है कि द्वितीय विश्वयुद्ध की पुरानी पड़ चुकी हवाई पट्टियों पर अमेरिका की भी नजर है। वह भी चाहता है कि बांग्लादेश की ये हवाई पट्टियां उसे मिल जाएं, ताकि वह यहां अपना एयरबेस बनाकर चीन और भारत पर नजर रख सके। अमेरिका के स्पेशल फोर्सेज के कमांडो की मौजूदगी भी बांग्लादेश में है, ऐसी चर्चाएं लगातार हो रही हैं।

जनरल साहिर शमशाद मिर्जा ने मालदीव की यात्रा की है। जनरल ने मालदीव से सैन्य संबंधों को और बढ़ाने पर चर्चा की है। मालदीव के राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि मुइज्जू और मिर्जा के बीच चर्चा दीर्घकालिक द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर केंद्रित रही। मुइज्जू भारत का विरोध करके ही सत्ता में आए थे। उन्होंने भारत के विरुद्ध अकड़ भी खूब दिखाई थी, लेकिन जब भारतीय पर्यटकों ने मालदीव से मुंह मोड़ लिया तो उनकी अकड़ ढीली हो गई, क्योंकि मालदीव की अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान भारतीय पर्यटकों का है।

अब मुइज्जु और उनकी सरकार के मंत्री भारत का विरोध करने से बचते हैं। ऐसे में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना के हाथों पिटे पाकिस्तान के साथ वे भारत विरोधी किसी गतिविधि का हिस्सा बनेंगे, यह मुश्किल है। वैसे तो सऊदी अरब से रक्षा समझौता करने के बाद पाकिस्तान के हुक्मरानों ने बड़े-बड़े दावे किए थे, लेकिन अफगानिस्तान से हुए संघर्ष में इस समझौते की हवा निकल गई थी।

सोशल फोरम

एक 'नींद' ने सुलझा दी गणित की गूढ़ समस्या

कोलंबिया विश्वविद्यालय में गणित के एक कोर्स के दौरान एक छात्र कक्षा में सो गया, जब उसकी नींद खुली, तो उसने देखा कि प्रोफेसर ने व्हाइट बोर्ड पर दो समस्याएं लिखी थीं। उसने सोचा कि ये होमवर्क है, इसलिए वह उन्हें अपनी नोटबुक में नोट करके घर ले गया।

ट्रवेल प्वाइंट
फेसबुक

जब उसने उन समस्याओं को हल करने की कोशिश की, तो वे उसे बेहद कठिन लगीं, लेकिन उसने हार नहीं मानी। घंटों लाइब्रेरी में बैठकर उसने संदर्भ पुस्तकों की मदद से अध्ययन किया और अंततः वह एक समस्या को हल करने में सफल हो गया, भले ही यह काफी चुनौतीपूर्ण था। अगले दिन कक्षा में प्रोफेसर ने जब होमवर्क के बारे में कुछ नहीं पूछा, तो वह चकित हुआ और खड़े होकर पूछा, "सर, आपने पिछले लेक्चर में दिए गए असाइनमेंट के बारे में कुछ क्यों नहीं पूछा?"

प्रोफेसर ने उत्तर दिया, "असाइनमेंट? वो तो मैंने केवल ऐसे उदाहरण के तौर पर लिखी थीं, जिन्हें अभी तक वैज्ञानिक हल नहीं कर पाए हैं।"

छात्र चौंक गया और बोला, "लेकिन मैंने उनमें से एक को हल कर लिया है! मैंने इस पर चार पेपर भी लिखे हैं।" उसकी इस उपलब्धि को बाद में मान्यता मिली और कोलंबिया विश्वविद्यालय में उसके लिखे चारों पेपर आज भी प्रदर्शित हैं।

इस छात्र का नाम था जॉर्ज डैंटजिग और यह समस्या Math Stack Exchange से ली गई थी। डैंटजिग ने यह सिद्ध किया कि Student's t-test के संदर्भ में, एकमात्र तरीका, जिससे हम ऐसी hypothesis testing बना सकते हैं, जो standard deviation से स्वतंत्र हो, वह है एक निरर्थक परीक्षण, जो हमेशा समान संभावना से रिजेक्ट या एक्सेप्ट करता है जो व्यावहारिक नहीं है।

यह कहानी हमें बताती है कि उन लोगों की बात मत सुनो, जो कहते हैं कि तुम कुछ नहीं कर सकते। आज की पीढ़ी अक्सर निराशा और नकारात्मकता से घिरी होती है। कुछ लोग जानबूझकर दूसरों के भीतर असफलता और हार का बीज बोते हैं, लेकिन तुम्हारे पास अपनी मंजिल पाने की ताकत है, बाधाओं को पार करने की शक्ति है और अपने सपनों को साकार करने का साहस है। बस खुद पर विश्वास रखो और लगातार प्रयास करते रहो।

सामयिकी

एसआईआर की जरूरत और सियासत के सवाल

चुनाव आयोग एसआईआर (मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण) का दूसरा चरण शुरू करने जा रहा है। बारह राज्यों में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) होगा। बिहार के बाद अब चुनाव आयोग ने दूसरे चरण में उत्तर प्रदेश राजस्थान, मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ सहित देश के नौ राज्यों और तीन केंद्रशासित प्रदेशों में एसआईआर कराने जा रहा है। संबंधित राज्यों की मौजूदा वोटर लिस्ट फ्रीज हो गई है। एसआईआर प्रक्रिया शुरू हो गई है और सात फरवरी 2026 को खत्म होगी। इस दौरान चार नवंबर से चार दिसंबर तक बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) घर-घर जाकर फॉर्म भरवाने के साथ सत्यापन भी करेंगे। सात फरवरी 2026 को अंतिम मतदाता सूची जारी होगी। बीएलओ घर-घर जाकर जो गणना (एन्यूमरेशन) फॉर्म देंगे, इसमें मतदाता की हर डिटेल पहले से भरी होगी और फोटो लगानी होगी। इन राज्यों में 21 साल बाद एसआईआर की प्रक्रिया की जा रही है। इससे पहले 2002 से 2004 में एसआईआर किया गया था, इसलिए इस बार होने वाली पूरी प्रक्रिया में 2003 की वोटर लिस्ट को आधार बनाया जाएगा। चुनावी राज्य असम में अभी एसआईआर नहीं होगी। चुनाव आयोग के अनुसार असम के लिए अलग से रिवीजन ऑर्डर्स जारी किए जाएंगे और वहां अलग तारीख की घोषणा की जाएगी। अलबत्ता राजनीतिक दल मतदाता सूचियों पर लगातार सवाल उठा रहे हैं।

सुनील कुमार महला
स्वतंत्र पत्रकार

इस महाअभियान में एक दर्जन सूबों के करीब 51 करोड़ मतदाताओं के नाम की जांच की जाएगी और सात लाख से अधिक बूथ स्तरीय एजेंट (बीएलए) इस टास्क को अंजाम देंगे। इससे चुनाव आयोग को मतदाता सूची को अधिक सटीक और अद्यतन (अपडेट करने) बनाने में मदद मिलेगी। मृत, स्थानांतरित या दोहरी प्रविष्टियों (डबल एंट्रीज) को हटाकर पारदर्शिता बढ़ाई जानी है। एसआईआर अभियान एक मजबूत, निष्पक्ष और सहभागी लोकतंत्र की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। एक अच्छे लोकतंत्र की यही पहचान है कि उसकी चुनाव प्रक्रिया भरोसेमंद हो। एसआईआर के दौरान केंद्र या राज्य सरकार से जारी पेंशन का कागज सरकारी या स्थानीय निकाय, बैंक, पोस्ट ऑफिस, एलआईसी से जारी सर्टिफिकेट, जन्म प्रमाणपत्र, पासपोर्ट, शैक्षिक प्रमाणपत्र, स्थायी निवास प्रमाणपत्र, अधिकार प्रमाणपत्र, जाति प्रमाण पत्र, एनआरसी राज्य या स्थानीय निकाय का परिवार रजिस्टर, जमीन या आवास आवंटन सर्टिफिकेट, आधार जैसे दस्तावेज मान्य होंगे।

बिहार में जब चुनाव के लिए बहुत कम वक्त बचा था, तब चुनाव आयोग ने अचानक एसआईआर की शुरुआत क्यों कर दी! ऐसे सवाल उठाए गए थे। उस दौरान यह बात कही गई थी कि जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होने में पर्याप्त वक्त है, अगर वहां पहले एसआईआर कराया जाए तो यह देश व समाज के लिए बेहतर होगा। देश के विभिन्न राजनीतिक दलों और नागरिक समाज की भी समान जिम्मेदारी बनती है कि वे चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने में अपना भरपूर सहयोग करें। जब सभी पक्ष अपनी भूमिका ईमानदारी से निभाएंगे, तभी लोकतंत्र की जड़ें मजबूत होंगी, इसलिए जब चुनाव आयोग पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने की बात करता है, तो सबसे पहले उसे यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उसकी मौजूदा जिम्मेदारियां बिना किसी विवाद और संदेह के पूरी हों। तभी देश की जनता का भरोसा इस संवैधानिक संस्था पर और अधिक मजबूत होगा। देश में एसआईआर अच्छी बात है, लेकिन इस बात का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए कि ऐसे मतदाताओं के नाम सूची से नहीं हटने चाहिए, जो पात्र हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह***
0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

फिल्म निर्माता मुजफ्फर अली की फिल्म उमराव जान के एक गीत को अक्सर लोगों को गुनगुनाते हुए सुना जाता है। दिल चीज क्या है आप मेरी जान लीजिए, दीवार-ओ-दर को गौर से पहचान लीजिए। इसके सुर, लय और ताल के साथ ही दिल में स्पंदन और मानस पटल पर कई तस्वीरें एक साथ उभरती हैं। फिल्म में उस दीवार और दर का संबंध कहां से है यह अलग बात है, लेकिन अयोध्या (तत्कालीन फैजाबाद) से इस दीवार और दर का गहरा नाता है। फिल्म के कई सीन फैजाबाद में पूरब का ताजमहल कहे जाने वाले बहू बेगम के मकबरे की बारादरी में शूट किए गए थे। उम्मत-उज़-ज़ोहरा 'बहू बेगम' अवध के नवाब शुजाउद्दौला की पत्नी थीं। यह मकबरा बहू बेगम ने ही बनवाया था। वर्तमान में यह ऐतिहासिक इमारत क्षरण के दौर से गुजर रही है। खंडहर में बदल रही है। अवैध कब्जे हो रहे हैं। कहने के लिए यह पुरातत्व विभाग के संरक्षण में है, लेकिन स्थिति ठीक नहीं है। कभी यह तत्कालीन फैजाबाद की शान थी। -राजेंद्र कुमार पांडेय

बदहाल हो रहा 'पूरब का ताजमहल'

बहू बेगम मकबरा का निर्माण

पूरब के ताज महल कहे जाने वाले बहू बेगम मकबरा का निर्माण अवध के तीसरे नवाब शुजाउद्दौला (जन्म 19 जनवरी 1732, निधन 26 जनवरी 1775) ने ईस्ट इंडिया कंपनी से 22-23 अक्टूबर 1764 को लड़ाई हारने, फैजाबाद को अपनी राजधानी बनाने और अकाल के दौर में लोगों को काम देने के लिए अपनी पत्नी उम्मत-उज-जोहरा (जिन्हें बाद में बहू बेगम के नाम से जाना गया) के लिए शुरू कराया था। यह गैर-मुस्लिम वास्तु कला का उत्कृष्ट नमूना है। जानकार कहते हैं कि इसमें ईरान से आए कारीगर और सामानों के साथ देशी मजदूरों और सामान का प्रयोग किया गया। हालांकि नवाब इसे पूरा नहीं करा पाए। जिम्मेदारी उनके बेटे आसफुद्दौला के पास आई, लेकिन लखनऊ को राजधानी बनाने के बाद उसने इसे इसके हाल पर छोड़ दिया, तो बहू बेगम ने निर्माण को आगे बढ़ाया। निर्माण के दौरान ही उनकी भी मौत हो गई, लेकिन उन्होंने इसके लिए धनराशि की व्यवस्था पहले से कर रखी थी। इसी से उनके खास सिपहसालार दाराब अली खान ने 42 मीटर ऊंचे मकबरे का निर्माण पूरा कराया, जहां से पूरे शहर को देखा जा सकता है। शहर के मौलाना जफर अब्बास कुम्मी बताते हैं कि बहू बेगम मकबरे के साथ की इमारतें नवाबी शान-ओ-शौकत का बेजोड़ नमूना है। इसके निर्माण में चार सौ मजदूर आठ साल तक लगातार लगे रहे। नवाबी काल में पूरब के ताजमहल के साथ व्यवस्थित शहर बसाने के लिए कई निर्माण कराए गए। इनमें गुलाबबाड़ी के साथ चौक की ऐतिहासिक घंटाघर सहित इकदरें और तीन दरें है। चौक में ही सैकड़ों साल पुरानी मस्जिद हसन रजा खां भी है।

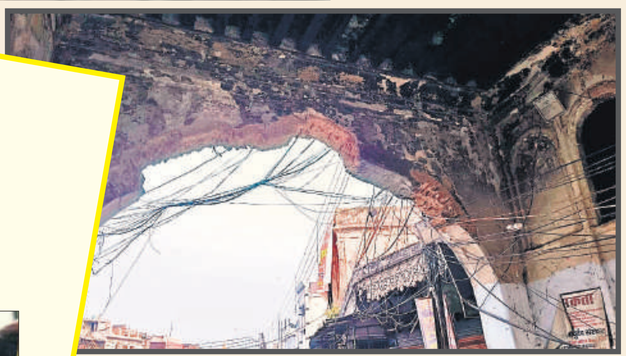

नवाब काल में चौक ही बाजार हुआ करती थी। शहर फैजाबाद के चौक इलाके की पहचान चारों ओर बने दरों (मेहराबदार दरवाजे) से भी होती है। इन्हीं दरों के बीच शहर का महत्वपूर्ण बाजार बसता था। इसे त्रिपोलिया कहा जाता था, जहां दुकानें होती थीं। अब इसे घंटाघर के नाम से जाना जाता है। यहां मौजूद दुकानों में अब भी कई सैकड़ों साल पुरानी हैं। इन दरों पर यूरोपियन शैली के बेलबूटे उकेरे गए हैं। यह दरें एक प्रकार से इंट्री गेट थे। बाजार को वास्तु और ज्योतिषीय गणना के हिसाब से अर्ध चंद्राकार बनाया गया है। दरों को बनाए जाने का मकसद रायल बाजार को सुरक्षा और भव्यता देना था। शाही परिवार से या फिर दूसरे लोग बाजार में दाखिले के लिए इसी गेट से अंदर जा सकते थे। उनकी जांच पड़ताल की जा सकती थी। दरों की नक्काशी भी अद्भुत थी। लखौरी ईंटों और चूना सुर्खी से बने इन दरों पर उकेरे गए बेलबूटे की नक्काशी आकर्षण का केंद्र थी। दरों के दोनों किनारों पर दो बड़ी मछलियों की तस्वीर उकेरी गई है। यह शाही चिह्न था। इनकी भी अलग एक कहानी है। स्वतंत्रता के बाद सरकार ने इसी से राज चिह्न लिए जाने की बात कही जाती है। दरों की नक्काशी और मछलियों की अपनी सांस्कृतिक पहचान है। अब तो इनका क्षरण हो रहा है, लेकिन किसी समय में यह शहर की शोभा थे। पिछले कुछ दिनों से पूर्वी तीनदरें की मरम्मत के साथ सजाया, संवारा और संरक्षित किया जा रहा है। वहां लगाए गए मजदूर बताते हैं कि इसे उसी पद्धति से बनाया जा रहा जैसे यह पहले बना था। उम्मीद है कि इसका आकर्षण फिर वापस लौटेगा।

शहर के बीचों-बीच स्थित घंटाघर

शहर के बीचों-बीच स्थित घंटाघर शहर की एक पहचान है। कभी घंटाघर के समय की आवाज पर शहर सोता और जागता था। घंटाघर को बलरामपुर स्टेट के राजा ने जार्ज फिफ्थ के भारत आने पर खुशनूदी में लगवाया था। इसकी तकनीक अद्भुत थी। इसे लंदन से मंगवाकर स्थापित किया गया था। कभी यह घड़ी पानी की लहरों से चलती थी। इसकी आवाज पूरे शहर को सुनाई पड़ती थी। बाद में यह अपनी आभा खोता चला गया।

नगर पालिका फैजाबाद के पूर्व चेयरमैन विजय गुप्ता बताते हैं कि घड़ी के चलने के लिए घंटाघर के नीचे एक कुंआ है। यहां से घिर्री और महीन तार से ऊपर की सुई व घंटे को जोड़ा गया था। कुएं के पानी में एक बार लहर उत्पन्न करने के बाद यह लगातार चलती और समय बताती रहती थी, लेकिन बाद में खराब हो गई। उन्होंने दो बार इसकी मरम्मत कराई। बरेली के कारीगर से इसे ठीक कराया गया। पहली बार कुएं के पानी से चली, लेकिन घिर्री और तार न मिलने के कारण दोबारा, उन्होंने इस पर इलेक्ट्रॉनिक घड़ी लगवाई। साल भर चलने के बाद यह भी बंद हो गई। बीच में इसकी मरम्मत की जिम्मेदारी अयोध्या विकास प्राधिकरण ने भी ली थी, लेकिन बाद में वापस कर दिया। इस समय इसकी जिम्मेदारी नगर निगम के पास है, लेकिन शहर की शान घंटाघर की घड़ी बंद पड़ी है।

खोता जा रहा है आकर्षण

नवाबी काल की इमारतें अब अवैध कब्जों और रखरखाव के अभाव में बर्बाद हो रही हैं। इनका आकर्षण खोता जा रहा है। चाहे वह गुलाबबाड़ी की दरें हों या फिर बहू बेगम के मकबरे का दर। बहू बेगम मकबरे के दरें में कहीं दफ्तर तो कहीं स्कूल चल रहे हैं। चौक के दरे तो जगह-जगह रगड़ से टूट गए। अवैध कब्जे और गंदगी, अव्यवस्था से यह अपने हाल पर आंसू बहा रहे हैं। मरम्मत और रंगरोगन के अभाव में इनकी आभा जाती रही।

उत्तराखंड का रंगमंच

अपने ही रंगों की तलाश में

उत्तराखंड की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर के साथ रंगकर्म की स्थिति उतनी ही चुनौतीपूर्ण है। थियेटर की दुनिया में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर पहचान बना चुके वरिष्ठ अभिनेता एवं रंगकर्मी श्रीश डोभाल कहते हैं कि प्रदेश में रंगकर्म आज भी प्रोत्साहन और विजन के अभाव में पिछड़ा हुआ है। पेश हैं उनसे किए गए चुनिंदा सवालों के जवाब-

थियेटर से निकलता है फिल्मों का रास्ता

थियेटर सिर्फ अभिनय नहीं, बल्कि समाज का दर्पण है। फिल्मों की ओर जाने का रास्ता थियेटर से होकर ही निकलता है। यहां अनुशासन, गहराई और मनुष्य की आत्मा तक पहुंचने की शक्ति मिलती है। अगर उत्तराखंड इसे अपना ले, तो यहां से भी अगली पीढ़ी के निर्मल पांडे जन्म ले सकते हैं। आज जब मंच के परदे उठते हैं और रोशनी चेहरे पर पड़ती है, तो यह केवल एक नाटक की शुरुआत नहीं होती, बल्कि एक सपने का जीवित होना होता है। हमारे जैसे कलाकार उस सपने को जीते हैं और याद दिलाते हैं कि उत्तराखंड का रंगमंच अभी अपने असली रंगों की तलाश में है।

हरीश उप्रेती करन
हल्द्वानी

थियेटर के विकास में सरकार को गंभीर होना होगा

राज्य सरकार को रंगकर्म को लेकर गंभीर होना चाहिए। रंगकर्मियों के लिए कम से कम एक पुरस्कार तो होना ही चाहिए, ताकि कलाकारों का मनोबल बढ़े। अच्छे ऑडिटोरियम हों और वे आसानी से उपलब्ध भी कराए जाएं, तभी मंच पर नई पीढ़ी आएगी। अगर सरकार और समाज थोड़ी और गंभीरता दिखाए तो उत्तराखंड का रंगमंच भी नई ऊंचाइयों को छू सकता है।

रंगऋषि श्रीष डोभाल का परिचय

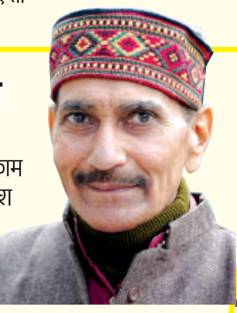

15 भाषाओं में नाटकों का निर्देशन, कन्नड़ में आठ नाटकों का मंचन, 35 से अधिक राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय निर्देशकों के साथ काम और छह नाटकों का अंतर्राष्ट्रीय समारोहों में सफल मंचन, श्रीश डोभाल का यह सफर, उन्हें सच्चा रंगऋषि बनाता है। राजस्थान के राज्यपाल द्वारा प्रदान किया गया गोल्डन अचीवर्स अवॉर्ड उनकी उपलब्धियों में चार चांद लगाता है।

नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी) से 1985 में स्नातक रहे श्रीश डोभाल ने प्रकाश झा की परिणति समेत नेशनल अवॉर्ड जीत चुकीं तीन फिल्मों के अलावा आसमां कैसे-कैसे और खिलती कलियां जैसे दो दर्जन से अधिक टीवी धारावाहिकों के अलावा कई टेलीफिल्मों में अभिनय किया है। हाल ही में उन्हें रंगमंच में उल्लेखनीय योगदान के लिए बलराज साहनी नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। वह राजकुमार राव अभिनीत 'बधाई दो' फिल्म में भी नजर आ चुके हैं। उनकी गढ़वाली फिल्म 'रैबार' 19 सितंबर को देश के प्रमुख शहरों और अमेरिका में रिलीज हुई है।

रक्त अभिषेक नाटक में रंगकर्मी श्रीश डोभाल

फिल्म और थियेटर में जमीन-आसमान का अंतर

फिल्म में गलती सुधारने का मौका होता है, थियेटर में नहीं। यहां दर्शक सामने होते हैं, उनकी सांसें आपके संवाद के साथ चलती हैं। एक चूक और पूरा अभिनय बेअसर। यही इसे कठिन भी बनाता है और खूबसूरत भी।

थियेटर से जीवन की आर्थिकी नहीं चलती

उत्तराखंड में कॉमर्शियल थियेटर का कोई ढांचा नहीं है। कलाकार अगर मंच से जुड़ा रहना चाहता है, तो उसे दूसरी आजीविका का सहारा लेना ही पड़ता है, जबकि महाराष्ट्र, गोवा या बंगाल में यही थियेटर जीवन जीने का साधन है।

चंबा की रामलीला में कभी बंदर तो कभी राक्षस बने

मेरे रंगमंच की शुरुआत चंबा की रामलीला से हुई, जहां कभी बंदर तो कभी रावण की सेना में राक्षस बन जाता था। उच्च शिक्षा के लिए देहरादून आया तो जागृति संस्था से जुड़ा और वहीं से रंगमंच की ओर झुकाव बढ़ा। 1981 में एनएसडी में चयनित होने के बाद खुद को पूरी तरह थियेटर को समर्पित कर दिया।

बाजार	सेंसेक्स	निफ्टी
बंद हुआ	84,628.16	25,936.20
गिरावट	150.68	29.85
प्रतिशत में	0.18	0.11

सोना 1,21,800 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,45,000 प्रति किलो

अमृत विचार
कानपुर, बुधवार, 29 अक्टूबर 2025
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

छठ पर 50 हजार करोड़ रुपये का कारोबार

नई दिल्ली। कन्फेडरेशन ऑफ़ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने मंगलवार को छठ महापर्व पर देशभर में 50 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा कारोबार होने का दावा किया। खंडेलवाल ने कहा कि देश भर में संपन्न हुए छठ महापर्व ने जहां देश की प्राचीन संस्कृति एवं सभ्यता का दर्शन कराया, वहीं बड़े स्तर पर आर्थिक प्रभाव भी दिखाई दिया। प्रधानमंत्री के स्वदेशी वस्तुओं को बेचने एवं ख़रीदने के आह्वान और जीएसटी की दरों में कटौती के साथ लोगों की आस्था और विश्वास का अद्भुत संगम इस बार छठ पर्व पर दिखाई दिया।

कार्स24 ने पेश की 30 दिन की रिटर्न गारंटी

नई दिल्ली। देश की अग्रणी ऑटोटेक कंपनी कार्स24 ने पुरानी कारों के व्यवसाय में जवाबदेही को नए सिरे से परिभाषित करते हुए 30-दिन की वापसी की घोषणा की है। कंपनी ने मंगलवार को बताया कि यदि कार्स24 से खरीदी गई कार खरीदार की अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतरती है तो वे 30 दिन या 999 किमी के भीतर उसे वापस कर सकते हैं। देश में पहली बार इस तरह का कोई ऑफर शुरू किया गया है। कंपनी ने कहा है कि कार खरीदना परिवारों के लिए बड़े वित्तीय फैसलों में से एक होता है और लोग यह आश्वासन चाहते हैं कि वे जो गाड़ी चला रहे हैं वह वास्तव में भरोसेमंद है, न केवल पहले दिन बल्कि बाद में भी।

एमसीएक्स में तकनीकी खराबी से 4 घंटे देर से खुला बाजार, जांच शुरू

अनिश्चितता के बीच आपदा बहाली साइट पर स्थानांतरित करना पड़ा कामकाज

मुंबई, एजेंसी

मल्टी-कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में मंगलवार को तकनीकी खराबी के कारण कामकाज बाधित रहा। इसके चलते एक्सचेंज में चार घंटे से ज्यादा देरी से कारोबार शुरू हो सका और कामकाज को आपदा बहाली साइट पर स्थानांतरित करना पड़ा।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) ने कहा कि उसकी सभी कारोबारी प्रणालियां अब सामान्य रूप से काम कर रही हैं और इस मामले की जांच प्राथमिकता के आधार पर शुरू कर दी गई है। एमसीएक्स ने शेयर बाजार को बताया, एक्सचेंज में एक तकनीकी खराबी के कारण मंगलवार को कारोबार शुरू होने में देरी हुई। कामकाज को आपदा बहाली (डीआर) साइट पर स्थानांतरित कर दिया गया और कारोबार दोपहर 1.25 बजे शुरू हुआ। कमोडिटी एक्सचेंज ने आगे कहा कि सभी कारोबारी प्रणालियां अब सामान्य रूप से काम कर रही हैं। एमसीएक्स ने बताया कि इस मामले की जांच प्राथमिकता के आधार पर शुरू कर दी गई है। एमसीएक्स ने बताया, हम कारण की पहचान करने और जरूरी सुधारात्मक उपाय लागू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारे निष्कर्षों और की गई कार्रवाई के बारे में हम समय से सूचना देंगे। इससे पहले, तकनीकी खराबी के कारण एमसीएक्स पर व्यापारिक गतिविधियां चार घंटे से ज्यादा समय तक बाधित रहीं, जिससे सत्र की शुरुआत में कई बार देरी हुई और बाजार सहभागियों में अनिश्चितता पैदा हो गई।

चार बार घोषित किया समय, शुरू नहीं हुआ बाजार

एक्सचेंज ने शुरुआत में सुबह नौ बजे से शुरू होने वाले सत्र को सुबह 9:30 बजे, फिर 10:30 बजे, 11:49 और 12:35 बजे के लिए पुनर्निर्धारित किया था, और फिर दोपहर 1:20 से 1:24 बजे के बीच एक विशेष सत्र की घोषणा की, जिसके बाद दोपहर 1:25 बजे से सामान्य कारोबार शुरू हुआ। इस व्यवधान ने सोना, चांदी, कच्चा तेल और तांबा, जस्ता तथा एल्युमीनियम जैसी आधार धातुओं का कारोबार प्रभावित हुआ। बाजार खुलने के बाद इनकी कीमत में एकाएक गिरावट आई। एमसीएक्स के शेयर के भाव भी गिर गए।

सोना 4,100 रुपये गिरकर 1,21,800 पर, चांदी 6,250 रुपये टूटी

- चीन-अमेरिका में व्यापार तनाव कम होने का असर

नई दिल्ली। अमेरिका-चीन व्यापार तनाव कम से सुरक्षित निवेश के विकल्प के रूप में मांग कम होने के कारण मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमतें 4,100 रुपये गिरकर 1,21,800 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गईं और वैश्विक बाजारों में 4,000 डॉलर प्रति औंस से नीचे आ गईं। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, सोमवार को सोने की कीमत 1,25,900 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। स्थानीय सर्राफा बाजार में, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 4,100 रुपये गिरकर सभी करों सहित 1,21,200 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया, जो पिछले बंद भाव 1,25,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पर था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, मंगलवार को सोने में और गिरावट आई और सुरक्षित निवेश मांग में कमी से यह और बढ़ गई। बिकवाली तेज होने से सोने की कीमतें तीन सप्ताह के निचले स्तर पर आ गईं। इस गिरावट का कारण तकनीकी बिक्री है। चांदी की कीमतों में भी मंगलवार को 6,250 रुपये की भारी गिरावट दर्ज की गई और यह सभी करों सहित 1,45,000 रुपये किलोग्राम रह गई। संघ के अनुसार, चांदी की कीमत सोमवार को 1,51,250 रुपये किलोग्राम पर बंद हुई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में हाजिर सोना दबाव में रहा और 94.36 डॉलर या 2.37 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,887.03 डॉलर प्रति औंस रह गया। पिछले सत्र में, यह 132.02 डॉलर या 3.21 प्रतिशत की गिरावट के साथ 4,000 डॉलर के स्तर से नीचे बंद हुआ था।

शेयर बाजार में मुनाफावसूली, सेंसेक्स 151 अंक फिसला

- एशियाई बाजारों में कमजोरी का असर, निफ्टी भी 30 अंक गिरा

मुंबई। एशियाई बाजारों में कमजोरी के बीच मंगलवार को आईटी, टिकाऊ उपभोक्ता सामान और रियल्टी शेयरों में मुनाफावसूली से स्थानीय शेयर बाजार नुकसान के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 151 अंक टूट गया जबकि निफ्टी को 30 अंक का नुकसान हुआ।

बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में 150.68 अंक यानी 0.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 84,628.16 अंक पर बंद हुआ। मजबूती के साथ सत्र की शुरुआत करने वाला सेंसेक्स कारोबार के दौरान एक समय 559.45 अंक तक टूटकर 84,219.39 अंक पर आ गया था।

एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 29.85 अंक यानी 0.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,936.20 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में ट्रेंट, आईसीआईसीआई बैंक, टेक महिंद्रा, बजाज फिनसर्व, महिंद्रा एंड महिंद्रा, पावर ग्रिड, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और बजाज फाइनेंस के शेयरों में प्रमुख रूप से गिरावट रही। टाटा स्टील, लार्सन एंड टुब्रो, भारतीय स्टेट बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर चढ़कर बंद हुए।

अमेजन 14,000 कॉरपोरेट नौकरियों में करेगी कटौती

सिएटल। ऑनलाइन खुदरा कंपनी अमेजन कृत्रिम मेधा (एआई) पर खर्च बढ़ाने के कारण करीब 14,000 कॉरपोरेट नौकरियों में कटौती करेगी।

अमेजन में 'पीपल एक्सपीरियंस एंड टेक्नोलॉजी' की वरिष्ठ उपाध्यक्ष बेथ गैलेटी ने मंगलवार को कर्मचारियों को भेजे संदेश में कहा, यह छंटनी नौकरशाही को कम करने एवं संसाधनों को स्थानांतरित करने के माध्यम से कामकाज को और भी मजबूत करने की दिशा में कदम है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हम अपने सबसे बड़े दांव पर निवेश कर रहे हैं जो हमारे ग्राहकों की वर्तमान एवं भविष्य की जरूरतों के लिए सबसे अधिक मायने रखता है।

देश का औद्योगिक उत्पादन सितंबर में चार प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

- सितंबर 2024 में हुई थी 3.2 प्रतिशत की वृद्धि

देश का औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) विनिर्माण क्षेत्र के अच्छे प्रदर्शन के दम पर सितंबर में चार प्रतिशत बढ़ा है। मंगलवार को इस संबंध में आधिकारिक आंकड़े जारी किए गए हैं। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के संदर्भ में मापा गया औद्योगिक उत्पादन सितंबर, 2024 में 3.2 प्रतिशत बढ़ा था।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने अगस्त, 2025 के लिए औद्योगिक उत्पादन के वृद्धि के आंकड़ों को चार प्रतिशत के अस्थाई अनुमान से संशोधित कर 4.1 प्रतिशत कर दिया है। एनएसओ के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, विनिर्माण क्षेत्र का उत्पादन सितंबर 2025 में 4.8 प्रतिशत बढ़ा जबकि सितंबर 2024 में यह चार प्रतिशत बढ़ा था। खनन उत्पादन में 0.4 प्रतिशत की गिरावट आई जबकि एक साल पहले इसमें 0.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी। बिजली उत्पादन में सितंबर में 3.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि एक साल पहले इसी अवधि में इसमें 0.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।

वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-सितंबर अवधि (पहली छमाही) के दौरान औद्योगिक उत्पादन में तीन प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि 2024-25 की पहली छमाही में 4.1 प्रतिशत रही थी। विनिर्माण क्षेत्र में 23 उद्योग समूहों में से 13 ने सितंबर, 2024 की तुलना में सितंबर, 2025 में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की। उपयोग-आधारित वर्गीकरण के अनुसार, पूंजीगत वस्तु खंड में सितंबर, 2025 में 4.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई जो एक वर्ष पहले की समान अवधि में 3.5 प्रतिशत थी।

अगले बजट में अपेक्षित कर बदलावों पर उद्योग जगत से सुझाव मांगे

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने एक फरवरी, 2026 को पेश होने वाले वित्त वर्ष 2026-27 के आम बजट में अपेक्षित कर बदलावों और कर अनुपालन में आसानी पर उद्योग जगत से सुझाव मांगे हैं। आम बजट से पहले व्यापार और उद्योग संघों को भेजे गए एक पारंपरिक संदेश में राजस्व विभाग की कर अनुसंधान इकाई ने उनसे 10 नवंबर तक अपने सुझाव भेजने को कहा है। ये सुझाव शुल्क संरचना, दरों में बदलाव और प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष करों के आधार को व्यापक बनाने, और अनुपालन को आसान बनाने से संबंधित हो सकते हैं।

नोएल टाटा समेत तीन ने मेहली मिस्त्री की ट्रस्टी के रूप में पुनर्नियुक्ति के खिलाफ किया मतदान

- रतन टाटा के करीबी माने जाते हैं मेहली, खत्म हो चुका है कार्यकाल

नई दिल्ली। टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा और उनके करीबी माने जाने वाले दो अन्य प्रभावशाली न्यासियों ने मेहली मिस्त्री की ट्रस्टी के रूप में पुनर्नियुक्ति के खिलाफ मतदान किया है। इससे टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी को नियंत्रित करने वाली परोपकारी इकाई में दरार और गहरी हो गई।

टाटा समूह के संरक्षक रतन टाटा का पिछले साल निधन होने के बाद नोएल टाटा को टाटा ट्रस्ट्स का प्रमुख नियुक्त किया गया था। मेहली मिस्त्री को दिवंगत रतन टाटा के करीबी माना जाता है। मामले से अवगत लोगों ने बताया कि टीवीएस मोटर कंपनी के मानद चेयरमैन वेणु श्रीनिवासन और पूर्व रक्षा सचिव विजय सिंह ने मंगलवार को मिस्त्री की न्यासी (ट्रस्टी) के रूप में पुनः नियुक्त किए जाने के खिलाफ मतदान किया। मिस्त्री का तीन साल का कार्यकाल समाप्त होने के बाद यह मतदान हो रहा था।

उन्होंने बताया कि हालांकि मिस्त्री के करीबी तीन अन्य न्यासी सिटीबैंक इंडिया के पूर्व सीईओ प्रमित झावेरी, मुंबई के वकील डेरियस खंबाटा और पुणे के समाजसेवी जहांगीर एच. सी. जहांगीर ने उनकी पुनर्नियुक्ति का समर्थन किया। यह विभाजन हाल ही में आम सहमति से संचालित दृष्टिकोण से एक स्पष्ट बदलाव का प्रतीक है।

आईओसी रूसी तेल खरीदना जारी रखेगी क्योंकि प्रतिबंध तेल पर नहीं बल्कि कुछ कंपनियों पर

नई दिल्ली, एजेंसी

- गैर प्रतिबंधित संस्थाओं के जरिए जारी रखा जा सकता है प्रवाह

इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) और अन्य भारतीय तेल कंपनियां रूस से कच्चे तेल की खरीद पूरी तरह बंद नहीं करेंगी क्योंकि हालिया प्रतिबंध केवल विशिष्ट रूसी आपूर्तिकर्ता के लिए हैं न कि तेल पर। यह ऐसी स्थिति है जो गैर-प्रतिबंधित संस्थाओं के माध्यम से प्रवाह जारी रखने की संभावना को खोलती है।

अधिकारियों ने बताया कि अब तक चार रूसी तेल कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए जा चुके हैं, लेकिन भारत को सबसे बड़ी आपूर्तिकर्ता कंपनी रोसनेफ्ट जो लगभग 45 प्रतिशत तेल प्रवाह का प्रबंधन करती है, वह वास्तविक उत्पादक नहीं बल्कि एक 'एग्रीगेटर' है। रूस के क्षेत्रों से कच्चे तेल का एकत्रीकरण अन्य गैर-प्रतिबंधित संस्थाओं द्वारा किया जा सकता है, जिससे आपूर्ति जारी रह सकती है। अमेरिका के पिछले सप्ताह रूस के दो शीर्ष कच्चे तेल निर्यातकों पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद भारतीय रिफाइनरियों ने रूसी तेल के लिए कोई नया ऑर्डर नहीं दिया है। वे बदले हुए परिदृश्य का आकलन कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि किसी भी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धता में कोई त्रुटि न हो।

आईओसी के निदेशक (वित्त) अनुज जैन ने कहा, जब तक हम प्रतिबंधों का पालन कर रहे हैं, हम रूसी कच्चे तेल की खरीद बिल्कुल बंद नहीं करेंगे। रूसी कच्चे तेल पर प्रतिबंध नहीं है। प्रतिबंध संस्थाओं और आपूर्ति श्रृंखलाओं पर लगे हैं।

तेजस्वी प्रण : हर परिवार में सरकारी नौकरी, वक्फ कानून पर रोक का वादा

महागठबंधन ने जारी किया घोषणापत्र, कहा- पुरानी पेंशन स्कीम भी बहाल करेंगे

पटना, एजेंसी

पटना में चुनावी घोषणा पत्र जारी करते तेजस्वी यादव और महागठबंधन के नेता।

महागठबंधन ने मंगलवार को बिहार विधानसभा चुनाव के लिए 'तेजस्वी प्रण' नाम से अपना संयुक्त घोषणापत्र जारी किया, जिसमें वादा किया गया कि उसकी सरकार बनने के 20 दिन के भीतर एक विधेयक लाकर हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

महागठबंधन ने इसके अलावा संसद द्वारा पारित वक्फ संशोधन अधिनियम पर बिहार में रोक लगाने, पुरानी पेंशन योजना बहाल करने, केंद्र सरकार द्वारा तैयार नई शिक्षा नीति के 'दुष्प्रभावों' की समीक्षा करने, आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ाने के लिए विधानसभा द्वारा पारित कानून को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करने की केंद्र सरकार से अनुशंसा करने तथा कई अन्य वादे किए हैं।

विपक्षी गठबंधन की तरफ से राजद नेता तेजस्वी यादव, कांग्रेस नेता पवन खेड़ा, विकासशील इंसान पार्टी के नेता मुकेश सहनी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य और कई अन्य नेताओं की मौजूदगी में चुनावी घोषणा पत्र जारी किया गया। इस मौके पर तेजस्वी ने कहा, हमने जनता के सामने हमेशा अपना 'विजन' रखा है और आज 'संकल्प पत्र' बिहार के सामने रख रहे हैं। हमने प्रण लिया है कि बिहार को नंबर-एक बनाएंगे। आरोप लगाया कि भाजपा के लोगों और भ्रष्ट अधिकारियों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पुतला बनाकर रखा है। वह नीतीश कुमार के प्रति पूरी सहानुभूति रखते हैं।

महागठबंधन ने घोषणापत्र में वादा किया है कि सरकार बनने के 20 दिन के भीतर ही बिहार के हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने के लिए विधेयक लाया जाएगा तथा 20 महीने की रूपरेखा के कार्यान्वयन पर काम शुरू हो जाएगा। यह वादा भी किया है कि सरकार पांच साल के कार्यकाल में सवा करोड़ रोजगार का सृजन करेगी। विपक्षी गठबंधन का कहना है कि अगर सरकार बनी तो दलितों, अनुसूचित जनजाति, अतिपिछड़े, पिछड़े वर्ग के भूमिहीन लोगों को शहरी क्षेत्र में तीन डिसमिल तथा ग्रामीण क्षेत्र में पांच डिसमिल आवासीय भूमि उपलब्ध कराई जाएगी।

शराबबंदी कानून से ताड़ी और महुआ को बाहर करेंगे

पटना। महागठबंधन ने घोषणापत्र में वादा किया है कि बिहार में लागू शराबबंदी कानून की समीक्षा की जाएगी और सुसंगत नीति बनाई जाएगी। इस कानून के तहत जेल में बंद दलितों और अन्य गरीबों को तत्काल राहत दी जाएगी। महागठबंधन ने यह भी कहा कि ताड़ी और महुआ आधारित पारंपरिक रोजगार को शराबबंदी कानून से मुक्त किया जाएगा। इस चुनावी राज्य में बिहार मद्यनिषेध और उत्पाद अधिनियम एक अप्रैल 2016 को लागू हुआ था। नीतीश कुमार द्वारा नवंबर 2015 के विधानसभा चुनाव में महागठबंधन की तरफ से इस कानून का वादा किया गया था।

पूर्व अग्निवीरों की निजी सुरक्षा एजेंसियों में भर्ती सुनिश्चित कराएं राज्य : केंद्र

नई दिल्ली। केंद्र ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से कहा है कि वे पूर्व अग्निवीरों की निजी सुरक्षा एजेंसियों और प्रशिक्षण संस्थानों में भर्ती सुनिश्चित करें, क्योंकि उनके पास सशस्त्र बलों में काम का अनुभव है।

अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सशस्त्र बलों में अपना कार्यकाल पूरा करने वाले अग्निवीरों के आगे के कैरियर को दिशा देने के लिए सभी राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों को पत्र भेजा है। जून 2022 में केंद्र ने अग्निपथ भर्ती शुरू की थी, जिसके तहत तीनों सेनाओं में साढ़े 17 से 21 साल की आयु के युवाओं की चार वर्षों के लिए भर्ती का प्रावधान है। इनमें 25 प्रतिशत युवाओं को 15 वर्ष सेवा में बनाए रखा जाना है। अग्निवीरों का पहला बैच अगले साल सेवाकाल पूरा करेगा। पत्र में कहा गया है कि मंत्रालय के पुलिस दो प्रभाग को एक प्रणाली तैयार करने का निर्देश दिया गया है, जिसके तहत सरकारी विभागों, एजेंसियों, बैंकों द्वारा आउटसोर्स की गई सुरक्षा प्रदाता एजेंसियों में अग्निवीरों का समायोजन सुनिश्चित किया जा सके।

मानसिक स्वास्थ्य देखभाल के कानून के क्रियान्वयन पर एनएचआरसी रखेगा नजर

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने मानसिक बीमारियों से ग्रस्त व्यक्तियों के अधिकारों और आवश्यकताओं की सुरक्षा के लिए 2017 के एक कानून के क्रियान्वयन के लिए दायर जनहित याचिका मंगलवार को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) को हस्तांतरित कर दी और उसे मामले की निगरानी करने को कहा।

न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा कि आयोग को अधिवक्ता गौरव कुमार बंसल की 2018 में दायर याचिका पर गौर करना चाहिए। कोर्ट ने केंद्र के हलफनामे पर गौर किया और कहा कि मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम, 2017 को लागू करने के लिए वैधानिक प्राधिकरण गठित किए गए हैं। उसने यह भी कहा कि याचिकाकर्ता ने कई अन्य मांग भी की हैं। इनकी निगरानी भी एनएचआरसी करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने तीन जनवरी, 2019 को केंद्र, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को उस याचिका पर नोटिस जारी किया था जिसमें दावा किया गया था कि अधिनियम के प्रावधानों को लागू न करना नागरिकों के जीवन और स्वतंत्रता का घोर उल्लंघन है।

- सुप्रीम कोर्ट ने याचिका को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को भेजा

याचिका में किया गया था बदायूं की दरगाह का जिक्र

जनहित याचिका में कहा गया है कि मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम 2017 के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए यूपी के बदायूं में बड़े सरकार की दरगाह के मानसिक आश्रय स्थल में मानसिक बीमारियों से ग्रस्त व्यक्तियों को जंजीरों से बांध दिया गया है। अदालत ने ऐसे रोगियों की तस्वीरों पर गौर किया और इसे बहुत चिंता का विषय बताया था।

गलत तरह से गिरफ्तारी और कैद रखने के लिए मुआवजे की याचिका पर होगी सुप्रीम सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट बलात्कार और हत्या के एक मामले में बरी किए जाने से पहले 12 साल तक जेल में रहे एक व्यक्ति की उस याचिका पर सुनवाई के लिए सहमत हो गया जिसमें उसकी गलत तरीके से गिरफ्तारी, अभियोजन और दोषसिद्धि के लिए मुआवजे का अनुरोध किया गया है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने सोमवार को कहा, नोटिस जारी करें जिसका जवाब 24 नवंबर को दिया जाए। हम अटॉर्नी जनरल या सॉलिसिटर जनरल से अनुरोध करेंगे कि वे इस मामले में अदालत की सहायता करें। पीठ इसी तरह के मुद्दे को उठाने वाली तीन अलग-अलग याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। एक मामले में, याचिकाकर्ता को मार्च 2019 में महाराष्ट्र के ठाणे की एक अधीनस्थ अदालत ने मृत्युदंड दिए जाने का फैसला सुनाया था और नवंबर 2021 में मुंबई उच्च न्यायालय ने उसे सुनाई गई मौत की सजा बरकरार रखी। शीर्ष अदालत ने इस साल मई में त्रुटिपूर्ण और भ्रष्ट जांच का हवाला देते हुए याचिकाकर्ता को आरोपों से बरी कर दिया।

बाबरी मस्जिद से जुड़ी पोस्ट पर नहीं रद्द होगा केस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोशल मीडिया पर बाबरी मस्जिद से जुड़े पोस्ट के आरोप में विधि स्नातक के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामले को रद्द करने से इन्कार कर दिया है। इस पोस्ट में कहा गया था कि बाबरी मस्जिद एक दिन फिर से बनाई जाएगी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि उसने पोस्ट देखी है और याचिकाकर्ता मोहम्मद फैय्याज मंसूरी के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही में हस्तक्षेप नहीं करना चाहती।

प्रशांत किशोर का पश्चिम बंगाल में टीएमसी मुख्यालय के पते पर भी वोट, चुनाव आयोग ने दिया नोटिस

पटना/कोलकाता। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर मंगलवार को उस समय विवादों में घिर गए जब यह सामने आया कि वह अपने गृह राज्य बिहार के साथ ही पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल में भी मतदाता के रूप में पंजीकृत हैं। उन्हें चुनाव आयोग ने नोटिस जारी किया गया है।

पश्चिम बंगाल में एक निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार पश्चिम बंगाल में मतदाता के रूप में पंजीकृत किशोर का पता 121, कालीघाट रोड के रूप में दर्ज है, जो कोलकाता के भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र में तृणमूल कांग्रेस मुख्यालय का पता है। भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल प्रमुख ममता बनर्जी का निर्वाचन क्षेत्र है। अधिकारी ने कहा, उनका मतदान केंद्र बी रानीशंकरी लेन स्थित सेंट हेलेन स्कूल के रूप में सूचीबद्ध है। पश्चिम बंगाल में 2021 के विधानसभा चुनावों के दौरान किशोर ने टीएमसी के लिए राजनीतिक सलाहकार के रूप में काम किया था। निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि किशोर का नाम बिहार में रोहतास जिले के सासाराम संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत करगहर विधानसभा क्षेत्र में पंजीकृत है। उनका मतदान केंद्र मध्य विद्यालय, कोनार है।

देश के पांच महानगरों में धंस रही है करीब 900 वर्ग किलोमीटर भूमि

नई दिल्ली, एजेंसी

- उपग्रह चित्रों के विश्लेषण के आधार पर दावा, पांचों शहरों में 25 हजार इमारतें खतरे में

नई दिल्ली और चेन्नई सहित भारत के पांच महानगरों में लगभग 900 वर्ग किलोमीटर भूमिः धंस रही है और इससे 19 लाख लोगों को प्रति वर्ष चार मिलीमीटर से अधिक की भू धंसाव दर का सामना करना पड़ सकता है। एक अध्ययन में यह आकलन किया गया है।

अमेरिका के वर्जीनिया पॉलिटेक्निक इंस्टीट्यूट और स्टेट यूनिवर्सिटी के अनुसंधानकर्ताओं ने 2015-23 के दौरान एकत्रित उपग्रह चित्रों का विश्लेषण किया और पाया कि 2,400 से अधिक इमारतों पर पहले से ही संरचनात्मक क्षति का खतरा मंडरा रहा है। अनुसंधानकर्ताओं ने कहा कि भूमि धंसने से बाढ़ और भूकंप का खतरा बढ़ सकता है। उन्होंने बताया कि जब किसी शहर के नीचे की जमीन असमान रूप से धंसती है, तो इससे नींव कमज़ोर हो सकती है, बिजली की लाइनें क्षतिग्रस्त हो सकती हैं और ढांचा कमजोर हो सकता है।

'नेचर सस्टेनेबिलिटी' पत्रिका में प्रकाशित अनुसंधान पत्र के मुताबिक अगर भूमि में धंसाव की यह दर जारी रही, तो अगले 50 वर्षों में 23,500 से ज्यादा इमारतों को बहुत ज्यादा संरचनात्मक क्षति का सामना करना पड़ सकता है। अध्ययन में दिल्ली और चेन्नई के अलावा मुंबई, कोलकाता और बेंगलुरु की इमारतों का अध्ययन किया गया।

भवनों का भार और अत्यधिक जलदोहन कारण

वर्जीनिया पॉलिटेक्निक इंस्टीट्यूट एंड स्टेट यूनिवर्सिटी के स्नातक छात्र और अनुसंधान पपत्र के प्रमुख लेखक नितेशनिर्मल सदाशिवम ने बताया कि अध्ययन में शामिल शहरों में भूमि धंसाव के प्रमुख कारकों में अत्यधिक भूजल का दोहन शामिल है तथा घनी आबादी वाले क्षेत्रों में भवनों का भार भी भूमि धंसाव का कारण बन रहा है। उन्होंने कहा, वर्तमान धंसाव दर और भविष्य की स्थितियों का सटीक विश्लेषण इंगित करता है कि दिल्ली-एनसीआर में भवनों को नुकसान पहुंचने का खतरा सबसे अधिक है।

- आठ करोड़ आबादी वाले पांचों महानगरों में करीब 13 लाख भवनों के अध्ययन किया गया। देश की जनसंख्या 2024 तक 0.92% की दर से बढ़ने का अनुमान है, जिससे कई शहरों में पानी की गंभीर कमी हो सकती है।
- नई दिल्ली में सबसे अधिक दर 51 मिमी प्रति वर्ष भू धंसाव देखी गई। इसके बाद चेन्नई में 31.7 मिमी प्रति वर्ष, मुंबई में 26 मिमी प्रति वर्ष, कोलकाता में सबसे अधिक 16.4 मिमी प्रति वर्ष और बेंगलुरु में यह दर 6.7 मिमी प्रति वर्ष देखी गई।

रक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाएंगे भारत-यूएई

नई दिल्ली, एजेंसी

- यूएई के कमांडर मेजर जनरल सईद ने की द्विपक्षीय बैठकें

भारत और संयुक्त अरब अमीरात ने रक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने, सैन्य संबंधों को मजबूत बनाने और क्षेत्रीय शांति एवं सुरक्षा के लिए साझा प्रतिबद्धता को दोहराया है। भारत यात्रा पर आए संयुक्त अरब अमीरात सेना के कमांडर मेजर जनरल यूसुफ़ मायुफ़ सईद अल हल्लामी की यहां दो दिन तक विभिन्न स्तर पर हुई बैठकों में दोनों पक्षों ने इस बारे में सहमति व्यक्त की।

मंगलवार को यहां एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि मेजर जनरल अल हल्लामी की यात्रा को दोनों देशों की सेनाओं के बीच दीर्घकालिक संबंधों को मज़बूत बनाने में महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जा रहा है। दो दिन की इस यात्रा के दौरान दोनों पक्षों के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच महत्वपूर्ण बैठकें हुईं जिससे रणनीतिक और रक्षा हितों के क्षेत्रों में द्विपक्षीय सैन्य सहयोग, आदान-प्रदान और सहभागिता बढ़ाने की नींव और मज़बूत हुई।

यात्रा के दौरान मेजर अल हल्लामी ने अपने भारतीय समकक्ष सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी के साथ कई विषयों पर उपयोगी चर्चा कीं। ये बातचीत दोनों सेनाओं के बीच सहयोग बढ़ाने और उसे मजबूत करने के तरीकों पर केंद्रित रही। इस यात्रा के कई परिणामों से दोनों देशों के बीच संबंधों और अधिक मजबूत हुए हैं। संयुक्त अरब अमीरात सेना के कमांडर को ऑपरेशन सिंदूर पर विस्तृत जानकारी दी गई और उन्हें महानिदेशक सूचना प्रणाली और सेना डिज़ाइन ब्यूरो द्वारा भारत की रक्षा क्षमताओं और भारतीय सेना के लिए एआई रोडमैप के बारे में भी जानकारी दी गई।

इससे पहले मेजर जनरल अल हल्लामी ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन का भी दौरा किया और रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष समीर वी. कामत से मुलाकात की। उन्होंने भारतीय रक्षा उद्योग के प्रतिनिधियों के साथ भी बातचीत की और ड्रोन और काउंटर ड्रोन सिस्टम, विस्फोटक, मिसाइल सिस्टम, आर्टिलरी सिस्टम और टैंकों के लिए प्रतिक्रियाशील कवच पर जानकारी ली।

विमान यात्रियों की सुरक्षा पर सवाल

इमरजेंसी लैंडिंग के बढ़ते मामले

अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान हादसे के बाद देश में विमानों की इमरजेंसी लैंडिंग की घटनाएं बढ़ गई हैं। इस हादसे में 241 लोगों की मौत हो गई थी, हाल के दिनों में इमरजेंसी लैंडिंग कराने की कई घटनाएं हुईं। विमानों को अपने गंतव्य से बीच रास्ते ही लौटना पड़ा और इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी जिससे यात्रियों की जान सांसत में रही। जिससे विमानन क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे हैं। ऐसे में विमानन कंपनियों को अपनी कार्यप्रणाली में सुधार करके यात्रियों का भरोसा जीतना होगा। आइए जानते हैं विमानों को क्यों करनी पड़ती है इमरजेंसी लैंडिंग और इन घटनाओं को रोकने के लिए नियामक संस्था डीजीसीए और सरकार ने क्या उपाय किए।

डीजीसीए के नियम

- विमान की जांच : विमान की नियमित जांच करनी होती है।
- पायलट की ट्रेनिंग : पायलटों को इमरजेंसी लैंडिंग के लिए ट्रेनिंग देनी होती है।
- सुरक्षा प्रोटोकॉल : विमान में सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करना होता है।

नियमों का पालन करना जरूरी

इमरजेंसी लैंडिंग की घटनाएं विमानन क्षेत्र में एक बड़ा खतरा हैं। इन घटनाओं को कम करने के लिए विमान की नियमित जांच, पायलट की ट्रेनिंग, सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन और नई तकनीक का उपयोग करना होता है। डीजीसीए के नियमों का पालन करना भी जरूरी है।

इमरजेंसी लैंडिंग क्यों करनी पड़ती है?

- मौसम की खराबी : खराब मौसम के कारण विमान को इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ती है।
- चिकित्सा आपातकाल : विमान में किसी यात्री को चिकित्सा आपातकाल होने पर इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ती है।
- सुरक्षा खतरा : विमान में सुरक्षा खतरा होने पर इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ती है।
- तकनीकी खराबी : विमान में तकनीकी खराबी होने पर इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ती है।

कुछ प्रमुख घटनाएं

- एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-379 को थाईलैंड के फुकेट इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। विमान में बम होने की सूचना मिली थी।
- एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-117 को बर्मिंघम में इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। रैम एयर टर्बाइन के सक्रिय होने के बाद विमान लैंड हुआ।
- 25 अक्टूबर को एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-469 ने नागपुर में इमरजेंसी लैंडिंग की, जिसमें 170 यात्री सवार थे। यह एक संदिग्ध बर्ड स्ट्राइक के कारण हुई थी।
- 22 अक्टूबर को इंडिगो की फ्लाइट 6ई-6961 ने वाराणसी में इमरजेंसी लैंडिंग की, जिसमें 166 यात्री सवार थे। यह मध्य-वायु ईंधन रिसाव के कारण हुई थी।
- हाल के दिनों में स्पाइसजेट की एक फ्लाइट ने दिल्ली में इमरजेंसी लैंडिंग की, जिसमें एक तकनीकी खराबी के कारण फ्लाइट को वापस लौटना पड़ा।
- 11 अक्टूबर को एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट ने तिरुचिरापल्ली में इमरजेंसी लैंडिंग की। यह हाइड्रोलिक फेलियर के कारण हुई थी।

वर्ल्ड ब्रीफ

लेबनान में इजराइली ड्रोन को मार गिराया

बेरूत। लेबनान में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन ने एक इजरायली ड्रोन को मार गिराने का दावा किया है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार इजरायली सेना ने कहा कि ड्रोन नियमित खुफिया जानकारी इकट्ठा करने की गतिविधि कर रहा था। प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल नदाव शोशानी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि पास में तैनात यूनिफिल बलों ने जानबूझकर ड्रोन पर गोलीबारी की और उसे गिरा दिया।

अमेरिका में शटडाउन खत्म करने का दबाव

वाशिंगटन। अमेरिका में संघीय सरकार के दूसरे सबसे लंबे 'शटडाउन' को समाप्त करने का दबाव अब बढ़ता जा रहा है क्योंकि लाखों अमेरिकी खाद्य सहायता खोने, सरकारी कर्मचारियों को वेतन न मिलने और हवाई अड्डों पर बढ़ती देरी जैसी कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। देश के सबसे बड़े संघीय कर्मचारी संघ 'अमेरिकन फेडरेशन ऑफ गवर्नमेंट एम्प्लॉइज' के अध्यक्ष एवरेट केली ने कांग्रेस से तुरंत वित्त पोषण विधेयक पारित करने की अपील की ताकि कर्मचारियों को पूरा वेतन दिया जा सके।

एफएटीएफ सूची से द. अफ्रीका बाहर निकला

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका को करीब तीन साल बाद वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) की संदिग्ध (ग्रे) सूची से बाहर निकलने में सफलता मिली है। वैश्विक धन शोधन और आतंकवादी वित्तपोषण निगरानी संस्था ने पिछले सप्ताह पेरिस में अपनी तीन दिवसीय पूर्ण बैठक के समापन के बाद इस निर्णय की घोषणा की। एफएटीएफ की संदिग्ध सूची में शामिल देशों पर कड़ी निगरानी रखी जाती है और ऐसे देशों को धन शोधन, आतंकवादी वित्तपोषण आदि का मुकाबला करने के लिए रणनीतिक कमियों को दूर करना होता है।

सिडनी : हवाई अड्डे से 128 किग्रा कोकीन जब्त

सिडनी। सिडनी हवाई अड्डे पर 128 किलोग्राम कोकीन पाए जाने के बाद पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। न्यू साउथ वेल्स राज्य पुलिस ने मंगलवार को कहा कि ये गिरफ्तारियां एक स्ट्राइक फोर्स द्वारा की गईं जिसका गठन जुलाई में सिडनी के भीतरी-पश्चिमी उपनगरों में एक घर में हुयी गोलीबारी की जांच के लिए किया गया था। समूह ने शनिवार को सिडनी हवाई अड्डे पर आई एक खेप की पहचान की जिसमें 128 किलोग्राम कोकीन थी।

पूर्वी एशिया में शांति, स्थिरता और आर्थिक समृद्धि को देंगे बढ़ावा

कुआलालंपुर घोषणा पत्र में आसियान के सदस्य देशों ने व्यक्त की वचनबद्धता

कुआलालंपुर, एजेंसी

पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन के सदस्य देशों ने क्षेत्र में मतभेदों और विवादों का निपटारा अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के अनुसार शांतिपूर्ण तरीकों से करने तथा शांति, स्थिरता और आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा देने के प्रति वचनबद्धता व्यक्त करते हुए मंगलवार को यहां कुआलालंपुर घोषणा पत्र को आम सहमति से मंजूरी दी। घोषणा पत्र में अंतर्राष्ट्रीय कानूनों पर आधारित बहुपक्षवाद को शांतिपूर्ण और समृद्ध विश्व का आधार बताया गया है। विदेश मंत्री डा. एस जयशंकर ने 20 वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

घोषणा पत्र में कहा गया है कि पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय कानून और उसे बढ़ावा देने में संवाद तथा सम्मेलन की भूमिका बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसमें कहा गया है कि हम आपसी समझ, सम्मान, विश्वास और मित्रता को बढ़ाने के महत्व को रेखांकित करते हैं साथ ही अंतर्राष्ट्रीय कानून के अनुसार शांतिपूर्ण तरीकों से मतभेदों और विवादों का निपटारा करने और क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि को बनाए रखने, बढ़ावा देने और बनाए रखने के साझा हित को भी रेखांकित करते हैं। सदस्य देशों ने कहा है कि हम संयुक्त राष्ट्र चार्टर सहित अंतर्राष्ट्रीय कानून पर आधारित बहुपक्षवाद के प्रति पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन की दृढ़ प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि करते हैं जो शांतिपूर्ण और समृद्ध विश्व का अनिवार्य आधार है। विदेश मंत्री जयशंकर ने सोमवार को 20वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भारत का राष्ट्रीय वक्तव्य दिया। इससे पहले, लक्सन के साथ अपनी बैठक के दौरान, जयशंकर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दीं। विदेश मंत्री ने 'एक्स' पर एक अन्य पोस्ट में कहा कि हमारे द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने और मुक्त एवं खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए उनकी (लक्सन की) प्रतिबद्धता का स्वागत है। जयशंकर ने अपने मलेशियाई समकक्ष हसन के साथ अपनी बैठक को गर्मजोशी से पूर्ण बताया और कहा कि दोनों विदेश मंत्रियों ने द्विपक्षीय सहयोग में प्रगति पर चर्चा की। विदेश मंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने म्यांमा की स्थिति पर भी चर्चा की। विदेश मंत्री ने कहा कि उन्होंने हसन को आसियान और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलनों की सफल मेजबानी के लिए शुभकामनाएं भी दीं। रविवार को, जयशंकर ने मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ वार्ता की थी। जयशंकर ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि हमारे द्विपक्षीय सहयोग और लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने के उनके (इब्राहिम के) विचारों का मैं सम्मान करता हूं। मलेशिया आसियान के वर्तमान अध्यक्ष के रूप में कुआलालंपुर में समूह के वार्षिक शिखर सम्मेलन और संबंधित बैठकों की मेजबानी कर रहा है।

आसियान शिखर सम्मेलन के समापन पर अध्यक्षता हस्तांतरण के दौरान फिलीपींस के राष्ट्रपति मार्कोस को हथौड़ा सौंपते मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम।

अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के पालन पर भी जोर

घोषणा पत्र में यह भी कहा गया है कि पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन अंतर्राष्ट्रीय कानून को बढ़ावा देने और उसे कायम रखने के साथ-साथ पारस्परिक रूप से लाभकारी संबंधों के सिद्धांतों (बाली सिद्धांत) पर 2011 के पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन घोषणापत्र में निर्धारित सिद्धांतों को भी बढ़ावा देता रहेगा। सदस्य देशों ने कहा है कि पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन रचनात्मक, स्पष्ट तथा स्वतंत्र संवाद और विचार-विमर्श के साथ-साथ व्यावहारिक सहयोग के माध्यम के रूप में अपनी भूमिका को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है जिससे कि पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन की प्रक्रिया समय के साथ सकारात्मक और उपयोगी बनी रहे और आसियान तथा क्षेत्र के हितों को फायदा पहुंचे।

आर्थिक सहयोग बढ़ाएंगे सदस्य देश

घोषणा पत्र में आसियान की केन्द्रीय भूमिका पर जोर देते हुए कहा गया है कि आर्थिक चुनौतियों के विरुद्ध क्षेत्रीय लचीलापन सुनिश्चित करने और क्षेत्र में विकास के अंतर को कम करने के लिए पारस्परिक हित के क्षेत्रों में भागीदार देशों के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई है। सदस्य देशों ने सम्मेलन को सुदृढ़ बनाने के लिए भी अनेक कदम उठाने पर सहमति व्यक्त की।

बांग्लादेश में पिछले 24 घंटों में डेंगू के 983 नए मामले

ढाका, एजेंसी। बंगलादेश में पिछले 24 घंटों में डेंगू के 983 नए मामले सामने आए और छह और लोगों की मौत हुई है। देश भर के विभिन्न अस्पतालों में लगभग 2,800 डेंगू के मरीज इलाज करा रहे हैं। इस साल अब तक डेंगू के कुल मामलों की संख्या 66,423 और मृतकों की संख्या 269 तक पहुंच गयी है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) ने यह जानकारी दी है। डीजीएचएस के आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर में अब तक डेंगू के 19,081 मामले दर्ज किए गए हैं, जबकि इससे पहले सितंबर में 15,866 मामले दर्ज किए गए थे। डेंगू के मच्छरों के काटने से अक्टूबर में अभी तक 71 मरीजों की जान जा चुकी है जबकि सितंबर में डेंगू से 79 लोगों की मौत हुई थी।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच वार्ता जारी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान और पड़ोसी अफगानिस्तान के बीच सीमा पार सैन्य और अन्य मुद्दों पर अपने विवाद को सुलझाने के लिए तुर्किये में वार्ता अब भी जारी है लेकिन वे अभी तक किसी नतीजे पर नहीं पहुंचे हैं। वार्ता शनिवार को शुरू हुई और सोमवार तक जारी रही, लेकिन कोई अंतिम समझौता नहीं हो सका। अधिकारियों के हवाले से 'डॉन' ने खबर दी कि अंतिम समझौता अभी नहीं हुआ है। बंद कमरे में हुई बातचीत से परिचित सूत्रों ने बताया कि हालांकि दोनों पक्षों के बीच अधिकांश बिंदुओं पर आपसी सहमति बन गई है लेकिन अफगान क्षेत्र से सक्रिय आतंकवादी समूहों के खिलाफ ठोस कार्रवाई मुख्य मुद्दा बना हुआ है। एक सूत्र के हवाले से कहा गया कि हमें उम्मीद थी कि हम जल्द ही अफगानिस्तान के साथ एक पारस्परिक दस्तावेज पर हस्ताक्षर कर सकेंगे जिसके बाद एक संयुक्त बयान जारी किया जाएगा लेकिन यह अब भी हमारी पहुंच से बाहर है। सोमवार की सुबह वार्ता काफी सकारात्मक रही। इसमें भाग लेने वाले अधिकारियों ने दोनों प्रतिनिधिमंडलों की ओर से उत्साहजनक प्रगति का जिक्र किया।

केन्या में छोटा विमान क्रैश, 11 लोगों की मौत

नैरोबी, एजेंसी

- तटीय क्षेत्र क्वाले में हादसा, मृतकों में अधिकांश विदेशी पर्यटक

केन्या के तटीय क्षेत्र क्वाले में मंगलवार तड़के एक छोटे विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से उसमें सवार 11 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों में अधिकांश विदेशी पर्यटक शामिल हैं। अधिकारियों के मुताबिक, विमान 'मसाई मारा राष्ट्रीय अभयारण्य' जाते समय हादसे का शिकार हुआ। यह अभयारण्य अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय पर्यटन स्थल है।

विमानन कंपनी 'मोम्बासा एयर सफारी' ने एक बयान में कहा कि विमान में सवार जिन 11 लोगों की मौत हो गई, उनमें हंगरी के आठ व्यक्ति और दो जर्मन नागरिकों के अलावा केन्या निवासी एक पायलट शामिल है। बयान के अनुसार, दुर्घटना डायनी हवाई पट्टी से लगभग 40 किलोमीटर दूर एक पहाड़ी वन क्षेत्र में हुई। विमानन कंपनी ने इस बात की पुष्टि नहीं की कि विमान ने डायनी हवाई पट्टी से किस समय उड़ान भरी थी। उसने कहा कि उड़ान के समय पायलट संपर्क करने में विफल रहा और हवाई अड्डे के नियंत्रण टावर ने विमान का पता लगने से 30 मिनट पहले तक उससे संपर्क करने की कोशिश की थी।

एजेंसियों ने शुरू की हादसे के कारणों की जांच

क्वाले काउंटी के आयुक्त स्टीफन ओरिंडे ने बताया कि जांच एजेंसियां स्थानीय समयानुसार सुबह साढ़े पांच बजे हुई दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही हैं। उस समय तटीय केन्या में भारी बारिश हो रही थी। इसके पहले, केन्या के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण ने कहा था कि विमान में 12 लोग सवार थे। डायनी से समुद्र तट के पश्चिम में स्थित मासाई मारा राष्ट्रीय अभयारण्य तक विमान से पहुंचने में दो घंटे का समय लगता है। यह अभयारण्य बड़ी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करता है, क्योंकि यहां तंजानिया के सेरेन्गोटी से हर साल बड़ी संख्या में 'वाइल्डबीस्ट' प्रवास के लिए पहुंचते हैं। हिंद महासागर के किनारे केन्या के सफेद रेत वाले समुद्र तट दुनिया भर के पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

तुर्किये में भूकंप से इमारतें ढहीं, 22 घायल

अंकारा, एजेंसी

- रिक्टर स्केल पर 6.1 रही तीव्रता, जमीन से 5.99 किमी गहराई

पश्चिमी तुर्किये में सोमवार को 6.1 तीव्रता का भूकंप आने से कम से कम तीन इमारतें ढह गईं। अधिकारियों ने बताया कि जो इमारतें ढही हैं, वे पूर्व में आए एक भूकंप के कारण पहले ही क्षतिग्रस्त थीं। आपदा एवं आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी (एएफएडी) के अनुसार, स्थानीय समयानुसार रात 10 बजकर 48 मिनट पर आए 6.1 तीव्रता के इस भूकंप का केंद्र बालिकेसिर प्रांत के सिंदिरगी शहर में जमीन से 5.99 किलोमीटर की गहराई में था। भूकंप के बाद आए कई झटके इस्तांबुल और आसपास के बर्सा, मनीसा और इजमिर प्रांतों में महसूस किए गए। देश के गृह मंत्री अली येरलिकाया ने बताया कि सिंदिरगी में कम से कम तीन खाली इमारतें और दो मंजिला एक दुकान ढह गई। ये इमारतें पहले आए भूकंप में क्षतिग्रस्त हो चुकी थीं। बालिकेसिर के गवर्नर इस्माइल उस्ताओग्लू ने बताया कि भूकंप के कारण 22 लोग घायल हो गए।

पूर्वी नेपाल में आया हल्का भूकंप

काठमांडू। पूर्वी नेपाल के कोशी प्रांत के संखुवासभा जिले में मंगलवार को 4 .3 तीव्रता का भूकंप आया। अधिकारियों ने बताया कि इससे किसी भी तरह के नुकसान की तत्काल कोई खबर नहीं मिली है। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार भूकंप काठमांडू से 225 किलोमीटर पूर्व में तिब्बत सीमा के पास किमाथांगका क्षेत्र के आसपास सुबह 7 :32 बजे दर्ज किया गया।

ट्रंप ने अमेरिका को बताया जापान का सबसे मजबूत सहयोगी

तोक्यो, एजेंसी

- जापान की नई प्रधानमंत्री साने ताकाइची की ट्रंप ने की प्रशंसा

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार से अपनी व्यस्त एशिया यात्रा की शुरुआत में जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची से मुलाकात की और दोनों देशों को सबसे मजबूत स्तर पर सहयोगी करार दिया। वह जापानी प्रधानमंत्री को अमेरिकी विमानवाहक पोत पर भी ले गए जहां उन्होंने अमेरिकी सैनिकों से बातचीत की।

ट्रंप एशिया में अमेरिका के सबसे मजबूत सहयोगियों में शामिल जापान की यात्रा कर रहे हैं, फिर भी उनकी यात्रा के दौरान कई बातों को लेकर अनिश्चितता की स्थिति है। कुछ ही दिन पहले देश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं साने ताकाइची को अपने देश के आर्थिक हितों की रक्षा करते हुए ट्रंप के साथ अपने रिश्ते मजबूत करने होंगे।

ट्रंप एक व्यापार समझौते के तहत 550 अरब अमेरिकी डॉलर का जापानी निवेश हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रंप ने मंगलवार को ताकाइची मुलाकात की और उनसे हाथ मिलाया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ताकाइची की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने बहुत मजबूती से हाथ मिलाया। ताकाइची ने बताया कि जापान अगले साल अमेरिका की 250वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में वाशिंगटन को चेरी के 250 पेड़ देगा और चार जुलाई के इस समारोह के लिए अकिता प्रांत से आतिशबाजी भी करेगा।

नोबेल के लिए ट्रंप को नामित करेंगी ताकाइची

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस का कहना है कि जापान की नई प्रधानमंत्री सनाई ताकाइची ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बताया है कि वह उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित कर रही हैं। ट्रंप को प्रभावित करने की चाहत रखने वाले विदेशी नेताओं के बीच ऐसा करना एक आम बात हो गई है, और हाल के महीनों में कई नेताओं ने उनके नामांकन का समर्थन किया है - या कम से कम ऐसा करने का वादा किया है। ट्रंप की इस समय जारी एशिया यात्रा में सोमवार को कंबोडियाई प्रधानमंत्री हुन मानेट ने भी उन्हें नामांकित किया।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 29 अक्टूबर, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-शुक्ल पक्ष, सप्तमी 09 .23 तक तत्पश्चात अष्टमी।

मेष - आज आपके साहस और आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। किसी बड़ी समस्या से आपको छुटकारा मिल सकता है। अधीनस्थ कर्मचारी आपसे अत्यंत प्रसन्न रहेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति सबल रहेगी। विदेश से नौकरी के अवसर मिलने के योग बन रहे हैं।

वृष - आज आपनी वाणी में अत्यंत मिठास रहेगी। अध्यात्मिक विषयों में आप रुचि लेंगे। दूर के रिश्तेदारों से मुलाकात हो सकती है। कार्यक्षेत्र में आपको बड़ा पद दिया जा सकता है। नए प्रोजेक्ट्स को लेकर आप अत्यधिक सक्रिय रहने वाले हैं।

मिथुन - आज भाग्य का साथ न मिलने से आपके काम प्रभावित हो सकते हैं। यात्रा के दौरान बड़ी परेशानियां खड़ी हो सकती हैं। शरीर में थकावट महसूस होगी। लेन-देन में त्रुटि होने के कारण आर्थिक नुकसान हो सकता है।

कर्क - आज व्यवसाय में बड़े अनुबंध हो सकते हैं। धन कमाने के नए स्रोत निर्मित हो सकते हैं। अविवाहित लड़कियों का विवाह तय हो सकता है। अपनी कार्यप्रणाली में अपेक्षित सुधार कर लें। विद्यार्थियों को उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश मिल सकता है।

सिंह - आज प्रेमी जन के साथ पर्यटन की योजना बना सकते हैं। सुबह काम का तनाव रहेगा, लेकिन शाम तक आप काफी शांत मूड में आ जायेंगे। बीमार लोगों के स्वास्थ्य में सुधार होगा। पारिवारिक कार्यों को लेकर भागदौड़ करनी पड़ सकती है।

कन्या - आज दिन काफी अच्छा रहेगा। व्यापार के नए विचार आपके मन में पूरे दिन आते रहेंगे। दर्शन और साहित्य के प्रति आप अत्यंत आकर्षित रहेंगे। भविष्य को लेकर अत्यधिक जागरूक रहेंगे। सरकारी नौकरी कर रहे लोगों पर काम का दबाव कम होगा।

तुला - आज आपका मन अत्यंत प्रसन्न रहने वाला है। नए ज्ञान को सीखने का प्रयास करेंगे। धन की कमी के कारण आपके काम रुक सकते हैं। विद्वान लोगों का सानिध्य प्राप्त होगा। कार्यक्षेत्र में अपनी छवि को लेकर चिंतित रहेंगे।

वृश्चिक - आज आपकी कोई इच्छा पूरी हो सकती है। सामाजिक कार्यों में आप भाग लेंगे। आपका स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। दिखावे की प्रवृत्ति से आपको बचना चाहिए। नए काम की शुरुआत करने के लिए दिन अत्यंत शुभ है। कारोबार को लेकर यात्रा कर सकते हैं।

धनु - आज आप लोगों की सहायता करने के लिए उधार दे सकते हैं। गुप्त शत्रु आपका अहित करने का प्रयास करेंगे। आपके कार्यों से परिजन नाराज हो सकते हैं,लेकिन किंतु आपको उनसे झगड़ने के बजाय उन्हें अपनी बातें मनानी चाहिए।

मकर - आज किसी मांगलिक समारोह में सम्मिलित होने की संभावना है। छात्रों का पढ़ाई में प्रदर्शन बहुत शानदार रहेगा। वैचारिक तनाव होने की संभावना है। अजनबियों पर अधिक विश्वास न करें। जीवनसाथी आपके व्यवहार से प्रसन्न रहेगा।

कुंभ - आज व्यापार को लेकर बड़ी योजना बनाने से बचें। इष्ट मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। बढ़ते खर्चों को नियंत्रित करने के लिए आपको प्रयास करना चाहिए। आपको कार्यक्षेत्र में अनुशासनहीन व्यवहार से बचना चाहिए।

मीन - आज किसी मित्र के साथ गंभीर विषय पर चर्चा कर सकते हैं। परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। इंटरव्यू आदि में सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। अपनी प्रतिष्ठा के कारण आप अत्यंत लोकप्रिय रहेंगे। बच्चों के साथ अच्छा समय बिताएंगे।

आज का पंचांग

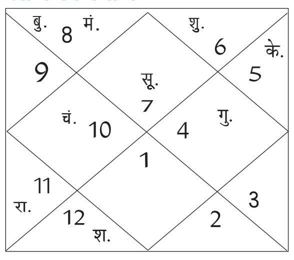

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।
ताराबल- भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- उत्तराषाढ़ा 17 .29 तक तत्पश्चात श्रवण।

सुडोकू-144

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	1				2	3		
4					1			
6						1		
	8			5				
	2	6						
	3			4				
		1	6					
		7	9					
							4	

सुडोकू - 143 का हल

5	7	1	4	3	9	2	8	6
3	6	9	7	2	8	4	1	5
2	4	8	5	6	1	7	3	9
4	8	3	9	1	7	6	5	2
1	9	5	2	8	6	3	7	4
6	2	7	3	5	4	8	9	1
7	1	4	6	9	3	5	2	8
8	5	6	1	7	2	9	4	3
9	3	2	8	4	5	1	6	7

"रोहित ने एक और शतक लगाया जबकि कोहली ने भी रन बनाए। मैं उनके आगे की रणनीति का इंतजार कर रहा हूं। अगर आप क्रिकेट के प्रशंसक हैं तो इन खिलाड़ियों का जश्न मनाने का यही सही समय है।
–एबी डिविलियर्स
पूर्व कप्तान, दक्षिण अफ्रीका

स्टेडियम

कानपुर, बुधवार 29 अक्टूबर 2025

अमृत विचार
www.amritvichar.com

हाईलाइट

भारत की महिला टीम को कजाकिस्तान ने बराबरी पर रोका

नई दिल्ली : भारत की अंडर-20 महिला टीम ने मंगलवार को कजाकिस्तान के शिमकेंट में बीआईआईके स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में दूसरे और अंतिम मैत्री मैच में कजाकिस्तान अंडर-19 के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला। दोनों गोल दूसरे हाफ में किए गए। एडेलिया बेक्कोझिना ने 47वें मिनट में मेज़बान टीम को बढ़त दिलाई, जबकि पूजा ने 55वें मिनट में इस दौरे का अपना दूसरा गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। भारतीय टीम ने अगले साल होने वाले अंडर-20 महिला एशिया कप की तैयारी के सिलसिले में यह दौरा किया था जिसमें उसने दो मैत्री मैच खेले। भारत ने शनिवार को पहला मैत्री मैच 3-2 से जीता था।

डब्ल्यूटीटी फाइनल्स के लिए दीया-मानुष ने किया क्वालीफाई

नई दिल्ली : दीया चितले और मानुष शाह की जोड़ी ने मिश्रित युगल वर्ग में डब्ल्यूटीटी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई कर लिया और ऐसा करने वाले पहले भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी बने। डब्ल्यूटीटी फाइनल्स हांगकांग 2025 का आयोजन 10 से 14 दिसंबर तक किया जाएगा। इस प्रतियोगिता के साथ वैश्विक डब्ल्यूटीटी सीरीज का समापन होगा। इसमें सिर्फ शीर्ष रैंकिंग वाले खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। पुरुष और महिला एकल में शीर्ष 16 जबकि युगल वर्ग में शीर्ष आठ टीम हिस्सा लेंगी। टूर्नामेंट की कुल इनामी राशि 13 लाख डॉलर होगी। दीया और मानुष ने पूरे साल प्रदर्शन में निरंतरता की बदौलत फाइनल्स में जगह बनाई। इस जोड़ी ने डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर ब्राजील 2025 में मिश्रित युगल में रजत पदक भी जीता।

एशियाई इनडोर और रिले के लिए भारत ने लगाई बोली

नई दिल्ली : भारत ने आगामी वर्षों में महाद्वीपीय और वैश्विक प्रतियोगिताओं के आयोजन के अपने प्रयासों के तहत 2028 एशियाई इनडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप और 2026 एशियाई रिले की मेजबानी के लिए बोलियां पेश की हैं। भारत अगर इन प्रतियोगिताओं की मेजबानी हासिल करने में सफल रहा तो यह पहली बार होगा जब देश इन दो महाद्वीपीय प्रतियोगिताओं की मेजबानी करेगा।

कर्नाटक क्रिकेट संघ के चुनाव 30 नवंबर को

बेंगलुरु : कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के चुनाव 30 नवंबर को होंगे। संघ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शुभेंदु घोष ने मंगलवार को यहां यह घोषणा की। रघुराम भट्ट की अगुवाई वाली समिति का कार्यकाल 30 सितंबर को खत्म हो गया था और चुनाव की तारीख की घोषणा में देरी से राज्य के क्रिकेट जगत में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई थी। केएससीए के सीईओ घोष ने ईमेल के जरिए बताया कि 14 अक्टूबर 2025 को हुई हमारी बैठक में तय किया गया था और 25 अक्टूबर 2025 को हुई बैठक में दोहराया गया था, केएससीए के चुनाव रविवार, 30 नवंबर 2025 को होंगे। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद एक पैनल की अगुवाई कर रहे हैं जिसमें बीसीसीआई और केएससीए के पूर्व अधिकारी विनय मृत्युंजय जैसे अनुभवी प्रशासक शामिल हैं।

नई ऊर्जा और रणनीति के साथ खेलेगा भारत

पांच टी-20 मैचों की श्रृंखला : कप्तान सूर्यकुमार यादव के प्रदर्शन पर रहेंगी नजरें

कैनबरा, एजेंसी

पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले पहले टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में फॉर्म में लौटने की कोशिश करेंगे। दोनों टीम ने अपने गत 10 टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में से आठ जीते हैं और एक-एक मैच हारे हैं, इसलिए मुकाबला बराबरी का होने की उम्मीद है। भारत का एक मैच टाई रहा, जबकि ऑस्ट्रेलिया का एक मैच बारिश की भेंट चढ़ गया था।

सूर्यकुमार का रन नहीं बना पाना टीम के लिए चिंता का विषय हो सकता है लेकिन अन्य खिलाड़ियों ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है और वे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी बेहतर खेल दिखाने को प्रतिबद्ध होंगे। सूर्यकुमार के कप्तान बनने के बाद भारतीय टीम ने निर्भीक क्रिकेट खेलने को प्राथमिकता दी है। यही वजह है कि उनकी कप्तानी में भारत ने अब तक जो 29 मैच खेले हैं उनमें से 23 में जीत मिली है। किसी भी कीमत पर आक्रामकता बनाए रखना और सूर्या के नेतृत्व कौशल के दम पर भारत ने सभी द्विपक्षीय श्रृंखलाओं में जीत हासिल की है और वह हाल में एशिया कप जीतने में भी सफल रहा था। ऑस्ट्रेलिया श्रृंखला अगले साल की शुरू होने वाले टी-20 विश्व कप के लिए भारत की वास्तविक तैयारी की शुरुआत है, जिसमें उसे 15 मैच खेलने हैं। लेकिन यह कहा जा सकता है कि इस श्रृंखला के परिणाम का कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ेगा, क्योंकि दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ अगले 10 मैच घरेलू परिस्थितियों में खेले जाएंगे। अच्छी बात यह है कि विश्व कप भी इसी तरह की परिस्थितियों में आयोजित होगा।

मुख्य कोच गौतम गंभीर ने सूर्या का खुलकर समर्थन किया और उनका मानना है कि कप्तान का लगातार कम स्कोर पर आउट होना चिंता का विषय नहीं है। सूर्यकुमार हालांकि बड़ी पारी खेलने के लिए बेताब होंगे। सूर्यकुमार ने 2023 में 18 पारियों में 156 के स्ट्राइक रेट से 733 रन बनाए थे, जिसमें दो शतक और पांच अर्धशतक थे। उन्होंने 2024 में 151 के स्ट्राइक रेट से 450 से थोड़ा कम रन बनाए, लेकिन 2025 में अब तक सूर्या 10 पारियों में 11 रन प्रति मैच की औसत से 100 रन ही बना पाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 105 से अधिक है, जिससे यह पता चलता है कि उन्हें रन बनाने में संघर्ष करना पड़ा है। एशिया कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के लिए ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर अतिरिक्त उछाल से निपटना नई चुनौती होगी और इसलिए कप्तान का योगदान और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। मनुका ओवल की पिच पर उछाल होने से सूर्या को अधिकतम लाभ हासिल करने का मौका मिलेगा, लेकिन जोश हेजलवुड उनके लिए परेशानी खड़ी कर सकते हैं। भारतीय गेंदबाजी आक्रमण की बात करें तो जसप्रीत बुमराह की मौजूदगी और वरुण चक्रवर्ती की चतुराई महत्वपूर्ण कारक होंगे। वरुण, कुलदीप यादव और अक्षर पटेल के 12 ओवर तथा बुमराह और अर्शदीप के शुरुआती स्पेल ट्रेविस हेड और मिशेल मार्श के खिलाफ महत्वपूर्ण होंगे। सभी की निगाहें ऑस्ट्रेलिया के नए टी-20 स्टार मिशेल ओवेन पर होंगी, जिन्होंने पिछले साल पंजाब किंग्स के लिए मैच खेला था। ओवेन ने एडिलेड में भारत के खिलाफ वनडे मैच में शानदार प्रदर्शन किया था, लेकिन स्पिन गेंदबाजों के सामने उनकी परीक्षा होगी।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पावरप्ले अहम, बुमराह साबित होंगे उपयोगी : सूर्यकुमार

कैनबरा। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने मंगलवार को कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू हो रही पांच मैचों की टी-20 अंतर्राष्ट्रीय श्रृंखला में पावरप्ले के ओवर काफी महत्वपूर्ण होंगे और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की मौजूदगी से टीम की संभावनाएं बढ़ जाएंगी। सूर्यकुमार ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया की आक्रामक खेल शैली के सामने बुमराह का होना फायदेमंद रहा है। सूर्यकुमार ने कहा कि पावर प्ले में गेंदबाजी करना चुनौती होती है। हमने देखा है कि ऑस्ट्रेलिया ने वनडे श्रृंखला और टी-20 विश्व कप में किस तरह का खेल खेला है। आपने एशिया कप में देखा होगा कि उन्होंने (बुमराह ने) पावर प्ले में दो ओवर गेंदबाजी करने की जिम्मेदारी ली थी, इसलिए हमारे लिए यह अच्छी बात है कि वह जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ निश्चित रूप से पावर प्ले में गेंदबाजी करना अच्छी चुनौती होगी। बुमराह ऑस्ट्रेलिया में खेलने के मामले में भारतीय टी-20 टीम में सबसे अनुभवी खिलाड़ी हैं।

सूर्यकुमार ने कहा कि उनका मुख्य तेज गेंदबाज जानता है कि इस तरह की श्रृंखला के लिए किस तरह से तैयारी करनी होती है। जिस तरह से उन्होंने (बुमराह ने) कई वर्षों से क्रिकेट खेला है, उन्होंने खुद को शीर्ष पर बनाए रखा है और वह जानते हैं कि एक अच्छी श्रृंखला के लिए कैसे तैयारी करनी है, वह जानते हैं कि यहां कैसे क्रिकेट खेलना है। मुझे लगता है कि उन्होंने सभी खिलाड़ियों में से इस देश का सबसे ज्यादा बार दौरा किया है, इसलिए सभी खिलाड़ियों ने उनसे बात की है। वह काफी मददगार हैं। उनका हमारी टीम में होना हमारे लिए अच्छी बात है। सूर्यकुमार ने संकेत दिया कि चोटिल होने के कारण तीसरे और अंतिम वनडे से बाहर हुए ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी टी-20 सीरीज के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। वह ठीक है। कल उसने थोड़ी दौड़ लगाई और नेट्स पर बल्लेबाजी भी की। आज वह ब्रेक लेना चाहता था क्योंकि यह वैकल्पिक अभ्यास था। भारतीय कप्तान कहा कि टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 श्रृंखला को अगले साल होने वाले विश्व कप की तैयारी के रूप में देखती है। टीम संयोजन में ज्यादा बदलाव नहीं है, क्योंकि कई बार जब हम दक्षिण अफ्रीका गए थे, तो हम एक तेज गेंदबाज़, एक ऑलराउंडर और तीन स्पिनरों के साथ खेले थे। यहां की परिस्थितियां भी वैसी ही हैं। यह विश्व कप की तैयारी है ,लेकिन इसके साथ ही यह काफी चुनौतीपूर्ण है। उम्मीद है कि हमारे लिए यह श्रृंखला अच्छी साबित होगी।'' भारतीय कप्तान ने कहा कि खिलाड़ी क्षेत्ररक्षण पर भी कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल (उपकप्तान), तिलक वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर।

ऑस्ट्रेलिया : मिशेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, महली बियर्डमैन, टिम डेविड, बेन ड्वार्शिस, नाथन एलिस, जोश हेज़लवुड, ग्लेन मैक्सवेल, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, मैथ्यू कुहनेमन, मिशेल ओवेन, जोश फिलिप, तनवीर संघा, मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस।
मैच दोपहर 1:45 बजे।

टी-20 विश्व कप से पहले ऑस्ट्रेलिया अपना आक्रामक रवैया जारी रखेगा : मार्श

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिशेल मार्श जानते हैं कि अति आक्रामक बल्लेबाजी करने की रणनीति हमेशा कारगर साबित नहीं होती है। उन्होंने कहा कि उनकी टीम अगले साल होने वाले टी-20 विश्व कप की तैयारियों के तहत आक्रामक रवैया अपनाना जारी रखेगी। ऑस्ट्रेलिया अगले साल फरवरी-मार्च में भारत और श्रीलंका की मेजबानी में होने वाले विश्व कप की तैयारी के तहत बुधवार से भारत के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 अंतर्राष्ट्रीय श्रृंखला खेलेगा।

ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी बार 2021 में टी-20 विश्व कप जीता था जबकि भारत 2024 में चैंपियन बना था। मार्श ने मंगलवार को कहा कि गत दो विश्व कप में हम अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर पाए और मुझे लगता है कि हमने एक टीम के रूप में खुद को चुनौती देने की बात की थी, ताकि हम विश्व कप जीत सकें। बल्लेबाजी इकाई के रूप में हमने काफी आक्रामक खेल दिखाया है। कुछ वर्षों में कई टीमों ने टी-20 क्रिकेट में इसी तरह का रवैया अपना है। अगर हम भारत में होने वाले विश्व कप की बात करें तो हम निश्चित तौर पर इसी तरह से खेलेंगे भले ही कुछ अवसरों पर हमें सफलता हासिल ना हो।

मार्श ने कहा कि भारतीय टीम बहुत अच्छी है और हम उसका सम्मान करते हैं। मुझे लगता है कि यह श्रृंखला काफी रोमांचक होगी। यह दो अच्छी टीमों के बीच मुकाबला है और इसलिए मैं इस चुनौती का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने भारत की एशिया कप जीत के दौरान 44.85 की औसत और 200 की स्ट्राइक रेट से 314 रन बनाए। मार्श ने अभिषेक के बारे में कहा कि वह उनके लिए लय तय करते हैं। कुछ समय से वह आईपीएल में हैदराबाद की तरफ से शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। वह हमारे सामने अच्छी चुनौती पेश करेंगे।

अय्यर आईसीयू से बाहर, हालत स्थिर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की वनडे टीम के उप कप्तान श्रेयस अय्यर को सिडनी के अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) से बाहर स्थानांतरित कर दिया गया है और उनकी हालत स्थिर है, जिससे उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंता कम हो गई है। उन्हें तिल्ली की चोट (स्प्लीनिक रप्चर) और पसली में चोट के कारण भर्ती किया गया था।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में खेले गए तीसरे वनडे मैच के दौरान हर्षित राणा की गेंद पर एलेक्स कैरी का मुश्किल कैच लेने की कोशिश में अय्यर को बाईं पसली के निचले हिस्से में चोट लगी थी। शुरुआत में वह फिजियो की मदद से मैदान से बाहर चले गए, लेकिन बाद में उनकी हालत बिगड़ गई, जिससे उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। परीक्षणों से पता चला कि तिल्ली में चोट लगने से आंतरिक रक्तस्राव हुआ था, जिसके बाद उन्हें आईसीयू में भर्ती कराया गया।

बीसीसीआई प्रगति पर रखेगी नजर

बीसीसीआई ने कहा कि अय्यर की हालत स्थिर है और वह अब भी निगरानी में है। मंगलवार 28 अक्टूबर को दोबारा किए गए स्कैन में काफी सुधार दिखा और श्रेयस ठीक हो रहा है। बीसीसीआई की मेडिकल टीम सिडनी और भारत के विशेषज्ञों से सलाह करके उसकी प्रगति पर नजर रखेगी। भारत के टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला के पहले मैच से पूर्व अय्यर की सेहत में सुधार के बारे में जानकर उन्हें खुशी हुई। देखिए, हम डॉक्टर नहीं हैं।

निकहत की नजरें विश्व मुक्केबाजी में अधिक अंक लेने पर

नई दिल्ली। दो बार की स्वर्ण पदक विजेता निकहत जरीन ने तीसरा विश्व चैंपियनशिप पदक चूकने की निराशा को पीछे छोड़ दिया है। अब उनका ध्यान आगामी विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल में शीर्ष पुरस्कार जीतकर अधिकतम अंक जुटाने पर है। यह प्रतियोगिता 14 से 21 नवंबर तक ग्रेटर नोएडा में आयोजित की जाएगी।

फ्लाईवेट और लाइट फ्लाईवेट श्रेणियों में निकहत ने 2022 में इस्तांबुल और 2023 में नई दिल्ली में विश्व चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक जीते थे। वह 2025 में लिवरपूल में क्वार्टर फाइनल में तुर्की की दो बार की ओलंपिक रजत पदक विजेता बुसे नाज काकिरोग्लू से हार गई थीं। निकहत ने विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स के लोगो के अनावरण से जुड़े कार्यक्रम के इतर कहा कि मैं ये नहीं कहूंगी कि वहां (विश्व चैंपियनशिप) मेरा अभियान निराशाजनक था। एक साल के ब्रेक के बाद वापसी करते हुए दो मुकाबले जीतना वह भी एक मजबूत मुक्केबाज के खिलाफ आसान नहीं होता है।

वनडे रैंकिंग: मंधाना ने हासिल की करिअर बेस्ट रेटिंग

दुबई, एजेंसी

- दूसरे स्थान पर काबिज गार्डनर ने इंग्लैंड के खिलाफ नाबाद शतक के बाद छह स्थानों की लगाई छलांग
- दक्षिण अफ्रीकी कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट भी अच्छी पारी की बदौलत दो स्थानों के सुधार के साथ शीर्ष तीन में पहुंचीं

भारत की अनुभवी सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने घरेलू विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के दम पर मंगलवार को करिअर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल करने के साथ महिला वनडे क्रिकेट में शीर्ष बल्लेबाज के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली। बायें हाथ की इस 29 साल की बल्लेबाज ने पिछले दो मैचों में न्यूजीलैंड के खिलाफ 109 और बांग्लादेश के खिलाफ नाबाद 34 रन बनाए हैं।

इन पारियों के बाद उनके 828 रेटिंग अंक हो गए, जो दूसरे स्थान पर मौजूद ऑस्ट्रेलिया की ऐश गार्डनर (731) से 97 अंक अधिक हैं। गार्डनर ने इंग्लैंड के खिलाफ अपने नाबाद शतक के बाद छह स्थानों की छलांग लगाई। मंधाना को इससे पहले सितंबर 2025 के लिए 'आईसीसी-महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी' चुना गया था। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट भी 90 और 31 रनों की पारी की बदौलत दो स्थानों के सुधार के साथ शीर्ष तीन में पहुंच गईं। इंग्लैंड की एमी जोन्स चार पायदान चढ़कर नौवें (656) स्थान पर पहुंच गई, जबकि एनाबेल सदरलैंड ने शीर्ष 40 में सबसे बड़ी छलांग लगाई और 16 स्थान के सुधार के साथ 16वें (613) स्थान पर पहुंच गईं। चोट से विश्व कप के बाकी मैचों से बाहर हुई भारतीय सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल 564 की रेटिंग के साथ शीर्ष 30 (27वें स्थान) में पहुंच गईं। इस विश्व कप में स्पिन की अहम भूमिका रही है और कई गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन के बूते अपनी रैंकिंग में सुधार किया है। इंग्लैंड की सोफी एकलेस्टोन महिला वनडे गेंदबाजी रैंकिंग (747) में शीर्ष पर बनी हुई हैं। एकलेस्टोन को ऑस्ट्रेलिया की लेग स्पिनर अलाना किंग से कड़ी टक्कर मिल रही है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सात विकेट लिए थे। किंग ने करियर की सर्वोच्च रेटिंग 698 के साथ पांच स्थान की छलांग लगाई।

पाकिस्तान की नशरा संधू दक्षिण अफ्रीका की बायें हाथ की स्पिनर नॉनकुलुलेको म्लाबा (610) के साथ संयुक्त रूप से 10वें स्थान पर रहीं, जबकि तेज गेंदबाज मारिजन काप और सदरलैंड भी एक-एक स्थान के सुधार के साथ क्रमशः चौथे और सातवें स्थान पर पहुंच गईं। बायें हाथ की एक और स्पिनर लिंसे स्मिथ रैंकिंग में 24 स्थानों का सुधार करने में सफल रही। वह 444 रेटिंग के साथ 36वें स्थान पर पहुंच गयी है। गार्डनर ने विश्व कप में प्रदर्शन से हरफनमौला खिलाड़ियों की सूची में अपना पहला स्थान (रेटिंग 503) पक्का कर दिया है। इस सूची में वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज को पछाड़कर काप दूसरे स्थान पर पहुंच गई है।

रणजी ट्रॉफी

ग्रीनपार्क स्टेडियम में चौथे दिन बारिश के कारण मैच रुका, ओडिशा के खिलाफ मैच ड्रा घोषित

यूपी की जीत में बारिश बनी रोड़ा, बढ़त के आधार पर मिले तीन अंक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। रणजी ट्रॉफी मुकाबले में ओडिशा के खिलाफ यूपी टीम की जीत में बारिश बाधा बनी। यूपी ने चौथे दिन मंगलवार को पहले सत्र में छह विकेट पर 140 रन बनाकर पारी घोषित की। जवाब में ओडिशा ने दूसरी पारी में 44 ओवर में तीन विकेट पर 151 रन बना लिए थे। इसके बाद बारिश के कारण खेल नहीं हो सका और रोकना पड़ा। मैच ड्रा घोषित किया गया। पहली पारी में मिली 166 रनों की बढ़त के आधार पर यूपी को इस मुकाबले में तीन अंक मिले। ओडिशा को एक अंक से ही संतोष करना पड़ा।

ग्रीनपार्क स्टेडियम में तीसरे दिन सोमवार को जहां बूंदाबांदी के कारण केवल 42 ओवर का ही खेल हो सका था, वहीं मंगलवार को कुल 46 ओवर ही फेंके जा सके। सोमवार को 128 ओवर में छह विकेट पर 380 रनों से आगे खेलते हुए यूपी ने अपनी पहली पारी 130 ओवर में छह विकेट पर 409 रन बनाकर घोषित की। विप्रज निगम 28 गेंदों में 31 और शिवम छह गेंदों में 12 रन बनाकर नाबाद रहे। ओडिशा से संबित ने तीन, बादल और सुमित को एक-एक सफलता मिली। पहली पारी में 166 रनों से पिछड़ चुकी ओडिशा की टीम ने इस बार संभलकर शुरुआत की, हालांकि 7.5 ओवर में 43 रनों के स्कोर पर शिवम मावी ने 23 रन पर आशीर्वाद को और 11.2 ओवर में 55 से स्कोर पर संदीप पटनायक को पांच रन पर आउट कर टीम को लगातार दो सफलता दिलाई। इसके बाद कुणाल त्यागी ने कप्तान शुभ्रांशु सेनापती को 11 रन पर अपना शिकार बनाया। हालांकि दूसरी तरफ डटे ओपनर स्वास्तिक सामल ने गोविंदा पोद्दार के साथ मिलकर खेल रोके जाने तक 72 रनों की साझेदारी करते हुए टीम को 44 ओवर में 151 रनों के स्कोर तक पहुंचाया। स्वास्तिक ने 113 गेंदों में आठ चौके व एक छक्के की मदद से नाबाद 71 और गोविंदा 72 गेंदों में 38 रन बनाकर नाबाद लौटे। बारिश के कारण मैच नहीं हो सका और ड्रा रहा। यूपी टीम से शिवम मावी ने दो और कुणाल त्यागी ने एक विकेट झटका।

विकेट लेने के बाद जश्न मनाते यूपी के खिलाड़ी। अमृत विचार

बंगाल ने गुजरात को 141 रनों से हराया

कोलकाता। मोहम्मद शमी के पांच विकेट की बदौलत बंगाल ने मंगलवार को रणजी ट्रॉफी ग्रुप सी मैच में गुजरात को 141 रन से हराया। शमी ने इसके साथ ही राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने की अपनी दावेदारी मजबूत की। शमी ने घरेलू प्रतियोगिता में अब तक दो मैच में 68 ओवर में 15 विकेट चटकाकर अपनी फॉर्म और फिटनेस का अच्छा नजारा पेश किया है। शमी ने दूसरी पारी में 38 रन पर पांच विकेट चटकाए, जिससे गुजरात की टीम 327 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दूसरी पारी में 185 रन पर ढेर हो गई। शमी ने मैच में आठ विकेट चटकाए। पहली पारी में छह विकेट चटकाने वाले बाएं हाथ के स्पिनर शहबाज अहमद को मैन ऑफ द मैच चुना गया। रामनगर में उत्तराखंड ने रेलवे के पहली पारी में 333 रन के जवाब में 398 रन बनाकर 65 रन की बढ़त और तीन अंक हासिल किए। रेलवे को एक अंक मिला। उत्तराखंड की की ओर से युवराज चौधरी ने 92 रन बनाए जबकि भूपेन लालवानी ने 78 रन की पारी खेली।

द. अफ्रीका को पेश करनी होगी कड़ी चुनौती

गुवाहाटी, एजेंसी

लीग चरण में जीत हासिल कर सेमीफाइनल में पहुंचने वाली दक्षिण अफ्रीका की टीम को महिला वनडे विश्व कप के अंतिम चार के मुकाबले में अगर चार बार के चैंपियन इंग्लैंड के सामने कड़ी चुनौती पेश करनी है तो उसके बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। अफ्रीका को लीग चरण में जिन दो मैच में हार मिली थी, उनमें उसके बल्लेबाज नाकाम रहे।

पहले मैच में 69 रन पर आउट होने के बाद निराश अफ्रीकी टीम ने अच्छी वापसी की तथा न्यूजीलैंड, भारत, बांग्लादेश, श्रीलंका और पाकिस्तान पर जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रही। स्पिनरों के सामने उसके बल्लेबाजों का संघर्ष ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतिम लीग खेल में फिर से सामने आया, जिसने उन्हें 24 ओवरों में सिर्फ 97 रन पर ढेर कर दिया। इंग्लैंड एक बार फिर उसकी इस कमजोरी का फायदा उठाने की कोशिश करेगा और अफ्रीकी बल्लेबाजों को रोकने के लिए न केवल अपनी ऑलराउंड ताकत पर बल्कि स्पिन तिकड़ी सोफी एक्लेस्टोन, लिंसे स्मिथ और चार्ली डीन पर भी निर्भर करेगा। तेज गेंदबाज लॉरेन बेल को शुरू में दबाव बनाना होगा, जबकि एलिस कैप्सी अच्छी लय में हैं। उन्होंने टूर्नामेंट में अब तक पांच विकेट लिए हैं। इंग्लैंड के लिए हालांकि स्टार स्पिनर एक्लेस्टोन की चोट चिंता का विषय बनी हुई है। वह न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए मैच में चोटिल हो गई है। इंग्लैंड को उम्मीद है कि वह अफ्रीका के खिलाफ मैच तक पूरी तरह फिट हो जाएगी।

गुवाहाटी में प्रशिक्षण सत्र के दौरान द. अफ्रीका की क्रिकेटर।

इंग्लैंड : नैट स्कवर-ब्रंट (कप्तान), एम अर्लट, टैमी ब्यूमोंट, लॉरेन बेल, एलिस कैप्सी, चार्ली डीन, सोफिया डंकले, सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन फाइलर, सारा ग्लेन, एमी जोन्स, हीथर नाइट, एम्मा लैम्ब, लिन्सी स्मिथ, डैनी व्याट-हॉज।

दक्षिण अफ्रीका : लौरा वोल्वार्ड्ट (कप्तान), एनेके बॉश, तज़मिन ब्रिट्स, नादिन डी क्लार्क, एनेरी डर्कसन, सिनालो जाफ्ता, मारिज़ान काप अयाबोंगा खाका, मसाबाता क्लास, सुने लुस, कराबो मेसो, नॉनकुलुलेको म्लाबा, तुमी सेखुखुने, नोंडुमिसो टंगारियोन।
– मैच दोपहर 3 बजे।